अमित शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी - 12

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा- 12

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते : सुप्रीम - 13

दिग्गज तेंदुलकर ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन - 14

आज का मौसम
43.0⁰ अधिकतम तापमान
28.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.43

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष नवमी 06:28 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

शनिवार, 25 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 150, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

आप के केजरी की ढही 'वॉल'

राघव चड्ढा, मालीवाल समेत सात राज्यसभा सांसद आप का दामन छोड़ भाजपा में शामिल | चड्ढा बोले- जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से पूरी तरह भटकी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में सत्ता गंवाने के बमुश्किल एक साल बाद शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) को तब सबसे बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा समेत उसके सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा के अलावा 'आप' से इस्तीफा देने वाले अन्य राज्यसभा सदस्यों में संदीप पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, अशोक मित्तल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रम साहनी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, आप, जिसे मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल नैतिक मूल्यों से पूरी तरह भटक गई है। हाल ही में चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था।

उन्होंने कहा, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं। इनमें से दो-तिहाई से अधिक सांसद इस पहल में हमारे साथ हैं। चड्ढा ने कहा, उन्होंने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, और शुक्रवार सुबह हमने राज्यसभा के सभापति को हस्ताक्षरित पत्रों एवं अन्य औपचारिक दस्तावेज सहित सभी आवश्यक कागजात सौंप दिए हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी अब देश के लिए नहीं, बल्कि अपने ही फायदे के लिए काम कर रही है। चड्ढा ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, मुझे यह महसूस होने लगा है कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। आज, मैं आप से अलग होने और जनता के साथ अधिक निकटता से काम करने के अपने निर्णय की घोषणा करता हूं। इस दौरान राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी, लेकिन ऐसा हो गया है।

पाठक ने कहा, मैं दस साल तक इस पार्टी से जुड़ा रहा। और आज मैं आम आदमी पार्टी से अलग हो रहा हूं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राघव चड्ढा।

इन सांसदों ने छोड़ा आम आदमी पार्टी का साथ

संदीप पाठक | अशोक मित्तल | हरभजन सिंह | विक्रजीत साहनी | राजेंद्र गुप्ता | स्वाति मालीवाल

भाजपा बोली- भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि राघव चड्ढा और संदीप पाठक सहित आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद आप पूरी तरह से बिखर गई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता। यह पार्टी, जिसने खुद को एक अलग तरह की पार्टी होने का दावा करते हुए शुरुआत की थी, भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है। पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर कहा, आम आदमी पार्टी पूरी तरह से बिखर गई है। इसका टूटना अब अटकलबाजी नहीं रही, बल्कि यह वास्तविक रूप से हो रहा है। चड्ढा और पाठक ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे आप के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। चड्ढा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आप के राज्यसभा के 10 में से 7 सदस्य भाजपा में शामिल हो रहे हैं। संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं। हमने इस संबंध में आज राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ एक पत्र सौंपा है।

केजरीवाल ने कहा-भाजपा ने पंजाब के साथ धोखा किया

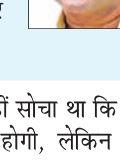

नई दिल्ली। आप के सात राज्यसभा सदस्यों के पार्टी छोड़ने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा ने एक बार फिर पंजाब की जनता के साथ धोखा किया है। केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा ने एक बार फिर पंजाबियों के साथ धोखा किया है।

टेक्नोलॉजी, वैल्यू एडिशन और किसानों की आय बढ़ाना लक्ष्य : शिवराज सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्रीय कृषि मंत्री और सीएम योगी ने किया क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का उद्घाटन, फार्मर आईडी पर फोकस
- रामनाथ ठाकुर बोले- कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्यों के साथ समन्वय जरूरी

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर राज्य को कृषि के लिए स्पष्ट रोडमैप के साथ फार्मर आईडी बनाने में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी, वैल्यू एडिशन और किसानों की आय बढ़ाना लक्ष्य है। किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना ही सरकार की प्राथमिकता है। बिना लक्ष्य ठोस योजना के खेती और किसानों का समग्र विकास संभव नहीं है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को लखनऊ के एक होटल में आयोजित क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी के साथ उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में फार्मर आईडी बनाने का काम तेजी से चल रहा है, जिससे किसानों को एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। इस आईडी के माध्यम से किसान विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने राज्यों से इस दिशा में तेजी से कार्य करने का आह्वान किया। चौहान ने कहा कि देश में अब 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है, जिससे शोध सीधे खेत तक पहुंच रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि कृषि को वैल्यू एडिशन और प्रोसेसिंग से जोड़ना समय की आवश्यकता है। फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और मार्केटिंग नेटवर्क के विस्तार से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। कार्यक्रम में यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, उद्यान मंत्री हिमाचल प्रदेश जगत सिंह नेगी, कृषि मंत्री उत्तराखंड गणेश जोशी आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

पहले औपचारिक आयोजनों तक सीमित थीं नीतियां: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले नीतियां केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित थीं, लेकिन अब किसानों को जानकारी, संसाधन और बाजार तीनों उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि किसान नई तकनीकों को अपनाकर बेहतर परिणाम दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 'लैब टू लैंड' की अवधारणा अब धरातल पर उतर चुकी है, जिससे किसानों को सीधे वैज्ञानिक तकनीकों का लाभ मिल रहा है। वैज्ञानिक तकनीकों, एग्रो-क्लाइमेटिक जोन आधारित रणनीति और केंद्र-राज्य के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ा है, बहुफसली खेती का विस्तार हुआ है और वैल्यू एडिशन पर फोकस बढ़ा है।

ब्रीफ न्यूज

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द

मुंबई। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को जारी किया गया बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। बैंक के मामले इस तरह से संचालित किए जा रहे थे, जो बैंक और उसके जमाकर्ताओं के हित के लिए हानिकारक थे। आरबीआई ने कहा, बैंक के प्रबंधन का सामान्य चरित्र जमाकर्ताओं के हित के साथ ही सार्वजनिक हित के लिए भी प्रतिकूल है। इसके चलते पेटीएम पेमेंट्स बैंक को किसी भी बैंकिंग व्यवसाय के संचालन से प्रतिबंधित कर दिया गया है। आरबीआई ने यह भी कहा कि वह बैंक को बंद करने के लिए उच्च न्यायालय में एक आवेदन करेगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के पास बैंक के बंद होने पर अपनी पूरी जमा देनदारी चुकाने के लिए पर्याप्त नकदी उपलब्ध है।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो गिरफ्तार

बिजनौर। आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री और हथियारों के गैरकानूनी इस्तेमाल से जुड़ी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त दो लोगों को बिजनौर से गिरफ्तार किया गया है। यह मामला 23 नवंबर, 2025 को इंस्टाग्राम पर प्रसारित एक वीडियो से संज्ञान में आया, जिसमें आकिब 'लाइव सत्र' के दौरान अन्य लोगों के साथ हथियार प्रदर्शित करते हुए दिखाई दे रहा था। बाद में यह वीडियो मीडिया प्रोफाइल पर पोस्ट किया गया। जांच में कई की पहचान की गई। इनमें से उवैद मलिक, जलाल हैदर, समीर उर्फ रूहान और माजुल पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

सीईसी ज्ञानेश को हटाने के लिए 73 सांसदों का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्षी दलों ने राज्यसभा के महासचिव को सौंपा नया प्रस्ताव
- कांग्रेस ने कहा- सीईसी का पद पर बने रहना संविधान पर हमला

विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के संदर्भ में शुक्रवार को राज्यसभा को नया नोटिस सौंपा और उन पर सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता सहित कई आरोप लगाए। संसद के उच्च सदन के 73 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को दिया गया है।

राज्यसभा के महासचिव ने कहा कि यह मांग 15 मार्च 2026 को और उसके बाद उनके द्वारा किए गए कृत्यों और गलतियों के आधार पर सिद्ध दुराचार के आधार पर की गई है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) को अनुच्छेद 124(4) के साथ पढ़ते हुए, साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) तथा न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अंतर्गत आता है। रमेश ने कहा कि अब मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप हैं, जिन्हें बेहद विस्तार से दर्ज किया गया है और जिन्हें न तो नकारा जा सकता है और न ही दबाया जा सकता है। उन्होंने दावा किया, उनका पद पर बने रहना संविधान पर हमला है। यह पूरी तरह शर्मनाक है कि वह अब भी पद पर बने हुए हैं, ताकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारों पर काम कर सकें। विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव लाने का नया नोटिस देते हुए उनके विरुद्ध कई आरोप लगाए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता, आचार संहिता से जुड़ी कार्रवाइयों में पक्षपात और 'त्रुटिपूर्ण' एसआईआर को पूरे देश में क्रियान्वित करना प्रमुख हैं।

विपक्ष बोला- बड़ी संख्या में मतदाता हुए वंचित

विपक्षी दलों ने एसआईआर का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया तथा 90 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पश्चिम बंगाल में आयोग के अधिकारियों द्वारा अलग-अलग शिकायतों पर जानबूझकर कार्रवाई नहीं की गईं। विपक्षी सांसदों का यह दावा भी है, 'दोषपूर्ण एसआईआर को राष्ट्रव्यापी स्तर पर करने की संस्तुति दी गई।

नौका विहार

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार सुबह हुगली नदी में नौका की सवारी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नदी की दिव्य जलधाराएं एक पूरी सभ्यता की शाश्वत भावना को अपने अंदर समेटे हुए हैं। मोदी ने यह भी कहा कि वह पश्चिम बंगाल के विकास और महान बंगाली लोगों की समृद्धि के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ● अमृत विचार

गन्ना किसानों की फसल का होगा जीपीएस सर्वे

- मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर गन्ना विभाग ने शुरू की तैयारी

लखनऊ। सीएम के निर्देश पर प्रदेश में गन्ना किसानों की फसल का जीपीएस आधारित सर्वेक्षण कराया जाएगा। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग ने इसके लिए नीति जारी कर दी है। सर्वे 1 मई से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगा। सर्वेक्षण की सूचना पंजीकृत किसानों को तीन दिन पहले मोबाइल एसएमएस के जरिए दी जाएगी।

सर्वे टीम में एक राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक और एक चीनी मिल कर्मचारी शामिल होंगे, जिन्हें पहले से प्रशिक्षित किया जाएगा। सर्वे के दौरान किसान की मौजूदगी अनिवार्य होगी और टीम खेत पर पहुंचकर जीपीएस के माध्यम से डेटा सीधे विभागीय सर्वर पर दर्ज करेगी। सर्वे पूरा होने के बाद खेत का क्षेत्रफल, गन्ने की किस्म किसानों को एसएमएस के जरिए भेजे जाएंगे। वीना कुमारी ने बताया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए यह सर्वेक्षण नीति लागू की गई है और आंकड़े ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

अमेरिका से शांति वार्ता को इस्लामाबाद जाएंगे अराघची

इस्लामाबाद। अमेरिका के साथ दूसरे दौर की शांति वार्ता के लिए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार रात इस्लामाबाद आ सकता है। अमेरिका की साजो-सामान और सुरक्षा टीम पहले से ही इस्लामाबाद में मौजूद है। यह घटनाक्रम उस फोन कॉल के कुछ घंटे बाद सामने आया है, जिसमें पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार तथा अराघची ने अमेरिका-ईरान संघर्षविराम एवं पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर विचार-विमर्श किया। वहीं, ईरानी दूत काजेम जलाली ने कहा है कि ईरान मामलों को कूटनीति से सुलझाना पसंद करेगा लेकिन अगर बात बिगड़ती है, तो वह युद्ध जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने इस्लामिक गणराज्य के कई मर्तबा धोखा खाने के बावजूद कभी भी कूटनीति का साथ नहीं छोड़ने की भी बात कही।

एनआईए को आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

मालदा मामला

- न्यायिक अधिकारियों के घेराव मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिए आदेश

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में एक अप्रैल को हुई उस सनसनीखेज घटना की जांच पूरी होने पर एनआईए को आरोप-पत्र दाखिल करने की शुक्रवार को अनुमति दे दी, जिसमें मालदा जिले में एक भीड़ ने सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया था।

प बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कुल 700 न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में तैनात हैं, ताकि मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की 60 लाख से अधिक आपत्तियों का निपटारा किया जा सके। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ को बताया कि जांच एजेंसी ने अब तक की जांच का विवरण देते हुए एक नयी स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। पीठ ने विधि अधिकारी की दलीलों का संज्ञान लेते हुए कहा, एनआईए को सक्षम क्षेत्राधिकार वाली अदालत में आरोप-पत्र दाखिल करने की स्वतंत्रता होगी।

न्यायाधिकरणों को तत्काल सुनवाई करने के आदेश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई का मामला बनता है, उनकी याचिकाओं पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए। सुनवाई की शुरुआत में भारत सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई। सीजेआई ने कहा, भारत के एक नागरिक के रूप में, मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं।

गाजियाबाद में मासूम से दुष्कर्म कर हत्या मामले में डीजीपी को महिला एसआईटी बनाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसआईटी में पुलिस आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की एक महिला अधिकारी होंगी शामिल

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यूपी के डीजीपी को निर्देश दिया कि वह पिछले महीने गाजियाबाद में चार साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में समयबद्ध जांच के लिए किसी आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की अधिकारी के नेतृत्व में पूरी तरह से महिला अधिकारियों की एसआईटी का गठन करें।

कोर्ट ने मामले की जांच के प्रति गाजियाबाद पुलिस की टालमटोल को लेकर चिंता जताई थी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एसआईटी का गठन शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे तक अधिसूचित किया जाए। संबंधित घटना 16 मार्च को हुई थी जब एक पड़ोसी दिहाड़ी मजदूर की बेटी को चॉकलेट दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। जब बच्ची वापस नहीं लौटी, तो उसके पिता ने उसकी तलाश शुरू की और बच्ची को खून से लथपथ एवं बेहोश पाया। मामले में चौंकाने वाली बात यह रही कि जब बच्ची मिली थी तो वह जीवित थी, लेकिन दो निजी अस्पतालों ने उसका इलाज करने से इनकार कर दिया जिसके कारण बाद में गाजियाबाद जिला अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई।

एसआईटी दो सप्ताह के जांच पूरी करे : पीठ

पीठ ने निर्देश दिया कि एसआईटी बिना देरी के जांच शुरू करे और अधिमानत: दो सप्ताह के भीतर जांच पूरी करने का प्रयास करे। इसने कहा कि एसआईटी बच्ची के माता-पिता द्वारा की गई सभी शिकायतों की जांच करेगी। पीठ ने कहा, जांच के परिणाम के आधार पर, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पीठ ने आदेश दिया कि एसआईटी में महिला पुलिस अधिकारी शामिल होंगी, जिनमें उप्र कैडर की पुलिस आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की महिला अधिकारी भी शामिल होंगी, लेकिन जिनका राज्य से कोई संबंध नहीं होगा।

भरोसा | आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा-निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन से ही साकार होगा सपना

भारत का विश्वगुरु बनना तय, देश के भविष्य पर संदेह न करें

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और देश के भविष्य के बारे में किसी को भी कोई संदेह नहीं रखना चाहिए। भागवत ने कहा, पहले लोगों को संदेह था कि राम मंदिर कभी बनेगा भी या नहीं, लेकिन उसका निर्माण हुआ। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना भी तय है।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर शहर के बाहरी इलाके जामथा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के परिसर में 'भारत दुर्गा शक्ति स्थल' के भूमि पूजन के बाद यह बात कही। भागवत ने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत के भविष्य को लेकर किसी भी तरह का संदेह मन से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जिएं तथा इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत बनेगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। भागवत ने राम मंदिर आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा, लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बना। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना तय है। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कोई चीज होगी या नहीं होगी। जो होना तय है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा, यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम कार्य करते रहें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए लोगों को पहले भारत में गहराई से झांकना होगा।

भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा

उन्होंने कहा, भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा। भागवत ने कहा कि देश को उसके सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए, न कि 150 वर्षों में विकसित औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टिकोण से। उन्होंने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं आचरण के मामले में भारतीय परंपराओं से फिर से जुड़ने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। उन्होंने कहा कि भारत माता की पूजा का विचार केवल अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यक्तियों को अपने जीवन में स्वयं को भारत के स्वरूप में ढालने की आवश्यकता होती है।

गोमती उद्गम स्थल को भव्य रूप देने को 30 तक तैयार होगी विस्तृत कार्ययोजना

एनएमसीजी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने दिए निर्देश, पहले डीएम को सौंपी जाएगी कार्ययोजना

- 6 अप्रैल से गोमती उद्गम स्थल पर सर्वे में जुटी हैं वैपकोस की टीम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : आदि गंगा गोमती नदी के उदगम स्थल की खोई हुई गरिमा और उसकी अविरल धारा को पुनर्जीवित करने की कवायद तेजी से चल रही है। इस प्राचीन स्थल को भव्य और अलौकिक रूप देने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। एनएमसीजी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोजेक्ट ने वैपकोस संस्था को 30 मई तक हर हाल में विस्तृत कार्ययोजना (डीपीआर) तैयार करने को कहा है।

कलीनगर तहसील के माधोटांडा में ऐतिहासिक गोमती नदी का उद्गम स्थल है। अतीत पर नजर डालें तो करीब पांच दशक पहले तक नदी अपने पूरे वेग से बहती थी। उद्गम स्थल से 960 किलोमीटर की लंबा सफर तय करके गाजीपुर के पास गंगा नदी में मिल जाती है। उद्गम स्थल से शाहजहांपुर तक गोमती नदी का प्रवाह धीमा रहता था, लेकिन इससे आगे बढ़ने पर तमाम सहायक नदियों और नालों के मिल जाने से नदी पूरे वेग से बहने लगती थी। अब समय के साथ यह जीवदायिनी अस्तित्व खोती जा रही है। उदगम स्थल से जनपद सीमा तक 47 किमी लंबे क्षेत्र में यह पौराणिक नदी कही झील तो कहीं मात्र लकीर बनकर रह गई है। हालांकि केंद्र और प्रदेश सरकार ने उद्गम स्थल एवं गोमती नदी के वजूद पर मंडराते संकट को देखते हुए प्रयास शुरू किए हैं। साल के शुरूआत में केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद जल शक्ति मंत्रालय द्वारा गोमती उद्गम स्थल के संरक्षण, पुनर्जीवन और सौंदर्यीकरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने के लिए स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। परियोजना रिपोर्ट (कार्ययोजना) तैयार करने की जिम्मेदारी जल शक्ति मंत्रालय के अधीन वैपकोस (वाटर एंड पावर कंसलटेंसी सर्विसेज) को सौंपी गई है। इसी क्रम में वैपकोस की टीम बीते 06 अप्रैल को माधोटांडा स्थित गोमती उगदम स्थल पर पहुंची थी। डिप्टी चीफ इंजीनियर दिनेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में टीम यहां पिछले 19 दिनों से अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से गोमती उदगम स्थल के संरक्षण, सौंदर्यीकरण, घाटों एवं पाथ-वे एवं हरित क्षेत्र का विकास, सांस्कृतिक एवं धार्मिक परिसर का विकास, पर्यटकों के लिए सुविधा केंद्र समेत आधारभूत ढांचे के निर्माण को लेकर सघन सर्वे कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार में जुटी हैं।

गोमती उद्गम स्थल। ● अमृत विचार

डीपीआर की फाइनल रिपोर्ट डीएम को सौंपे

इधर, बीते दिवस राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोजेक्ट ब्रजेंद्र स्वरूप की अध्यक्षता में जिला प्रशासन के साथ ऑनलाइन मीटिंग हुई। मीटिंग में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के अलावा कार्ययोजना तैयार कर वैपकोस संस्था के अधिकारी, स्थानीय अधिकारी एवं गोमती सेवक शामिल रहे। इस दौरान एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोजेक्ट ने वैपकोस के अधिकारियों से कार्ययोजना की प्रगति के सबंध में जानकारी लेते हुए 30 मई तक हर हाल में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य योजना प्रस्तुत की जाए, उसमें संबंधित भूमि की गाटा संख्या, नक्शा एवं भूमि का पूरा विवरण भी शामिल किया जाए। बैठक के दौरान डीएम ने उदगम स्थल के सौंदर्यीकरण के साथ नदी की अविरल धारा बहाने की बात कही। जिस पर उन्होंने संबंधित अफसरों से चर्चा की। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्ययोजना तैयार होने के बाद फाइनल रिपोर्ट सबसे पहले जिलाधिकारी को प्रेषित किया जाए, क्योंकि स्थानीय स्तर पर उनकी सहमति और इनपुट बेहद महत्वपूर्ण हैं।

> गोमती उदगम स्थल के कायाकल्प के लिए सर्वे चल रहा है। हमारा उद्देश्य इस पौराणिक नदी के प्राकृतिक स्वरूप को बहाल करना है। कार्ययोजना तैयार होने के बाद उसका सूक्ष्मता से अवलोकन किया जाएगा ताकि भविष्य की जरूरतों के मुताबिक निर्माण और संरक्षण कार्य हो सकें।
> –ज्ञानेंद्र सिंह, डीएम

हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्रा सम्मानित

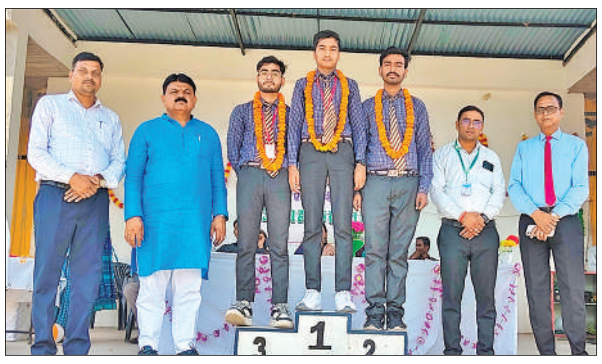
पुरस्कृत किए गए मेधावी, प्रबंधक व अन्य। ● अमृत विचार

- कॉलेज प्रबंधक एवं गन्ना सहकारी समिति के अध्यक्ष ने उज्जवल भविष्य की कामना की

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परिणाम घोषित हो चुका है। चौधरी निहाल सिंह इंटर कॉलेज के छात्र अमन गंगवार ने इंटरमीडिएट में 88.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में छठवां स्थान प्राप्त किया।

इसको लेक कॉलेज प्रबंधक एवं गन्ना सहकारी समिति के अध्यक्ष चौधरी दिग्विजय सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंटकर, पुष्प माला पहनाकर छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की। इंटरमीडिएट के रचित सिंह 81 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में द्वितीय औ अमन गंगवार ने 80.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। हाईस्कूल में छात्र नितिन प्रजापति व सौरभ ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम, अमित कुमार ने 84 प्रतिशत के साथ द्वितीय और अंशिका ने 82.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इनको भी सम्मानित किया गया। इस मौके कपर दुर्गेश आर्य, डिग्री कॉलेज प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह, इंटर कालेज प्रधानाचार्य राजेश कुमार, उप प्रधानाचार्य संतोष कुमार, अनुराग शर्मा आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

युवती को फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : क्षेत्र के एक ग्रामीण ने करेली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री को 23 अप्रैल की सुबह पूरनपुर के ग्राम भगवंतापुर गौटिया निवासी दिनेश पुत्र महेश बहला फुसलाकर ले गया। इसमें गांव के ही मोनू पुत्र मदनगोपाल ने पुत्री को सिम दिया था और घटना को अंजाम देने में मदद की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सचिवालय में रह रहे पुलिसकर्मी, शिकायत

पीलीभीत, अमृत विचार : ग्राम पंचायत करेली के वार्ड नंबर 12 के सदस्य कृष्ण कुमार शर्मा ने शुक्रवार को डीएम से शिकायत की। जिसमें बताया कि ग्राम पंचायत में दुर्गा मंदिर के पास ग्राम सचिवालय बना हुआ है। इसमें बने कमरों में बिना अनुमति के कुछ पुलिसकर्मी डेरा जमाए हुए हैं। जिससे सदस्यों की बैठक करने में परेशानी होती है। पूर्व में भी इसे लेकर निर्देश दिए गए लेकिन समाधान नहीं हुआ। मामले की जांच डीपीआरओ रोहित भारती को दी गई है।

युवक को घेरकर पीटा एफआईआर दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला थान सिंह निवासी दिनेश ने पुलिस तहरीर देकर बताया कि 23 अप्रैल को रात करीब दस बजे वह अपने दोस्त से मिलने गया था। वहां पर उसका भतीजा व उसके भाई के साथ कहासुनी हो गई। आरोपियों ने गाली गलौज की। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। उसके दोस्त सागर ने बचाने का प्रयास किया तो उसकी भी पिटाई कर दी। शोर होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। इस पर आरोपी चेतन, उसका भाई उमाशंकर और पिता हरप्रसाद ने जान से मारने की धमकी देकर उसे भगा दिया। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराकर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रहस्यमय तरीके से युवती लापता

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 अप्रैल को उसकी 17 वर्षीय बहन सामान लेने के लिए घर से बाहर गई थी। काफी समय बीतने के बाद भी वह घर नहीं लौटी। जानकारी करने पर पता चला कि उसकी बहन को गांव का ही निवासी अमित उर्फ पुत्र ओमकार अपने पिता ओमकार, वीरू व प्रियांशी की मदद से फुसलाकर ले गया है। जब वह आरोपी के घर शिकायत करने गया तो आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी हैं। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सीसी सड़क का किया लोकार्पण

- लंबे समय से जर्जर थी सड़क, की जा रही थी निर्माण की मांग
- नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने काटा फीता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद द्वारा दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के तहत मोहल्ला नई बस्ती में सौरभ गंगवार के मकान से महेंद्र गंगवार के मकान तक निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया।

स्थानीय नागरिकों में सड़क बनने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बता दें कि ये सड़क लंबे समय से जर्जर थी और इस सड़क के निर्माण की मांग की जा रही थी। जिसको अब पूरा कर दिया गया है। लोगों का कहना था कि सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा और बरसात के समय होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलेगी। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकता है। नगर पालिका परिषद द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सड़कों, नालियों एवं अन्य आवश्यक कार्यों को तेजी से कराया जा रहा है।

आगामी समय में भी विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस मौकेपर सभासद चैतन्य गंगवार, सुनीता सिंह, साकेत सक्सेना, सुरेश लोधी, मोहन स्वरूप आदि मौजूद रहे।

सड़क का लोकार्पण करतीं नगरपालिकाध्यक्ष डॉ .आस्था अग्रवाल। ● अमृत विचार

मकान में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम नयागांव हैदराबाद निवासी बलवीर सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह और उसके परिवार के लोग 17 अप्रैल की रात खाना खाकर सो गए थे। जब वह करीब सुबह चार बजे सोकर उठा तो देखा कि अलमारी का ताला टूटा पड़ा था। जिसमें रखे एक लाख 10 हजार रूपये व 12 तोले सोने चांदी के जेवरात नहीं थे। जब उसने मकान का गेट खोलने का प्रयास किया तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। जानकारी पर परिवार के लोग भी उठ गए। दूसरे दरवाजे से जाकर मकान का मुख्य दरवाजा खोला। आसपास काफी तलाश की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। एसओ अमित सिंह ने बताया कि चोरी की तहरीर मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर खुलासे के प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यकाल बढ़ाने के लिए भेजा ज्ञापन

- ब्लॉक कार्यालय स्थित सभागार में एकत्र हुए ग्राम प्रधान
- मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम नागेंद्र पांडेय को सौंपा

बीसलपुर, संवाददाता

अमृत विचार : ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष के नेतृत्व में ब्लॉक कार्यालय स्थित सभागार में ग्राम प्रधान बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। जुलूस की शक्ल में तहसील पहुंचे और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम नागेंद्र पांडेय को सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि प्रधानों का मई माह में वर्तमान कार्यकाल समाप्त हो रहा है। मगर, संभावना है कि पंचायत चुनाव एक वर्ष आगे बढ़ सकते है। ऐसे में ग्राम पंचायतों के प्रशासक नियुक्त न करके ग्राम प्रधानों का कार्यकाल आगे बढ़ाया जाए। उनका कहना है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि सीधा जनता के प्रति जवाब देह होता है। प्रशासनिक अधिकारियों के पास विभागीय कार्य होने के साथ-साथ अतिरिक्त कार्यभार भी रहता है। जन समस्याओं के निस्तारण में सुगमता प्रदान नहीं कर पाते हैं, जो स्थानीय प्रतिनिधि कर सकते हैं। ऐसे में कार्यकाल बढ़ाने पर विकास की निरंतरता चलती रहेगी। विकास कार्य भी लगातार होते रहेंगे। ज्ञापन देने वालों में हरपाल सिंह, प्रधान गीता देवी मवैया, गीता शुक्ला प्रधान सिंबुआ, महिपाल प्रधान करनपुरचक, प्रधान आशा देवी ग्राम मझगवां, प्रधान गंगा सहाय बुधौली, किरण देवी प्रधान इलाहाबाद देवल, रवि कुमार प्रधान पैंतभोजी आदि मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन देते प्रधान संघ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

जरनैन आरजू, सहरनुमा और प्रियांशी ने पाया प्रथम स्थान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा बीसीए के सभी सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किये जा चुके हैं। स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज में बीसीए प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा। प्रथम सेमेस्टर में जरनैन आरजू अंसारी 73.43 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉपर बनीं। वही यशपाल ने 70.71 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय और मोहम्मद तौसीफ ने 70.29 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान पाया।

तृतीय सेमेस्टर में सहरनुमा 76.29 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉपर बनी। अनुष्का यादव ने 75.71 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय और मोहम्मद फरहान ने 75.29 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान पाया। पंचम सेमेस्टर में प्रियांशी गुप्ता 80.29 प्रतिशत अंक पाकर अव्वल रही। शिखा कुमारी एवं तान्या शर्मा 73.43 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से द्वितीय और सूर्यांश मिश्रा 73 प्रतिशत अंक पाकर तृतीय रहे। कार्यकारी निदेशक डॉ. हेमन्त जगोता और प्राचार्य डॉ. इलयास अहमद ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जरनैन आरजू अंसारी।

सहरनुमा।

प्रियांशी गुप्ता।

कैलाश तिथि पर्वोत्सव पत्रिका का विमोचन

बिलसंडा, अमृत विचार : हनुमान मढ़ी पर कैलाश तिथि पर्वोत्सव पत्रिका का विमोचन शुक्रवार को किया गया। सर्वजन कल्याण समिति के तत्वाधान में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा रहे। इसकी शुरुआत हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करके की गई।

पत्रिका के संपादक राजेश मिश्रा राजू, भाजपा नेता सुमित गुप्ता, सचिन शर्मा, विक्रम नरेश जायसवाल, रामसेवक शुक्ला, अरविंद शुक्ला, रवि पंडित, ओमप्रकाश शर्मा, सुधांशु पाराशर, संजीव मौर्य, रामेंद्र गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

पत्रिका विमोचन करते विधायक।

यूपी बोर्ड परीक्षा के मेधावियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : जेएल मैमोरियल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहम्मदगंज अमखिड़िया के प्रधानाचार्य दारा सिंह ने बताया कि विद्यालय का हाई स्कूल का परीक्षा फल 90 प्रतिशत रहा।

शोभित कुमार ने 74.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम, मोहनलाल वर्मा ने 73.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय, अमन कुमार ने 69.16 प्रतिशत अंक पाकर तृतीय, किरन वर्मा ने 67.33 प्रतिशत अंक पाकर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया है।

इसके अलावा कस्बे में स्थित शेरवुड हाई सेकेंडरी स्कूल के हाई स्कूल के छात्र नितिन भारती ने 84.83, पंकज राठौर ने 84.50, तान्या शर्मा ने 84 प्रतिशत, आकांक्षा ने 82 प्रतिशत, राजकुमारी ने 77.83, पवन कुमार ने 77 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। मेधावियों को विद्यालय प्रबंधन ने सम्मानित किया।

किरन वर्मा।

अमन कुमार।

शोभित कुमार।

मोहनलाल।

हाईस्कूल व इंटर के मेधावी सम्मानित

एक दूसरे को मिठाई खिलाती छात्राएं।

दियोरियाकलां, अमृत विचार : एजीएम इंटर कॉलेज बिहारीपुर हीरा में बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहतर रहा। हाईस्कूल के छात्र सुरजीत ने 91.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान पाया। इंटरमीडिएट परीक्षा विज्ञान वर्ग में अनुज ने 82.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम पाया। संस्थापक एलपी गंगवार, प्रबंधक सर्वेश गंगवार, प्रधानाचार्य पंकज कुमार गंगवार, उपप्रधानाचार्य ओविद प्रकाश शुक्ला ने सभी को सम्मानित किया।

जिले में आज छह केंद्रों पर होगी होमगार्ड भर्ती परीक्षा, सुरक्षा सख्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर जिले में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार से परीक्षा की शुरुआत होगी, जिसे निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं।

जिले में 25, 26 और 27 अप्रैल को आयोजित होने वाली इस परीक्षा में कुल 12,960 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक होगी। ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, एसएन इंटर कॉलेज, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय और राजकीय पॉलिटेक्निक को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। प्रत्येक दिन दोनों पालियों में कुल 4320 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा, ताकि सघन जांच की जा सके। प्रवेश केवल वैध प्रवेश पत्र और मूल पहचान पत्र आधार, पैन कार्ड, पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस के सत्यापन के बाद ही मिलेगा। इसके साथ ही हर अभ्यर्थी का बायोमेट्रिक, आइरिस स्कैन और फोटो भी लिया जाएगा। बिना पहचान पत्र के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

परीक्षा संचालन के लिए करीब 250 शिक्षकों की ड्यूटी कक्ष निरीक्षक के रूप में लगाई गई है। प्रत्येक 24 अभ्यर्थियों पर एक शिक्षक तैनात रहेगा, जबकि 107 शिक्षकों की विशेष ड्यूटी जिला प्रशासन की ओर से लगाई गई है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान रहेगा प्रतिबंध

परीक्षा के दौरान मोबाइल, स्मार्ट वॉच, एटीएम कार्ड समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अभ्यर्थियों को यह सामान केंद्र के बाहर ही रखना होगा। चेकिंग के दौरान प्रतिबंधित सामग्री मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं परीक्षा केंद्र से 100 मीटर की परिधि में फोटो कॉपी की दुकानों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

खाताधारकों को दी गई योजनाओं की जानकारी

बैंक में हुए कार्यक्रम में शामिल लोग।

बीसलपुर: पीलीभीत रोड स्थित एक्सिस बैंक शाखा का स्थापना दिवस शुक्रवार को मनाया गया। खातेदारों को योजनाओं की जानकारी दी गई। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.अलका मेहरा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुरुआत कराई। इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को रोजगार करने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। खातेदारों को इन योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। इस मौके पर कैम स्कॉलर्स स्कूल के प्रबंधक राजेश अग्रवाल, मोहित मित्तल आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

महेश चंद्र शर्मा बनाए गए जिलाध्यक्ष, अमन महामंत्री

पीलीभीत, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर शुक्रवार को प्रांतीय ब्रज क्षेत्र महामंत्री प्रमोद कुमार त्यागी, उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह तोमर, कोषाध्यक्ष कमल सिंह, सदस्य पदम सिंह, मनोज मिश्रा, विभाग संघचालक ओमप्रकाश गंगवा की मौजूदगी में अधिवक्ता परिषद की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से अधिवक्ता परिषद पीलीभीत इकाई का जिलाध्यक्ष महेश चंद्र शर्मा को बनाया गया। उपाध्यक्ष पद पर सोमपाल सिंह, चिरौंजीलाल, वीके सिंह, चित्रा, महामंत्री पद पर अमन सक्सेना, मंत्री पद पर अमित जौहरी, परविंदर सिंह, रामभरोसे लाल, सचिन मिश्रा, कार्यालय मंत्री पद पर प्रदीप अग्रवाल अंकुर, विशिष्ट आमंत्रित सदसय देशदीपक मिश्रा, हर्षवर्धन पांडेय, महेंद्रपाल गंगवार, कुश कुमार वर्मा, रोहित शुक्ला, अनिल शर्मा, राजेंद्र प्रसाद, नरेंद्र गंगवार, अमित शुक्ला, संजय पांडेय, आदि को मनोनीत किा गया। संरक्षण मंडल में संजय सिंह तोमर, विजय अग्निहोत्री, धीरेंद्र मिश्रा, तोताराम गंगवार, विकास शर्मा को मनोनीत किया गया।

दोपहर 12 बजे तक स्कूलों की छुट्टी करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

पीलीभीत, अमृत विचार : उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के युवा विंग के जिलाध्यक्ष शैली शर्मा की अगुवाई में कार्यकर्ता शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा कि शिक्षा निदेशक के द्वारा 20 अप्रैल को एक आदेश सभी स्कूलों के लिए पारित किया था। जिसमें साफ तौर पर निर्देश दिए थे कि गर्मी और दोपहर के वक्त चल रही लू को देखते हुए स्कूलों का समय परिवर्तन किया जाए। सुबह सात बजे खुलने के बाद दोपहर 12 बजे तक स्कूल की छुट्टी की जाए। उनका कहना है कि अभी भी जनपद में इसका पालन कई स्कूलों में नहीं हो रहा है। मांग की गई कि समस्त स्कूलों की छुट्टी दोपहर 12 बजे तक की जाए। इस मौके पर ऋषभ सिंह, रजी अंसारी, केतन बेरी।, हसन खान, अदनान, मोनिस, शावेज शम्शी, असगर अली, निजाम अली आदि मौजूद रहे।

वाटर कूलर की कराई शुरुआत

बिलसंडा, अमृत विचार : हेमपुर स्थित हैप्पी ब्लूवर्ल्ड पब्लिक स्कूल में नए वाटर कूलर की शुरुआत शुक्रवार को बीसलपुर विधायक विवेक कुमार वर्मा ने कराई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक विक्रम नरेश जायसवाल, कोषाध्यक्ष सौरव शुक्ला, विद्यालय के डायरेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार शुक्ला ,प्रधानाचार्य कुलवीर सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव मौर्य, अनुज शुक्ला, परदेसी बाबू, सतनाम सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रतिदिन अंकित की जाए डिजिटल उपस्थिति, स्वच्छता पर भी दें ध्यान

बरखेड़ा,अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए बीएसए रोशनी सिंह की अध्यक्षता में यूट्यूब सत्र का आयोजन किया गया। बीएसए ने कहा कि डिजिटल उपस्थिति प्रतिदिन अंकित की जाए। समस्त प्रधानाध्यापक सुनिश्चित करें कि प्रत्येक दिन विद्यार्थियों की डिजिटल उपस्थित प्रेरणा एप्लीकेशन के माध्यम से दर्ज हो। 30 दिवसीय इंपैक्ट प्लान के तहत गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल, कहानी, संवाद और नवाचार के माध्यम से बच्चों को विद्यालय से जोड़ने पर जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षक कार्ययोजना तैयार कर प्रधानाध्यापक को प्रस्तुत करें, जिससे विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी मॉडलों को आगे लागू किया जा सके। स्कूल चलो अभियान को प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार करें। ड्रॉपआउट और आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान कर उन्हें पुन: विद्यालय से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके अलावा स्कूल परिसर को स्वच्छ रखने, रंगाई पुताई और पेंटिंग आदि कराने के निर्देश दिए। कहा कि गांव में प्रत्येक परिवार से संपर्क करते हुए विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन कराएं। कोई भी बच्चा विद्यालय में नामांकित होने से वंचित न रहे। इसके अलावा भी कई निर्देश दिए गए। यूट्यूब सत्र में जिला समन्वयक राकेश पटेल, जितेंद्र कुमार, एसआरजी वैभव जैसवार, अमित पाठक, प्रशांत त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : जनपद बरेली के थाना नवाबगंज क्षेत्र के गांव गजरौला की निवासी सुनीता देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी पुत्री पूजा देवी की शादी 2022 में कस्बा बरखेड़ा के वार्ड नंबर सात निवासी अरविंद कुमार पुत्र नरायनलाल से हुई थी। पति अरविंद कुमार, उसकी बुआ भगवान देई पत्नी सुरेश निवासी बालपुर पट्टी थाना जहानाबाद आए दिन दहेज को लेकर प्रताड़ित करते थे। दहेज में एक लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर 24 अप्रैल को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

सड़क हादसे की एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : बरेली जनपद के थाना भुता क्षेत्र के ग्राम रूपापुर निवासी मेवाराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 अप्रैल को उनके दामाद अक्षय कुमार पुत्र राम सिंह ग्राम बाबूपुर थाना तिलहर शाहजहांपुर उनकी बेटी विरौजा देवी के साथ बाइक से कटकवारा से टिकरी माफी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही कंबाइन की टक्कर से विरौजा देवी की मौत हो गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चंदोई सिरसा निवासी सुमित्रा गौतमी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 19 दिसंबर 2023 को चंदोई निवासी उत्तम सिंह पुत्र निरंजन लाल के साथ हुई थी। शादी के बाद से ससुराल पक्ष के लोग दहेज में तीन लाख रुपये की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। 22 अप्रैल को शाम छह बजे पति उत्तम सिंह, ससुर निरंजन लाल, सास चमेली देवी, नंद धनदेवी, जेठ कालीचरन ने उसे कमरे में बंद कर दिया और गला दबाकर लात घूंसों और लाठी, डंडों से पीटा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

शिकायत करने गए युवक के साथ मारपीट

दियोरियाकलां, अमृत विचार : बच्चों के विवाद की शिकायत करने गए युवक की पिटाई कर दी गई। गांव मनपुरा निवासी सतीश पुत्र सीताराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बल्देवपुर खामघाट गांव का राजपाल, बब्लू, दीपक के बच्चों ने उसके बच्चे के साथ मारपीट की। इसकी शिकायत करने के लिए वह गए तो तीनों आरोपियों ने हमला कर पिटाई कर दी। बचाने पहुंचे भाई नितिन को भी पीटा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बोर्ड परीक्षा में फेल होने पर फंदे पर लटका

इंटरमीडिएट में एक विषय में फेल हो गया था छात्र, परिवार में कोहराम

- बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र की घटना, पुलिस कर रही मामले की जांच

संवाददाता, बीसलपुर

शव मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बोर्ड परीक्षा में फेल होने के बाद इंटमीडिएट के छात्र ने खुदकुशी कर ली। उसका शव दूसरे दिन एक खेत में यूकेलिप्टिस के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। शव पोस्टमार्टम को भेज पुलिस जांच कर रही है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ग्राम मुसेली के रहने वाले 17 वर्षीय अजुन कुमार पुत्र संजीव कुमार इंटरमीडिएट का छात्र था। गुरुवार शाम को यूपी बोर्ड का रिजल्ट घोषित किया गया। इसमें अनुष एक विषय (इतिहास) में फेल हो गया। देर रात तक परिवार वाले उसका इंतजार करते रहे, लेकिन जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन चिंतित हो गए। उसकी कई जगह तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। दूसरे दिन शुक्रवार सुबह अनुज का शव बीसलपुर से अमरा कासिमपुर होते हुए ग्राम बन्हाई को जाने वाले मार्ग पर खेत में खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ पर शर्ट के बने फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना मिलने पर इंस्पेक्टर क्राइम राजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक के परिवार वाले भी आ गए। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जानकारी की और कार्रवाई में जुट गई। वहीं, परिजन का रोकर बुरा हाल रहा।

मृतक अनुज।

सिपाही बनना चाहता था अनुज

अनुज के पिता संजीव कुमार का करीब 12 साल पहले निधन हो चुका है। वह तीन भाईयों में सबसे छोटा था। उसके दो बड़े भाई शिवम और शहवर हैं। परिजन ने बताया कि अनुज पुलिस में सिपाही बनना चाहता है। वह इसके लिए तैयारी भी कर रहा था। वह बीसलपुर में कोचिंग पढ़ता था। अग्निवीर में भर्ती होने के लिए भी तैयारी थी। गुरुवार को भी वह कोचिंग पढ़ने के लिए बीसलपुर था। मगर जब देर शाम तक घर नहीं पहुंचा और उसके फेल होने के बारे में जानकारी भी मिल गई थी। जिसे लेकर परिवार वाले चिंतित हो गए थे। जिसका उन्हें डर था वही हुआ.. दूसरे दिन ही सुबह अनुज का शव फंदे से लटका मिल गया।

छात्र की मौत के बाद परिजन गमगीन, मन में भी उठे सवाल

छात्र अनुज की मौत के बाद परिवार में गमगीन माहौल छा गया। अभी तक की जांच में अनुज के इंटरमीडिएट में फेल होने से क्षुब्ध होकर खुदकुशी करने की आशंका जताई जा रही है। परिवार की ओर से भी कोई आरोप नहीं लगाया गया है। मगर, उनके मन में घटनास्थल पर पहुंचने के बाद कुछ संदेह और सवाल उठते रहे। बताते हैं कि मृतक अनुज का बैग करीब पचास मीटर की दूरी पर पत्तों के नीचे दबा हुआ मिला। वहीं, अनुज घटनास्थल तक कैसे पहुंचा। इस पर भी उसके परिवार ने सवाल उठाए। हालांकि किसी तरह का अभी कोई आरोप खुलकर नहीं लगाया। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

निजी स्कूल की वैन पोल से टकराई, मची चीख-पुकार

स्कूल वैन के पास लगी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: कस्बे के एक निजी स्कूल की वैन बच्चों को लेकर लौटते वक्त बिजली के सीमेंट वाले पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सीमेंट का पोल टूट कर गिर गया। दो बच्चों को मामूली चोट आई। उनका निजी क्लीनिक पर इलाज कराया गया। सूचना मिलने पर परिवहन और पुलिस की टीम पहुंची। हादसे के बारे में जानकारी की गई।

कस्बे के लिटिल स्टार अकादमी की वैन का चालक शुक्रवार सुबह बच्चों को लेने के लिए गाड़ी को लेकर निकला। प्रतिदिन की तरह बरगदा समेत कई गांवों से बच्चों को लेकर करीब सात बजे विद्यालय आ रहा था। बताते हैं कि वैन तेज गति से थी। गांव लखनऊकलां से करीब 300 मीटर आगे पहुंचते ही अनियंत्रित होकर वैन पोल से टकरा गई। ग्रामीण जमा हो गए और बच्चों को बाहर निकाला। दूसरे वाहन से बच्चों को लाया गया। मामूली रूप से घायल दो बच्चों का निजी अस्पताल में इलाज कराया गया। परिवहन विभाग और पुलिस की टीम ने पहुंचकर हादसे को लेकर जांच पड़ताल की। पावर कॉरपोरेशन के अवर अभियंता ग्रामीण संत कुमार ने बताया कि हादसे की जानकारी मिली थी। इसे लेकर टीम को मौके पर भेज दिया था। की टक्कर से बिजली का खंभा टूट जाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने लाइन मैन शिवकुमार को मौके पर भेजा।

अब पहले आओ-पहले पाओ की व्यवस्था खत्म

- ई-लॉटरी से मिलेगा बीज वितरण का लाभ, खरीफ सीजन के लिए कृषि विभाग ने शुरू की बुकिंग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद के किसानों के लिए खरीफ की खेती से जुड़ी बड़ी खबर है। कृषि विभाग की योजनाओं के तहत मिलने वाले अनुदानित बीज के लिए अब किसानों को भाग-दौड़ करने या सिफारिश लगवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विभाग ने वर्षों से चली आ रही पहले आओ-पहले पाओ की व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। अब बीजों का वितरण पूरी तरह से पारदर्शी ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

खरीफ सीजन को लेकर कृषि विभाग ने धान, उर्द, ढैंचा और संकर मक्का बीजों के साथ उर्द, तिल, मूंगफली, मूंग, अरहर, सांवा, बाजरा, रागी और ज्वार की मिनीकिट के लिए लक्ष्य निर्धारित कर दिए हैं। इन बीजों के लिए विभागीय पोर्टल https://agriculture.up.gov.in पर बुकिंग प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। इच्छुक किसान 10 मई तक अपनी आवश्यकतानुसार बीज की ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक यदि निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो जनपद स्तरीय कमेटी के समक्ष ऑनलाइन ई-लॉटरी निकाली जाएगी। इसमें चयनित किसानों को ही बीज उपलब्ध कराया जाएगा। उप कृषि निदेशक राम मिलन परिहार ने बताया कि बीज वितरण प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए ई-लॉटरी की व्यवस्था लागू की गई है। इच्छुक किसान निर्धारित अंतिम तिथि तक पोर्टल पर जाकर अपनी बुकिंग सुनिश्चित कर लें। चयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी ताकि किसी भी पात्र किसान को शिकायत का मौका न मिले।

नवजात की मौत के मामले में डीएम से शिकायत

बरखेड़ा, अमृत विचार: नवजात की मौत के मामले में पीड़ित परिवार ने अब डीएम से शिकायत की है। जिसमें सीएचसी स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाया है। ग्राम ज्योराह कल्यानपुर के निवासी सुनील कुमार ने डीएम से की गई शिकायत में बताया कि 19 अप्रैल को रात नौ बजे पत्नी गीता देवी को प्रसव के लिए सीएचसी बरखेड़ा भर्ती कराया था। वहां पर दरे रात दो बजे एक बेटे का जन्म हुआ। आरोप है कि नवजात को वेंटीलेटर पर ले जाया गया। पांच मिनट बाद ही बिजली गुल हो गई और जनरेटर नहीं चलाया गया। जिससे ऑक्सीजन न मिलने से नवजात की जान चली गई। उनका कहना है कि रात्रि करीब 2.30 बजे के नवजात की मौत हुई। जन्म के समय बच्चा जीवित था। आरोप है कि पत्नी को डिस्चार्ज कराते वक्त पर्चे पर नवजात शिशु को जन्म के समय ही मृत दर्शाया गया है। इस मामले में जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

मुंबई सिने जगत तक पहुंची पीटीआर की गूंज

- प्रो. जितेंद्र गोविंदानी ने एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित को भेंट की पीटीआर की काफी टेबल बुक
- मुख्यमंत्री ने किया था विमोचन कैबिनट मंत्रियों तक पहुंच चुकी है काफी टेबल बुक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मुंबई में अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को पीटीआर की काफी टेबल बुक भेंट करते प्रो. जितेंद्र।

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वाइब्रेंट इको सिस्टम की गूंज अब मुंबई के सिने जगत तक भी पहुंच चुकी है। दरअसल, बीते दिनों प्रोफेसर जितेंद्र गोविंदानी ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व की काफी टेबल बुक अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को भेंट की। साथ ही प्रोफेसर ने टाइगर रिजर्व की विशिष्ट जैवविविधता समेत यहां की विशेषताओं को साक्षा किया। अभिनेत्री ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व की की जानकारियों पर गहरी रुचि दिखाई।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैव विविधता को लेकर देश-दुनिया में एक नया टूरिज्म आईकॉन के रूप में उभर रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की विशिष्ट जैवविविधता और यहां की खासियतों को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा काफी टेबल बुक तैयार की गई है। बीते माह लखनऊ में हुए एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टाइगर रिजर्व की काफी टेबल बुक का विमोचन किया था। उन्होंने काफी टेबल बुक के कंटेंट और गुणवत्ता की सराहना करते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए थे। साथ ही यह टेबल बुक प्रदेश सरकार मे कैबिनेट बैठक में भी मंत्रियों को प्रदान की गई थी। इधर, अब पीलीभीत टाइगर रिजर्व की लोकप्रियता काफी टेबल बुक के माध्यम से मुंबई सिने जगत में भी पहुंच चुकी है। दरअसल, बीते दिनों प्रोफेसर गोविंदानी से टाइगर रिजर्व की काफी टेबल बुक धक-धक गर्ल के नाम से मशहूर फिल्म अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को भेंट की है। इस दौरान फिल्म अभिनेत्री ने टाइगर रिजर्व की खासियत जानने में खासी उत्सुकता भी जताई। बता दें कि प्रोफेसर जितेंद्र गोविंदानी ने टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह के साथ इस काफी टेबल बुक को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है।

डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि कॉफी टेबल बुक के माध्यम से पीटीआर बाघों की गूंज अब मुंबई की मायानगरी तक पहुंच चुकी है। हमारा आगामी लक्ष्य फिल्म जगत की प्रसिद्ध हस्तियों को यहां आमंत्रित करना है, ताकि उनकी सहभागिता से पीटीआर की वैश्विक पहचान और पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके।

बैठक में ड्रेनेज सिस्टम की समीक्षा की

- डीएम की अध्यक्षता में बाढ़ और जल निकासी की तैयारियों को लेकर हुई बैठक, दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

गांधी सभागार में बैठक के दौरान नदियों की स्थिति देखते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

अमृत विचार : वर्षा ऋतु से पूर्व जनपद में बाढ़ के खतरे को कम करने और जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान को लेकर डीएम कीअध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। डीएम ने कहा कि नदियों और नालों पर अतिक्रमण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

गांधी सभागार में शुक्रवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक के दौरान मानचित्र और वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनपद की नदियों की वर्तमान स्थिति और ड्रेनेज सिस्टम की बारीकी से समीक्षा की गई। पाया गया कि कई क्षेत्रों में अतिक्रमण और नालों की गंदगी के कारण जल निकासी बाधित हो रही है। इस पर डीएम ने सिंचाई विभाग और नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों के निर्माण, चौड़ीकरण और सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए। उन्होंने नदियों और बड़े नालों के प्रवाह क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण पर सख्त नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तत्काल अतिक्रमण का चिन्हांकन कर प्रभावी कार्रवाई शुरू की जाए। कहा कि जल निकासी मार्गों को सुचारू रखना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। कहा कि सभी विभागाध्यक्ष आपसी समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरे करने की डेडलाइन भी तय की। बैठक में एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, अधिशासी अभियंता (सिंचाई एवं बाढ़ खंड), अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी राजेश चौधरी समेत नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी एंवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, पत्नी घायल

- सेहरामऊ उत्तरी के गांव जेठापुर गुरुद्वारे के पास हुआ हादसा
- शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा घायल का चल रहा उपचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शादी में शामिल होने निकले एक दंपती की बाइक को बस ने टक्कर मार दी। हादसे मे पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी घायल हो गई। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच कर रही है।

हादसा शुक्रवार दोपहर सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के जेठापुर गुरुद्वारे के पास हुआ। सेहरामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम सुल्तानपुर निवासी आकाश शर्मा पुत्र रामरतन शर्मा अपनी पत्नी खुशबू के साथ पूरनपुर के मोहल्ला चौक में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे। दोपहर करीब एक बजे जैसे ही वे जेठापुर गुरुद्वारे के पास पहुंचे, सामने से आ रही बस ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों सड़क पर गिर पड़े। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच कर रही है।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने आकाश शर्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी पत्नी खुशबू की हालत गंभीर है। सेहरामऊ उत्तरी एसओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

पहले की पंचायत, फिर सौंपा ज्ञापन

- भाकियू (भानू) ने समस्या का समाधान न होने पर जताई नाराजगी

संवाददाता, अमरिया

तहसील परिसर में मौजूद भाकियू (भानू) के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (भानू) के कार्यकर्ता तहसील अध्यक्ष रामगोपाल प्रजापति की अध्यक्षता में जमा हुए। पंचायत के बाद एसडीएम मयंक गोस्वामी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में पूर्व में उठाई गई मांगों पर समाधान न होने पर नाराज़गी जताई। कहा कि किसानों की समस्याओं का अब तक संतोषजनक समाधान नहीं किया गया है, जिसे लेकर रोष बढ़ता जा रहा है। प्रशासन को फिर से अपनी मांगों से अवगत कराते हुए प्रमुख मुद्दे उठाए। कहा कि अंश निर्धारण में भारी गड़बड़ियां हैं, जिसके लिए अलग पटल बनाया जाए। वहीं, लड़कियों के जाति प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए लेखपाल द्वारा गांव में सत्यापन कर प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की गई। इसके अलावा, नेशनल हाईवे निर्माण में खेतों से मिट्टी उठाने के कारण पुल क्षतिग्रस्त होने और सड़कों की हालत खराब होने का मुद्दा भी उठाया। किसानों ने माधौपुर फरदिया से सुंदरपुर तक नहर रोड को पक्का कराने की मांग की। साथ ही, मिट्टी ढोने वाले वाहनों को ढककर चलाने और निर्माण कार्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की बात कही, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। चेतावनी दी कि जल्द ही समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी, बाबूराम वर्मा, रघुवर सिंह आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में पासिंग आउट परेड से पहले हुई रिहर्सल

रिहर्सल के दौरान निरीक्षण करते एसपी सुकीर्ति माधव। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में रिक्रूट आरक्षियों की प्रस्तावित पासिंग आउट परेड के दृष्टिगत शुक्रवार को रिहर्सल की गई। इसका निरीक्षण एसपी सुकीर्ति माधव ने किया।

इस दौरान परेड की विभिन्न टुकड़ियों की चाल, अनुशासन, समन्वय एवं प्रस्तुति का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया। एसपी ने रिक्रूट आरक्षियों को परेड के दौरान शारीरिक दक्षता, एकरूपता एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

परेड मैदान की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों एवं अन्य तैयारियों का भी जायजा लिया। रिक्रूट आरक्षियों को पूर्ण मनोयोग एवं उत्साह के साथ परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। इस मौके पर सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल भी मौजूद रही।

निजी अस्पताल संचालक ने भेजे अधूरे अभिलेख

- पूरनपुर के सिद्धि आई हॉस्पिटल में आयुष्मान में गोलमाल करने के लगे थे आरोप
- जिला अस्पताल के चिकित्सक कर रहे हैं जांच, शिकायतकर्ता से हो चुकी सुलह

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : आयुष्मान योजना के नाम पर गोलमाल करने के आरोप में घिरे पूरनपुर के एक निजी अस्पताल की जांच शिकायतकर्ता के सुलह करने के बाद भी चल रही है। मगर, जांच की गति नहीं बढ़ सकी है। कमेटी का तर्क है कि अस्पताल संचालक की ओर से अभी तक पूर्ण अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। जिस डॉक्टर ने शिकायत के बाद सुलह कर ली है, उससे संबंधित 275 मरीजों के रिकॉर्ड ही दिए गए हैं। न ही स्थलीय सत्यापन (विजिट) संभव हो सकी है।

शहर के चिकित्सक डॉ. विकास अग्रवाल ने 12 जनवरी को सीएमओ से शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया था कि पूरनपुर के सिद्धि आई हॉस्पिटल की ओर से मामूली बीमारियों के ऑपरेशन गंभीर बीमारियों के नाम दर्शाकर आयुष्मान योजना से भुगतान लिया गया है। 13 जनवरी को ही जांच कमेटी गठित कर दी गई और 14 जनवरी को डिप्टी सीएमओ डॉ. ज्ञानप्रकाश, डीपीसी डॉ. अटलमणि शुक्ला और डीआईएसएम विवेक मिश्रा ने अस्पताल का निरीक्षण किया और उसी दिन अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। उस वक्त हुई जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं थी। उस वक्त कमेटी के अध्यक्ष एसीएमओ डॉ. ज्ञान प्रकाश ने संबंधित अस्पताल को डी-पैनल करने की संस्तुति भी की थी। जांच की सुस्त गति चलती और फिर शिकायतकर्ता और संबंधित अस्पताल के बीच समझौता हो गया। मगर, मामले की जांच टीम गठित की जा चुकी थी। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने जिला अस्पताल के नेत्र सर्जन डॉ. आर के गुप्ता की निगरानी में तीन सदस्यीय जांच कमेटी की गठित की, जोकि अभी जांच कर रही है।

कमेटी ने अस्पताल संचालक को पत्र भेजकर पूरे साल में किए गए मरीजों के ऑपरेशन की हिस्ट्री मांगी थी। बताते हैं कि अस्पताल संचालक की ओर से सिर्फ शिकायत और फिर समझौता करने वाले चिकित्सक के द्वारा किए गए 275 ऑपरेशन की सूची और अभिलेख जांच कमेटी को उपलब्ध करा दिए गए। शेष मरीजों के अभिलेख नहीं दिए हैं। न ही मरीजों से मिलवाकर उनका परीक्षण कराया है। ऐसे में जांच अधर में है। इधर, जांच कमेटी के डॉ. आर के गुप्ता ने इसको लेकर आयुष्मान के डीपीसी डॉ. अटलमणि शुक्ला और अस्पताल संचालक रोहित शर्मा को पत्र भेजकर शेष अभिलेख उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

सीएमओ बोले- एमबीबीएस नहीं नेत्र सर्जन की रिपोर्ट होगी

इस मामले में अब सीएमओ डॉ .आलोक कुमार का कहना है कि मामला नेत्र विभाग से जुड़ा है। ऐसे में नेत्र सर्जन की रिपोर्ट ही मान्य होगी। इसी को देखते हुए नेत्र सर्जन से जांच कराई जा रही है। हालांकि अब ये सवाल उठ रहे हैं कि अगर नेत्र सर्जन की रिपोर्ट ही मान्य होनी है तो पहले सिर्फ एमबीबीएस डॉक्टर और अन्य चिकित्सक से जांच क्यों कराई गई।

पुलिस आर्चरी प्रतियोगिता में पीलीभीत-शाहजहांपुर विजेता

पीलीभीत टीम को ट्रॉफी देतीं सीओ सदर नताशा गोयल। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : बरेली जोन की 13वीं अंतर्जनपदीय पुलिस आर्चरी प्रतियोगिता का आयोजन गांधी स्टेडियम में किया गया। इसकी शुरुआत एएसपी विक्रम दहिया ने कराई। पीलीभीत, शाहजहांपुर, रामपुर, बदायूं, मुरादाबाद, अमरोहा की कुल छह टीमों ने प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का परिचय दिया।

पुरुष वर्ग में जनपद पीलीभीत ने बदायूं को पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। वहीं महिला वर्ग में जनपद शाहजहांपुर ने पीलीभीत को हराकर जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में जनपद बदायूं के अरुण कुमार को सर्वश्रेष्ठ आर्चर घोषित किया गया, जबकि महिला वर्ग में जनपद शाहजहांपुर की सोनम ने सर्वश्रेष्ठ आर्चर का खिताब प्राप्त किया। शुक्रवार को हुए समापन में सहायक पुलिस अधीक्षक/ सीओ सदर नताशा गोयल बतौर अतिथि पहुंची। रेफरी अमन कुमार, प्रमोद पंत रहे।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज
स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर
मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

स्वीपर और चौकीदार संभाल रहे जिम्मेदारी

सीएचसी पर लापरवाही उजागर, डॉक्टर-फार्मासिस्ट नहीं तैनात, पीएचसी सुहास भी मिली बदहाल

- चिकित्सक दो दिन देख रहे बाकी दिन मरीज लग रहे मुख्यालय की दौड़

संवाददाता, बरखेड़ा /पीलीभीत

अमृत विचार : बरखेड़ा सीएचसी में लापरवाही से एक नवजात की जान जा चुकी है। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का आईना दिखा गई। कागजों में फिट दिखने वाली व्यवस्थाएं जमीन पर दम तोड़ती नजर आ रही हैं। कहीं डॉक्टर ओपीडी से नदारद हैं, तो कहीं फार्मासिस्ट के बिना मरीज दवा को तरस रहे हैं। ऐसे में इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले लोग निराशा और दर्द लेकर लौटने को मजबूर हैं। इसी कड़ी में बरखेड़ा ब्लॉक के सुहास स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की तस्वीर और भी चिंताजनक है, जहां डॉक्टर और फार्मासिस्ट के बिना स्वास्थ्य सेवाएं चल रही है। यहां मरीजों का सहारा अब प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मी नहीं, बल्कि वार्ड बॉय, नर्स और चौकीदार बनकर रह गए हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुहास का भवन। • अमृत विचार

बता दें कि बरखेड़ा ब्लॉक के गांव सुहास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण दो मार्च 2021 में कराया गया था। जिस पर करीब 188.59 लाख रुपये की लागत आई थी। इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नजदीक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था, ताकि छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए उन्हें दूर न भटकना पड़े। मगर, कुछ वर्षों में ही यह उद्देश्य अधूरा साबित होता नजर आ रहा है। यहां भवन तो बनाकर तैयार कर दिया गया। मगर डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती नहीं हो सकी है। आलम यह है कि इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक और फार्मासिस्ट दोनों के पद रिक्त हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं ठप सी हैं। यहां तैनात स्टाफ में केवल वार्ड बॉय विनोद सिंह, स्टाफ नर्स राधा सिंह और स्वीपर कम चौकीदार मुकेश कुमार मौजूद हैं, जो सीमित संसाधनों में व्यवस्थाओं को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। डॉक्टर की अनुपस्थिति का सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है। गांव के लोग सामान्य बुखार, खांसी-जुकाम, चोट या अन्य बीमारियों के इलाज के लिए भी यहां पहुंचते हैं, लेकिन चिकित्सक न होने के कारण उन्हें बिना जांच और परामर्श के ही लौटना पड़ता है। कई बार मरीजों को मजबूरी में झोलाछाप डॉक्टरों का सहारा लेना पड़ता है या फिर 10 से 20 किलोमीटर दूर अन्य स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल की दौड़ लगानी पड़ती है। पूर्व में सीएमओ द्वारा जोगीठेर पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. जसपाल चौधरी को सप्ताह में दो दिन यहां संबद्ध किया गया था, जिससे कुछ हद तक मरीजों को राहत मिलती थी। हालांकि मार्च माह में यह व्यवस्था भी समाप्त कर दी गई, जिसके बाद हालात और बिगड़ गए हैं। सीएचसी में हुई घटना के बाद महज कार्रवाई करने के बाद उन्हें सुधार का प्रयास नहीं कर रहे। ग्रामीणों की मांग है कि यहां चिकित्सक की तैनाती की जाए। ताकि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

आरोग्य मेले में नहीं मिलतीं सुविधाएं

जन आरोग्य मेले को प्रत्येक पीएचसी पर लगाने के निर्देश दिए हो। मगर पीएचसी सुहास पर यह व्यवस्था भी बदहाल है। यहां रविवार को लगने वाले में मेले में सिर्फ सीएचसी से डॉ. विजय प्रकाश को चंद घंटे के लिए भेज दिया जाता है। ताकि आरोग्य मेले के फोटो खींचकर उच्चाधिकारियों को भेजे जा सके। इसके बाद वह भी निकल जाते हैं। वहां काम करने वाले वार्ड ब्यॉय और चौकीदार अव्यवस्था से जूझ रही पीएचसी पर देखते हुए डॉक्टर बन गए हैं। कई बार तो वह मरीज को खुद दवा दे देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों की लागत से बना यह स्वास्थ्य केंद्र बिना डॉक्टर और दवा के महज एक इमारत बनकर रह गया है।

> पीएचसी पर चिकित्सकों की तैनाती की गई है। संख्या सीमित होने के चलते पोस्टमार्टम समेत अन्य ड्यूटी लगती हैं। इसी को लेकर दिक्कत कभी कभार आती है। फिलहाल चिकित्सक की तैनाती कर दी गई है। - **डॉ. आलोक कुमार**, सीएमओ

शादी में हुई कहासुनी, युवक के साथ मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम मुरसैना मदारी निवासी मनोज कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 जनवरी 2026 को वह परेवावैश्य में एक शादी समारोह में गया था। 21 अप्रैल को रात करीब दो बजे बरात में अनिकेत व राहुल निवासी ग्राम परेवावैश्य से उसकी कहासुनी हो गई। उक्त दोनों युवकों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दी। वह किसी तरह बचकर अपने घर की ओर पैदल निकला। इस दौरान आरोपियों ने अनिकेत और राहुल ने अपने दो अज्ञात साथियों के साथ उसे घेर लिया और लाठी, डंडों व धारदार हथियार मारकर उसे घायल कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। उसने घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। पुलिस के आने से पहले ही आरोपी भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संघ का कार्य सत्ता प्राप्ति नहीं, राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाना

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से हुई प्रमुखजन गोष्ठी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इसमें मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक ब्रज क्षेत्र धर्मेंद्र कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी डॉ. पीडी सिंह ने की। मंचासीन अतिथियों में विभाग संघचालक ओमप्रकाश, जिला संघचालक शिव कुमार रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ववलित करके की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत कराते अतिथि। • अमृत विचार

मुख्य वक्ता धर्मेंद्र कुमार ने संघ का परिचय देते हुए शुरुआत की। कहा कि संघ का मूल उद्देश्य हिन्दू संस्कृति, परंपराओं और समाज को संगठित कर एक सशक्त, स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है। संघ व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य के साथ कार्य करता है।

बताया कि संघ वर्तमान में पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। ये पंच परिवर्तन स्वदेशी अपनाओ, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता हैं। कहा कि संघ की 100 वर्ष की यात्रा बड़े ही उतार-चढ़ाव के साथ पूर्ण होने जा रही है। इस दौरान कई बार प्रतिबंध भी लगाए गए, मगर समाज की स्वीकार्यता और स्वयंसेवकों के समर्पण ने कभी इस पर आंच नहीं आने दी। डॉ. पीडी सिंह ने कहा कि संघ का कार्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि समाज को जोड़कर राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाना है। बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, मातृशक्ति एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर नगरपालिकाध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा , रेखा सिंह परिहार, पूर्व विधायक किशनलाल राजपूत, अंकुर गुप्ता आदि मौजूद रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
• 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
• बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
• आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
• कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
• प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
NABH PRE ACCREDITED
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज डायरी

विज्ञान से जुड़े रोचक तथ्यों से विद्यार्थियों को कराया अवगत

पीलीभीत, अमृत विचार : ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में आओ करके सीखें विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय समाधान अन्वेषिका पीलीभीत के समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने विज्ञान से जुड़े रोचक तथ्यों से छात्राओं को अवगत कराया। व्यावहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक सोच, नवाचार आदि बताया। सामान्य चीजों जैसे स्केल मैं दोनों तरफ इंच व सेंटीमीटर के अंतर को बताया। छात्र-छात्राओं को अवगत कराया कि किस प्रकार हमारे उठने व बैठने, सीधे खड़े होने एवं अपने आप को स्थिर करने में किस प्रकार विज्ञान का उपयोग होता है। उन्होंने गुब्बारे को उपयोग करके दबाव के बारे में बच्चों को जानकारी दी। प्रबंधक देवेंद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि हम अपनी दिनचर्या में किस प्रकार विज्ञान का उपयोग समय-समय पर करते हैं और इसका व्यावहारिक ज्ञान जीवन में अति आवश्यक है।

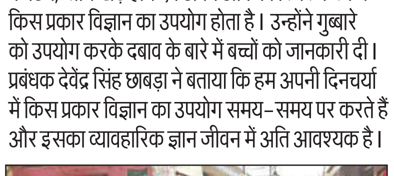

बीसलपुर में निकली महिला जन आक्रोश पदयात्रा

बीसलपुर, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी की ओर से शुक्रवार को महिला आक्रोश पदयात्रा का आयोजन किया गया। जिला मंत्री नागेंद्र प्रताप सिंह , नगर अध्यक्ष उमाकांत मिश्रा ने अगुवाई की। नगर कार्यालय से शुरू हुई पदयात्रा मुख्य मार्गों से गुजरी। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर विपक्षी पार्टियों के द्वारा विरोध करने पर विपक्षी पार्टियों के विरुद्ध नारेबाजी की गई। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अमन जायसवाल ,शिवेंद्र नाथ शुक्ला ,कुलदीप शुक्ला ,राकेश गंगवार ,अजय गुप्ता ,सुभाष पाण्डेय ,सौरभ गुप्ता ,नितिन वाल्मीकि ,चरण सिंह मौर्य ,सपना देवी राकेश अवस्थी ,विश्वेश्वर दयाल गंगवार ,संजय भारती, आशू भारद्वाज ,विपिन गुप्ता, कौशल पाण्डेय ,भुवनेश सक्सेना आदि मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर की सफलता के लिए निकाली रैली

पीलीभीत, अमृत विचार : संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में संत निरंकारी सत्संग भवन पीलीभीत ब्रांच द्वारा 13 मई को होने वाले विशाल रक्तदान शिविर के लिए जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। जिसमें बढ़चढ़कर लोगों ने हिस्सा लिया। संत निरंकारी सत्संग भवन से शुरू होकर रैली असम रोड चौराहा, नौगवां चौराहा, दूधिया मंदिर, लेखराज चौराहा, लोहा मंडी, जेपी रोड, ड्रमंडगंज चौराहा से स्टेशन रोड आदि से गुजरी। नुक्कड़ नाटक कर रक्तदान के लिए लोगों को जागरूक किया गया। बतौर अतिथि नगर पंचायत नौगवां पकड़िया की अध्यक्ष संदीप कौर शामिल हुई। इस मौके पर जोनल इंचार्ज प्रतिपाल सिंह बताया कि 13 मई को गांधी प्रेक्षा गृह में रक्तदान शिविर होगा।

भगवान परशुराम को पुष्प किए अर्पित, फिर हुई समीक्षा बैठक

पीलीभीत, अमृत विचार : समाजवादी अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश शुक्ला की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को पूरनपुर पहुंचा। असम चौराहा पर स्थित भगवान परशुराम चौक पर पहुंचने पर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष मोरध्वज ने टीम के साथ उनका स्वागत किया। भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। फिर समीक्षा बैठक हुई। इसमें संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। इस मौके पर भगवान शरण यादव, जिला उपाध्यक्ष आशीष कुमार, रामू पांडेय, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, रोहताश कुमार सिंह, संजीव वर्मा, गोविंद पांडेय, कामिल जमाल आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

स्मैक बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

पलिया/संपूर्णानगर, अमृत विचार : पलिया पुलिस ने 8 ग्राम स्मैक के साथ पलिया के मोहल्ला बाजार-2 निवासी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी कार्रवाई में थाना संपूर्णानगर पुलिस ने एसएसबी की 39वीं बटालियन के साथ संयुक्त अभियान चलाकर नेपाल के कंचनपुर निवासी रंजन अधिकारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 2.33 ग्राम स्मैक बरामद होने का दावा किया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान भेजा है।

युवक पर जानलेवा हमला, हाथ टूटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के प्रकाशनगर फत्तेपुर सैधरी निवासी संतोष ने बताया कि रात करीब 8 बजे वह अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान राधे गुप्ता और पप्पू रस्तोगी लाठी-डंडा व धारदार हथियार लेकर पहुंचे और उस पर हमला कर दिया। हमले में संतोष को गंभीर चोटें आईं और उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि हमलावर खुलेआम धमकी दे रहे हैं और किसी भी समय दोबारा जानलेवा हमला कर सकते हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच सीओ सदर को सौंपी है।

चोरी की पायल के साथ आरोपी गिरफ्तार

उचौलिया, अमृत विचार : पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए शाहजहांपुर कोतवाली के रंग महेल निवासी रामकुमार रस्तोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की पायल बरामद की है।

पेट्रोल पंपों पर भीड़ से ईंधन संकट, अफसरों का दावा किल्लत नहीं

किसानों की सिंचाई और सहालग के चलते बढ़ी मांग, धौरहरा समेत ईसानगर, खमरिया, रामनगर लहबड़ी, कफारा, रमियाबेहड़, ढखेरवा एवं टहारा में लग रही भीड़

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले भर में पेट्रोल पंपों पर भीड़ से डीजल-पेट्रोल की कमी होने लगी है। हालांकि अधिकारियों का दावा है कि जरूरत के हिसाब से तेल लिया जाए तो कोई किल्लत नहीं है। उधर, धौरहरा कस्बे समेत ईसानगर, खमरिया, रामनगर लहबड़ी, कफारा, रमियाबेहड़, ढखेरवा और टहारा क्षेत्र में इन दिनों ईंधन को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। पेट्रोल पंपों पर टैंकर पहुंचते ही भारी भीड़ उमड़ पड़ती है और महज तीन से चार घंटे में ही पेट्रोल-डीजल खत्म हो जाता है। इससे जहां एक ओर किसान फसलों की सिंचाई के लिए परेशान हैं, वहीं सहालग के चलते आम लोगों को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जिला मुख्यालय के साथ ही अब नगरों और गांवों तक में डीजल-पेट्रोल के लिए मारामारी हो रही है। आलम यह है कि भोर से ही पेट्रोल पंपों पंपों पर लाइनें लगनी शुरू हो जाती हैं और दोपहर तक अधिकतर पंप सूख जाते हैं। जहां तेल उपलब्ध है, वहां भीड़ इस कदर उमड़ रहे हैं कि पहले पाने के चक्कर में झगड़े तक हो रहे हैं। इससे स्थिति बेकाबू होती जा रही है। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी भयावह है। किसानों की सिंचाई ठप पड़ने लगी है, जिससे फसलों पर संकट गहराने लगा है। छोटे कारोबारियों और सहालग के लिए डीजल की कमी समस्या बन रही है। इससे कामकाज प्रभावित हो रहा है।

धौरहरा के पेट्रोल पंप पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

शहर के पेट्रोलपंप पर पेट्रोल के लिए लगी भीड़। ● अमृत विचार

मझगईं कस्बे में स्थित पेट्रोल पंप पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

धौरहरा में पंपों पर भगदड़, कालाबाजारी चरम पर

धौरहरा, अमृत विचार : कस्बे समेत आसपास के इलाकों में इन दिनों ईंधन को लेकर हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। पेट्रोल पंपों पर टैंकर पहुंचते ही अफरा-तफरी मच जाती है और महज 3-4 घंटे में ही पेट्रोल-डीजल खत्म हो जा रहा है। ईसानगर, खमरिया, रामनगर लहबड़ी, कफारा, रमियाबेहड़, ढखेरवा और टहारा क्षेत्र में लोग ईंधन के लिए भटकने को मजबूर हैं। सिंचाई के लिए किसानों की बढ़ती जरूरत और सहालग के चलते मांग अचानक बढ़ गई है, जबकि आपूर्ति इसके मुकाबले कम पड़ रही है। नतीजा लंबी कतारें, धक्का-मुक्की और घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटते लोग।

कालाबाजारी का खेल, आम लोग बेहाल

संकट के बीच मुनाफाखोर सक्रिय हो गए हैं। ये लोग किराए के लोगों को लाइन में लगाकर बड़े पैमाने पर केनों में पेट्रोल-डीजल भरवा रहे हैं और बाद में गांवों में 150 से 200 रुपये ज्यादा कीमत पर बेच रहे हैं। टैंकर आने से पहले ही सेटिंग कर लाइन घेर ली जाती है, जिससे आम उपभोक्ता को मौका ही नहीं मिल पाता।

हर पंप पर फिक्स चेहरे, दोहरी लाइन से खेल

धौरहरा के बीपी, इंडियन ऑयल और एचपी पंपों पर एक जैसे हालात हैं। विश्वनाथ पेट्रोल पंप के संचालक अवनीश कुमार के मुताबिक, एक ही लोग अलग-अलग पंपों पर बार-बार लाइन में लगकर ईंधन भरवा रहे हैं। इससे वास्तविक जरूरतमंदों को भारी दिक्कत हो रही है।

पुलिस की सख्ती भी बेअसर

भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लगातार जूझना पड़ रहा है। थाना प्रभारी रवींद्र सोनकर मौके पर मौजूद रहकर लाउडस्पीकर से लोगों को समझाते रहे, लेकिन हालात काबू में नहीं आ रहे। कई जगहों पर लोग पुलिस से भी उलझते नजर आए।

कई पंपों पर नो स्टॉक, लोग लौटे खाली हाथ

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: क्षेत्र में इन दिनों पेट्रोल-डीजल की किल्लत से आमजन परेशान हैं। हालात ऐसे हैं कि कई पेट्रोल पंपों पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा है। जहां तेल उपलब्ध है वहां लोगों की लंबी कतारें लगी हैं। भीषण गर्मी में घंटों इंतजार के बाद भी कई लोगों को बिना ईंधन के लौटना पड़ रहा है।

बम्हनपुर, बल्लीपुर और मझगईं क्षेत्र के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म होने की स्थिति है। पंप पर कर्मचारी 'स्टॉक खत्म' बताकर ग्राहकों को लौटा रहे हैं, जिससे किसानों, व्यापारियों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बताते हैं कि रात में कुछ चुनिंदा लोगों को अतिरिक्त पैसे लेकर पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है। गुरुवार रात करीब 12,500 लीटर पेट्रोल आया था जो एक ही रात में समाप्त हो गया। इससे कालाबाजारी की आशंका गहरी हो गई है।

बम्हनपुर क्षेत्र के लोधपुरवा गांव के पास दीक्षित पेट्रोल पंप और नायरा पेट्रोल पंप को लेकर शिकायतें सामने आई हैं कि तेल होने के बावजूद ग्राहकों को नहीं दिया जा रहा। इससे नाराज ग्रामीणों की पंपों पर भीड़ लगी रही और लोगों में आक्रोश देखा गया। शुक्रवार सुबह मझगईं कस्बे के पेट्रोल पंप पर पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल-डीजल का वितरण कराया गया, लेकिन सीमित स्टॉक होने के कारण यह दोपहर तक ही चल सका।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ पंप संचालक इस संकट का फायदा उठाकर मनमानी कर रहे हैं, जबकि संबंधित अधिकारियों की चुप्पी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द आपूर्ति बहाल करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नायरा पेट्रोल पंप बम्हनपुर के सेल्स मैनेजर लालता प्रसाद के अनुसार, वर्तमान में स्टॉक खत्म है, लेकिन शनिवार शाम तक पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल आने की उम्मीद है।

बाइक की टंकी निकालकर पहुंचा युवक

संकट की तस्वीर तब और साफ हो गई, जब एक युवक बाइक की टंकी निकालकर पेट्रोल लेने पहुंच गया। बोतल में पेट्रोल न मिलने पर उसने यह रास्ता अपनाया, जो हालात की गंभीरता बयां करता है।

प्रशासन पर सवाल : मांग के अनुरूप आपूर्ति क्यों नहीं बढ़ाई जा रही। कालाबाजारी व जमाखोरी पर कार्रवाई कब होगी। लोगों को राहत कब मिलेगी।

भीड़ में फंसी फायर ब्रिगेड : संवेदनहीनता का आलम यह रहा कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी डीजल के लिए जूझना पड़ा। भीड़ ने रास्ता नहीं दिया। पुलिस के हस्तक्षेप से गाड़ी को डीजल मिला।

कमी नहीं, अफवाह व जमाखोरी जिम्मेदार

एसडीएम शशिकांत मणि का कहना है कि जरूरत से ज्यादा ईंधन की सप्लाई हो चुकी है, लेकिन लोग अफवाहों के चलते जमाखोरी कर रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जरूरत भर की खरीद करें तो नहीं समस्या

डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा है कि जिले में लगातार पेट्रोल डीजल की आपूर्ति मिल रही है, इसलिए कोई समस्या नहीं है। जिले में पर्याप्त ईंधन हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि जरूर भर ही पेट्रोल या डीजल की खरीद करें। जमाखोरी की शिकायतों पर कहा कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नजर बनाए रखें और ऐसा कोई मामला पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें।

खेत में जलाई गई नरई से छप्पर में लगी आग

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचार: श्यामपुर के निकट राधा कृष्ण मंदिर के पीछे की गई प्लाटिंग में मकान बनाकर रहने वाले रूपचंद ने बताया कि घर से 100 मीटर की दूरी पर उन्होंने जगह खरीदी थी। जहां उन्होंने छप्पर डाल रखा था। जिसमें वह भूसा रखते थे तथा जानवर पालते थे।

उन्होंने बताया कि दोपहर को जब वह अपने खेत पर थे। तभी घर में आग लगने की जानकारी हुई। जब तक वह मौके पर पहुंचते। इससे पहले ही छप्पर के साथ रखें तीन दरवाजे, एक तख्त तथा खिड़कियां और बिछौने जल गए थे। घर के सदस्यों ने किसी तरह उसमें बंधे हुए जानवरों को खोल लिया था, लेकिन सामान बाहर नहीं निकाल पाए। उनका कहना है कि पास के खेत में नरई जलाई गई थी। वह धीरे धीरे घर के पीछे तक आ गई और आग लग गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने पर आग पर काबू पाया जा सका।

कार्यक्रम में विधायक के साथ मौजूद छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

विधायक ने किया कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का आरंभ

पसगवां अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम सुखवसा में युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए से कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया।

प्रशिक्षण केंद्र मुलायम सिंह यादव कन्या इंटर कॉलेज, सुखवसा में संचालित होगा, जहां विभिन्न ट्रेडों में निःशुल्क प्रशिक्षण एवं प्रवेश की सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि कौशल विकास प्रशिक्षण युवाओं के लिए रोजगार का साधन होने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का भी माध्यम है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए ड्रेस और पुस्तकों का वितरण भी किया। केंद्र में कंप्यूटर प्रशिक्षण की जिम्मेदारी शिवानी पांडेय को सौंपी गई है। कार्यक्रम में केंद्र प्रभारी राजेंद्र राजपूत और मैनेजर रामकुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। यहां ग्राम प्रधान नित्यानंद, बृजेश पांडेय, पवन बाजपेयी, ऋषभ हितकारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

ISO.9001:2008 एवं Trademark Certified Clinic

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षो से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

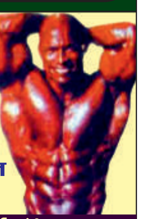

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
10 मई 2026, रविवार
24 मई 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

जिला टॉपर की झोपड़ी में पहुंचे डीएम, छात्र को दी बधाई

डीएम का मानवीय चेहरा : 60 किमी दूर गांव रामनगर बगहा पहुंचकर उमाशंकर को पहनाई फूलमाला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा में 93.60 प्रतिशत अंक हासिल कर जिला टॉप करने वाले झोपड़ी में रहने वाले उमाशंकर के घर जब डीएम अंजनी कुमार सिंह पहुंचे तो पूरा गांव मानो एक उत्सव में बदल गया। डीएम ने टॉपर उमाशंकर की सराहना करते हुए उन्हें फूलों की माला पहनाई और मिठाई खिलाई। इस दौरान पूरे गांव का माहौल एक उत्सव में बदल गया।

इंटरमीडिएट के टॉपर उमाशंकर को सम्मानित करते डीएम अंजनी कुमार सिंह।

जिला मुख्यालय से करीब 60 किमी का सफर तय कर डीएम सीधे गांव रामनगर बगहा पहुंचे। घाघरा नदी के किनारे स्थित कच्ची झोपड़ी के सामने जब प्रशासनिक काफिला रुका, तो लोग हैरान रह गए। लेकिन असली भावुक पल तब आया, जब जिले के मुखिया छप्पर में खुद खटिया पर बैठ गए।

डीएम ने उमाशंकर को अपने पास बैठाया और मिट्टी की सादगी में उसकी दुनिया समझने की कोशिश की। बातचीत सिर्फ बधाई तक सीमित नहीं रही, बल्कि सपनों की गहराई तक पहुंच गई। उमाशंकर ने अपनी लिखी कविताओं और गजलों की कॉपी डीएम को दिखाई। पन्नों पर लिखी सादगी भरी पंक्तियां पढ़ते ही डीएम मुस्कुराए और सराहना की। फिर कहा, पढ़ाई के साथ-साथ उसकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने में प्रशासन हर कदम पर साथ रहेगा। डीएम ने उमाशंकर से पूछा कि आगे क्या सपना है।

जवाब मिला इंजीनियर बनना चाहता हूं। इस पर डीएम ने मुस्कुराते हुए कहा कि अब यह सपना सिर्फ तुम्हारा नहीं, हमारा भी है। प्रशासन तुम्हारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में पूरा सहयोग करेगा। इससे पहले डीएम ने उमाशंकर को फूलमाला पहनाई, मिठाई खिलाई, उपहार दिए और उसके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में मिली यह सफलता और भी मूल्यवान है।

डीएम ने उमाशंकर के माता-पिता से भी लंबी बातचीत की और उनके संघर्ष को नमन किया। कहा कि ऐसे ही त्याग और संस्कार बच्चों को ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। इस दौरान एसडीएम शशि कांत मणि, डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, बीडीओ श्रद्धा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

छात्र अमन को फूलमाला पहनाकर बधाई देतीं प्रधानाध्यापिका डॉ. शशी तिवारी।

राजकीय बालिका हाईस्कूल के अमन ने बढ़ाया मान

राजकीय बालिका हाईस्कूल गूम के छात्र अमन पाल ने 93 .5 प्रतिशत अंक पाकर जिले की टॉपर्स सूची में सातवां स्थान हासिल किया। फूलबेहड़ ब्लाक के गांव इच्छापुरवा निवासी अमन ने ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी विद्यालय में पढ़कर अपने गांव और जिले का मान बढ़ाया है। वह अपनी सफलता का श्रेय माता, पिता, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. शशी तिवारी आदि शिक्षकों को देता है।

साक्षी ने 91 प्रतिशत अंक लाकर बढ़ाया मान

पलिया कलां। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्रा साक्षी त्रिपाठी ने हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में 91 .33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वह इसका श्रेय अपने पिता विश्वकांत त्रिपाठी व अपने शिक्षकों को देती है। जिनकी प्रेरणा से उसने परिश्रम कर अच्छे अंक प्राप्त किये।

अनुराधा मिश्रा को मिठाई खिलाते माता-पिता। ● अमृत विचार

पलिया के छात्रों ने भी मारी बाजी

पलिया कलां, अमृत विचार : यूपी बोर्ड के परीक्षाफल में नगर के बलदेव वैदिक इंटर कॉलेज में हाई स्कूल के 496 छात्रों में 448 छात्र उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार विद्यालय का हाई स्कूल परीक्षा परिणाम 91 .46 प्रतिशत रहा, जबकि इंटर में 481 में 432 छात्र पास हुए, जिससे इंटर का परीक्षा फल 89 .81% रहा। हाई स्कूल में जमन सिद्दीकी व विमल कुमार ने 83 .16% अंक लाकर जहां प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं इंटर में स्वास्तिक गुप्ता ने 88 . 8% अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान पाया। यह जानकारी कॉलेज प्रधानाचार्य डोरी लाल भार्गव ने दी। उधर, जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज पलिया के प्रधानाचार्य कृष्ण अवतार सिंह भाटी ने बताया कि विद्यालय का हाईस्कूल परीक्षाफल 81% व इंटर का 79% रहा। महात्मा गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज पलिया के प्रधानाचार्य हिमांशु शुक्ला ने बताया कि उनके विद्यालय में 115 छात्रों ने इंटर की परीक्षा दी थी ,जिसमें 103 उत्तीर्ण हुए। जबकि हाईस्कूल में 105 छात्रों में से 93 छात्र उत्तीर्ण हुए। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का हाईस्कूल परीक्षा फल 93 .5% व इंटरमीडिएट का 83 .5% रहा। हाई स्कूल में छात्रा अनुराधा मिश्रा ने 93 .50 % अंक प्राप्त कर जनपद में सातवां व पलिया में प्रथम स्थान प्राप्त किया तो साक्षी त्रिपाठी 91 .33 % अंक लाकर विद्यालय में द्वितीय स्थान पर रही।

अनुराधा ने पलिया का नाम किया रोशन

पलिया कलां। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पलिया कलां की छात्रा अनुराधा मिश्रा ने यूपी बोर्ड की हाई स्कूल परीक्षा में 600 में 561 अंक यानी 93 .50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पलिया में प्रथम व जिले में सातवां स्थान प्राप्त किया है। परीक्षा परिणाम प्राप्त होते ही उसके घर में खुशी छा गई। उसके माता-पिता ने अपने हाथों से उसे मिष्ठान खिला अगली परीक्षाओं में और अधिक प्रतिशत अंक लाने को प्रेरित किया। वह इसका सारा श्रेय अपने पिता त्रिभुवन नाथ मिश्रा बेसिक शिक्षक व माता सरिता मिश्रा सहित अपने गुरुजनों को देती है, जो हमेशा उसे कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करते रहे।

आग्निकांड के पीड़ितों से मिले कांग्रेस जिलाध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः ब्लॉक बांकेगंज की ग्राम सभा ग्रंट नंबर 18 के गांव बांसबेरिया में 21 अप्रैल को लगी आग से प्रभावित परिवारों से शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रहलाद पटेल अपनी टीम के साथ मिले। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

उन्होंने बताया कि आग की घटना में कई मवेशियों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई थी, जिसका इलाज जारी है। मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत कर उन्होंने नुकसान का जायजा लिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि तहसील प्रशासन से वार्ता कर यह आश्वासन मिला है कि अहेतुक सहायता की धनराशि शुक्रवार शाम से शनिवार शाम तक पीड़ितों के खातों में पहुंच जाएगी। यदि कोई पीड़ित सर्वे से छूट गया है, तो उसका पुनः सर्वे कराकर सरकारी सहायता दिलाई जाएगी। यह क्षेत्र उनका पुराना जिला पंचायत क्षेत्र रहा है और यहां के हर घर से उनका जुड़ाव है। इस संकट की घड़ी में कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पीड़ितों के साथ खड़ा है। इस दौरान उन्होंने ग्राम तलफीपुर, बाबागंज और जनकपुर में भी लोगों की समस्याएं सुनीं। उनके साथ फकीर मोहम्मद काकू, पंकज पटेल, इसरार अहमद और लल्लन सिंह यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अग्निपीड़ितों से वार्ता कर ढांढस बंधाते कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रह्लाद पटेल।

बोर्ड परीक्षा में टॉपर्स ने दी पढ़ाई के समय नो मोबाइल की सलाह

- कहा कि सफलता के लिए यह मंत्र विद्यार्थियों के लिए बहुत ही आवश्यक है

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में जनपद की टॉप टेन सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों ने परीक्षा में सफलता के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखने और केवल पढ़ाई के लिए मोबाइल का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए यह मंत्र विद्यार्थियों के लिए बहुत ही आवश्यक है।

कम से कम परीक्षा के दौरान एक महीना मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यूपी बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स का मानना है कि परीक्षा के दौरान सोशल मीडिया से दूरी बनाकर और मोबाइल को सिर्फ पढ़ाई के लिए इस्तेमाल करके बेहतरीन अंक लाए जा सकते हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में जिला टॉप करने वाले मेधावी अर्जित गुप्ता पुत्र कमलेश कुमार गुप्ता ने बताया कि परीक्षा के दौरान सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक से दूरी और मोबाइल का समझदारी भरा उपयोग ही अच्छे नंबर दिलाने में सबसे ज्यादा मददगार साबित होता है।

विषम परिस्थितियों में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में जिला टॉप टेन सूची मे जनपद में छठा स्थान प्राप्त करने वाली कृषक समाज इंटर कॉलेज की छात्रा हृदयांशी सक्सेना ने बताया कि पढ़ाई के दौरान मोबाइल, सोशल मीडिया का इस्तेमाल सबसे बड़ा दुश्मन है। इनका सीमित इस्तेमाल करते हुए अगर आप अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं तो अच्छे नंबर निश्चित हैं।

जिला टॉप टेन सूची में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में तीसरा स्थान पाने वाले सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र आयुष वर्मा ने कहा कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया से दूरी बनाई ताकि वह अपने लक्ष्य पर केंद्रित रह सकें। रील्स या शॉर्ट वीडियो देखना एक लत है, जिससे समय का पता नहीं चलता और पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाते।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हाईस्कूल परीक्षा में 2024 में जिला टॉप और इस वर्ष इंटरमीडिएट परीक्षा में जिला टॉप टेन सूची में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सातवां स्थान पर रही तेजस्वी नारायण शर्मा ने कहा कि आज कल स्टूडेंट्स सोशल मीडिया अकाउंट्स पर टाइम खर्च करते हैं। ऐसे में सबसे पहले इन अकाउंट्स से दूरी बना लें।

कोहिनूर बनीं तहसील टॉपर

कोहिनूर बानो।

मोहम्मद यूसुफ।

मझगईं,अमृत विचार : हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में लालजी प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बम्हनपुर के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इंटरमीडिएट परीक्षा में कोहिनूर बानो ने 89 .8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तहसील में पहला स्थान हासिल किया। वहीं महक जायसवाल ने 84 .8 प्रतिशत, सिद्धार्थ कुमार ने 82 .6 प्रतिशत तथा कुलदीप कुमार ने 80 .2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। हाईस्कूल परीक्षा में आशीष कुमार ने 86 .5 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा मोहम्मद नावेद 84 .6%, आदर्श प्रकाश कश्यप 81 .3%, आयुष कश्यप 81% और अंशिका 80 .1% ने भी शानदार प्रदर्शन किया। निघासन स्थित द्वारिका प्रसाद गायत्री इंटर कॉलेज के छात्र मोहम्मद यूसुफ ने हाईस्कूल में 83 .6 प्रतिशत अंक हासिल किए। इंटर टॉपर कोहिनूर बानो की सफलता पर उनके पिता अशरफ अली, विद्यालय के प्रबंधक मुनेश जायसवाल और प्रधानाचार्य अच्छे लाल मौर्य ने बधाई दी।

इंटर में काजल, हाईस्कूल में अमनदीप बने टॉपर

संपूर्णानगर। पब्लिक इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कॉलेज के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश गोंड ने बताया कि इस वर्ष इंटरमीडिएट का परिणाम 71 प्रतिशत और हाईस्कूल का 81 प्रतिशत रहा। इंटरमीडिएट में काजल निगम पुत्री अशोक निगम ने 500 में 415 अंक 83% प्राप्त कर कॉलेज टॉप किया। द्वितीय स्थान पर अनुष्का भारती 79 .6% और तृतीय स्थान पर गगनदीप सिंह 78 .4% रहे। हाईस्कूल में अमनदीप सिंह ने 600 में 541 अंक 90 .1% प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर रुद्र यादव 88 .3% और तीसरे स्थान पर अभिनेष वर्मा 87% रहे। विद्यालय प्रशासन ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राख में बदले सपने, तिरपाल तले कट रही जिंदगी

- अग्निकांड के बाद धूप में जूझते लोग, लंगर बना सहारा

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचारः भीरा थाना क्षेत्र के गांव अमरपुर में बुधवार को लगी भीषण आग ने 66 घरों को राख में बदल दिया। जिन घरों में कभी रौनक थी, वहां अब सिर्फ राख के ढेर और टूटी उम्मीदें नजर आ रही हैं। अग्निकांड की लपटों ने सिर्फ घर ही नहीं जलाए, बल्कि सैकड़ों सपनों को भी राख कर दिया। अब वही लोग कड़ी धूप में तिरपाल का सहारा लेकर जिंदगी काटने को मजबूर हैं।

गांव में हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि करीब 95 फीसदी घर छप्परों के बने थे, जो आग की भेंट चढ़ गए। एक ही झटके में पूरा गांव उजड़ गया। जहां कभी चूल्हों की खुशबू उठती थी, वहां अब सिर्फ जली लकड़ियों और राख मलबे का ढेर नजर आता है।

अमरपुर गांव में हुए अग्निकांड ने ग्रामीणों को गहरा जख्म दिया है। गेहूं कटाई का समय होने के चलते गांव के लगभग सभी घरों में पर्याप्त अनाज भरा था, जो जलकर राख हो गया। मेहनत की पूरी कमाई और साल भर का सहारा खत्म हो गया, जिससे पीड़ितों की चिंता और बढ़ गई है। दोपहर की तपती धूप में लोग घरों से नहीं निकलते वहीं इस गांव में तिरपाल के नीचे बैठे लोग बीते कल को याद कर आंखें नम कर लेते हैं। बच्चे पसीने से तरबतर हैं, बुजुर्ग खामोश हैं और महिलाएं किसी तरह परिवार को संभालने में जुटी हैं।

अमरपुर गांव में अग्निकांड के बाद खुले आसमान के नीचे बैठी महिलाएं। ● अमृत विचार

अग्नि पीड़ित अब हिम्मत जुटाकर नई शुरुआत की कोशिश में लगे हैं। कोई राख में से बर्तन खोज रहा है, तो कोई बांस और तिरपाल जोड़कर अस्थायी आशियाना खड़ा करने की जुगत में लगा है। दर्द गहरा है, लेकिन जीवन जीने की जिद उससे भी बड़ी है। भूख की आग को गांव में चल रहे लंगर ने कुछ हद तक शांत किया है। सामाजिक संगठनों और राजनीतिक पार्टियों के सहयोग से भोजन की व्यवस्था हो रही है। यही लंगर इस मुश्किल घड़ी में पीड़ितों के लिए सहारा बना हुआ है। वहीं, अलग अलग राजनीतिक दलों के नेता भी गांव पहुंच रहे हैं।

अमरपुर में लंच पैकेट बांटते विपिन मिश्रा। ● अमृत विचार

कोई सांत्वना दे रहा है, तो कोई राहत सामग्री और लंगर के जरिए मदद कर रहा है। हालांकि, पीड़ितों की निगाहें अब ठोस सहायता और पुनर्वास पर टिकी हैं। पीड़ितों का दर्द शब्दों में बयां करना आसान नहीं। सब कुछ जल गया अब फिर से शुरुआत करनी है। यह कहते हुए कई लोगों की आवाज भर्रा जाती है। घर, अनाज, कपड़े, यहां तक कि जरूरी कागजात भी आग की भेंट चढ़ गए। प्रशासन ने राहत सामग्री तो बांटी है, लेकिन स्थायी इंतजाम का इंतजार अब भी बाकी है। हर गुजरते दिन के साथ उम्मीद और चिंता, दोनों साथ साथ बढ़ रही हैं। फिलहाल, कड़ी धूप, प्लास्टिक की तिरपाल और लंगर के सहारे अग्नि पीड़ित राख से उठकर फिर खड़े होने की जिद के साथ अपने जीवन की नई कहानी लिखने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने बांटे लंच पैकेट

गोला गोकर्णनाथ,अमृत विचार : क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोगावां के गांव अमरपुर में अग्निकांड से पीड़ितों के लिये विपिन मिश्रा ने लंच पैकेट बांटे। सभी 66 घर अग्निकांड में जल गए। भाजपा नेता विपिन मिश्रा ने गांव पहुंचकर घर-घर राहत सामग्री लंच की व्यवस्था उपलब्ध करायी। साथ ही शासन से मिलने वाली सहायता के लिए उच्च अधिकारियों से वार्ता कर हर संभव मदद करने को तैयार हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्थान का नशा मुक्ति अभियान शुरू

- पब्लिक इंटर कॉलेज में पहले दिन जागरूकता कार्यक्रम
- युवाओं को नशे से दूर रहने व आध्यात्मिक शिक्षा पर जोर

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः ब्रह्मा कुमारी संपूर्णानगर केंद्र के तत्वावधान में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन पब्लिक इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में वीडियो के माध्यम से नशे से होने वाली बीमारियों और उसके दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई। संस्था के सदस्य डॉ. गुरमीत सिंह जुनेजा ने बताया कि यह अभियान अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों को आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा देना तथा युवाओं को नशे से दूर रखना है। उन्होंने बताया कि संस्था के माध्यम से जरूरतमंद लोग निशुल्क नशा मुक्ति केंद्र में जाकर इलाज भी करा सकते हैं। संस्था का मुख्यालय माउंट आबू में स्थित है, जहां से इस तरह के जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य ओम प्रकाश गौड़, अनिल सिन्हा, बृजेश यादव, शमीम अख्तर, अभिनव पाल, उमेश विश्वकर्मा सहित सीता, नीलम, स्नेह लता , ओम कुमार व केवल समेत कई लोग मौजूद रहे।

हजारों पौधों से सजी धरा, पर्यावरण मित्र समूह बना मिसाल

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः दिनों-दिन सिमटते वन, बढ़ते कंक्रीट के जंगल, नौतपा की तपिश और ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता प्रकोप। इन सबको हर कोई महसूस करता है, लेकिन कुछ ही लोग होते हैं जो इन हालात को बदलने के लिए आगे आते हैं। ऐसे ही संकल्प और सकारात्मक सोच से जन्म हुआ पर्यावरण मित्र समूह का, जो आज हरियाली की मिसाल बन चुका है।

नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े जागरूक नागरिकों, महिला और पुरुषों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर चिंतन किया। कटते वृक्षों, बढ़ते तापमान और प्रदूषण जैसी समस्याओं से निपटने के उद्देश्य से पर्यावरण मित्र समूह का गठन किया, जो अब एक पंजीकृत संगठन के रूप में सक्रिय है। संगठन ने शुरुआत से ही वृक्षारोपण को मिशन बनाकर काम शुरू किया। अब तक हजारों पौधे लगाए जा चुके हैं, जिनमें से तीन-चौथाई पौधों को ट्री गार्ड्स से संरक्षित किया गया है।

खुशी की बात है कि करीब 80 प्रतिशत पौधे अब वृक्ष बन चुके हैं और पर्यावरण को शुद्ध बनाने में योगदान दे रहे हैं। हालांकि इस सफर में चुनौतियां भी कम नहीं रहीं। ट्री गार्ड्स की चोरी, पौधों को नुकसान पहुंचाना और जलाने जैसी घटनाओं ने मुश्किलें खड़ी कीं, लेकिन समूह के जुझारू सदस्यों ने हार नहीं मानी और निरंतर अपने अभियान को आगे बढ़ाते रहे। पर्यावरण मित्र समूह ने केवल पौधरोपण तक ही खुद को सीमित नहीं रखा। विद्यालयों में ईको क्लब का गठन, रक्षाबंधन पर पेड़ों को राखी बांधकर संरक्षण का संदेश, पर्यावरण ट्रेन के माध्यम से जनजागरूकता और पर्यावरण संरक्षण की शपथ जैसे अनेक अभिनव प्रयास किए गए। इसके साथ ही एक पौधा-एक पुरोधा और हरियाली मित्र जैसे सम्मान देकर पर्यावरण के प्रति समर्पित लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। लगाए गए पौधों की देखभाल के लिए कोर कमेटी के सदस्य स्वयं आगे आकर पानी, खाद और रखरखाव की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

सड़क किनारे ट्री गार्ड में पौधे लगाने के दौरान संस्था के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

डिवाइडर पर इस तरह लगाए पौधे।

एक संकल्प, लखीमपुर की धरा, हरी भरी होकर लहलहाए

पिछले दिनों पड़ी भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए कुछ अलग और अच्छा करने की भावना से पर्यावरण मित्र समूह बना। पौधे लगाने अभियान जारी है। यही नहीं स्मृति वृक्ष लगाने, ईको क्लब के माध्यम से विद्यालयों को जोड़ा जा रहा है। एक पौधा-एक पुरोधा के तहत वृक्ष पालक/संरक्षक को प्रशस्ति सम्मान देकर अभियान में निरंतर लोगों को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। हम सबका संकल्प है कि एक दिन लखीमपुर की धरा, हरा भरा होकर लहलहाएगी। **-राम मोहन गुप्त**, समाजसेवी व साहित्यकार

इन लोगों ने निभाई भूमिका

संगठन की प्रबंध समिति में संयोजक एवं अध्यक्ष विशाल सेठ, उपाध्यक्ष (प्रबंधन) मयूरी नागर, उपाध्यक्ष (प्रचार-प्रसार) राम मोहन गुप्त, सचिव संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष रश्मि महेंद्र, कार्यकारिणी सदस्य सुमन श्रीवास्तव, मधुलिका त्रिपाठी, सपना कक्कड़, कुमकुम गुप्ता और पूजा सिंह आदि। नगर पालिका परिषद लखीमपुर की अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव संरक्षक हैं। साथ ही 32 संगठन ने मिलकर र्यावरण मित्र समूह बनाया। यहां अमलताश, सहजन, कचनार, आंवला, अशोक, अर्जुन, वाटल प्लांट, आम, जामुन, पीपल, बरगद, पाकड़, हरी शंकरी नीम आदि।

न्यूज ब्रीफ

भाई-बहन ने हाईस्कूल में हासिल की सफलता

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में भाई-बहन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्रा सृष्टि पांडेय पुत्री बृजेश कुमार पांडेय ने 501 में 83.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। वहीं आरएम ज्ञानदायिनी इंटर कॉलेज राजाजीपुरम के छात्र श्लोक पांडेय ने 488 में 81.3 फीसदी अंक प्राप्त कर अच्छा प्रदर्शन किया। भाई-बहन की उपलब्धि पर परिवार व क्षेत्र में खुशी है। परिजनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी।

एप्जा ने पत्रकारों के सम्मान में भरी हुंकार

कुकरा, अमृत विचार : ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एप्जा) द्वारा आयोजित संगोष्ठी और सम्मान समारोह में पत्रकारों के हितों और उनकी सुरक्षा को आवाज बुलंद की गई। संगठन का विस्तार करते हुए सूर्य प्रकाश मिश्रा को सर्वसम्मति से गोला तहसील का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। संगठन के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी और जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य एजेंडा मीडिया निर्वाचन क्षेत्र गार्डन अधिकार आयोग के गठन के अभियान को गति देना रहा। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सुरक्षा और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए एक सशक्त आयोग का होना अनिवार्य है। आशीष गुप्ता और नितिन गुप्ता को सम्मानित किया गया।

नकारा गांव में गूंजे माता के जयकारे

बग्घूनं, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव नकारा में हुए तृतीय मां भगवती दुर्गा जागरण में माता रानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। रात भर भक्तिमय माहौल बना रहा। सुप्रसिद्ध भजन गायक जेबीगंज के श्याम दीवाना सचित सक्सेना, लखनऊ के अंशु गोस्वामी पागल बाबा, शाहजहांपुर की बेबी पारुल एवं बंडा शाहजहांपुर की प्रतिभा सिंह ने एक से बढ़कर एक माता के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। मुख्य यजमान अंकित सिंह ने परिवार सहित व सैकड़ों माताओं ने माता की चौकी पर मत्था टेका। आरती के बाद भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुरेश पाल सिंह, कुलदीप सिंह दीपू, संदीप सिंह, सर्वेश सिंह, वीर प्रताप सिंह, भानू सिंह आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार मुख्य सेविका की गई जान

चालक ने सामने से मारी स्कूटी में टक्कर, ट्रैक्टर-ट्राली छोड़कर चालक फरार

गोला में घटना स्थल पर लगी भीड़, रोते परिवारीजन। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● छह माह पहले ही हुई थी कुंभी ब्लॉक में नियुक्ति

अमृत विचार: शुक्रवार सुबह 8.30 नवीन बाईपास पर भुसौरिया चौराहे के निकट तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली के चालक ने स्कूटी सवार मुख्य सेविका को सामने से टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। छह माह पहले ही कुंभी ब्लॉक में मुख्य सेविका पद पर उसकी नियुक्ति हुई थी। स्कूटी से कुंभी ब्लॉक जा रही मुख्य सेविका मानसी वर्मा (25) पुत्री राम खिलावन निवासी थाना मितौली क्षेत्र के गांव महमदपुर को 24 अप्रैल की सुबह 8.30 बजे नवीन बाईपास पर लखीमपुर रोड की ओर से तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली के चालक ने सामने से टक्कर मार दी और ट्रॉली भगाने के चलते उसका पहिया सिर पर निकलने से मानसी की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चालक ट्रैक्टर-ट्राली छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतका के चाचा महेंद्र कुमार कनौजिया ने बताया कि छह माह पहले अक्टूबर में मानसी की कुंभी ब्लॉक में मुख्य सेविका पद पर नियुक्ति हुई थी। परिवार को उससे बड़ी उम्मीदें थी।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत

पसगवां/मोहम्मदी, अमृत विचार : क्षेत्र में गुरुवार रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर से हुआ। पसगवां थाना क्षेत्र के नयागांव किशोरी निवासी सुमित कुमार वर्मा (24) पुत्र धनीराम गुलौली से जेबीगंज-मोहम्मदी लिंक मार्ग पर जा रहे थे। वहीं मोहम्मदी कोतवाली क्षेत्र के बिजौलिया खानपुर निवासी कीमती लाल (30) पुत्र विनोद दूसरी दिशा से आ रहे थे। बौधी कलां गांव के पास दोनों बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को सीएचसी पसगवां भेजा, जहां डॉक्टरों ने सुमित को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल कीमती लाल की हालत नाजुक होने पर उसे शाहजहांपुर रेफर कर दिया गया है। उधर मौत की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन सीएचसी पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

खुशी अध्यक्ष और रिया बनीं कोषाध्यक्ष

संपूर्णानगर। संपूर्णानगर उच्च प्राथमिक विद्यालय में मीना मंच का पुनर्गठन हुआ, जिसमें कक्षा 8 की छात्रा खुशी मौर्य को अध्यक्ष कक्षा सात की छात्रा रिया राना को कोषाध्यक्ष चुना गया। प्रतिभा कक्षा 6, गुंजन शर्मा कक्षा 7, मधु गुप्ता कक्षा 8 को पावर एंजिल चयनित किया गया। प्रधानाचार्य हरविंदर कौर ने बताया कि छात्रों की 20 सदस्यों की टीम द्वारा सर्व सहमति से पद का चयन होता है, जो भी पदाधिकारी होते है उनका कार्य बच्चों को स्कूल की सफाई, समय से स्कूल आना, समय से प्रार्थना करवाना, बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करना, बिना परिचय के लोगों से दूर रहना, बैड टच, 1090 हेल्प लाइन की जानकारी देना के साथ साथ अन्य कई कार्य होते है।

छेड़छाड़ कर जान से मारने की धमकी

रोशननगर, अमृत विचार: हैदराबाद थाना अध्यक्ष सुनील मलिक ने बताया कि पुलिस ने युवती के साथ छेड़छाड़ कर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी के आरोपी हरिसेवक पुत्र नंदराम निवासी कुंवरपुर को गिरफ्तार कर चालान भेजा है। इसके अलावा अजय कुमार निवासी अल्लीपुर के नामजद छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज होने पर गिरफ्तार किया गया है।

तिकुनिया पावर हाउस पर जेई का घेराव आज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● जेई की कार्यशैली से नाराज ग्रामीण, कई संगठनों का समर्थन

● जेई हटाओ, भ्रष्टाचार मिटाओ के नारे के साथ बड़े प्रदर्शन की तैयारी

अमृत विचार: तिकुनिया पावर हाउस को लेकर एक बार फिर लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। बिजली आपूर्ति में अनियमितता, शिकायतों के समाधान में देरी और कथित भ्रष्टाचार को लेकर नाराज ग्रामीणों ने 25 अप्रैल को बड़े स्तर पर घेराव और धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।

ग्रामीणों का कहना है कि पावर हाउस में तैनात जेई दिलीप कुमार की कार्यशैली से वे लंबे समय से परेशान हैं। आरोप है कि शिकायतों के बावजूद न तो बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ और न ही उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय पर समाधान किया जा रहा है। इससे पहले भी स्थानीय लोगों ने धरना-प्रदर्शन कर अपनी आवाज उठाई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने से अब आक्रोश और बढ़ गया है। इस बार आंदोलन को व्यापक समर्थन मिल रहा है। तराई विकास संस्थान और नेशनल केयर फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से बड़ा धरना आयोजित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित कई अन्य संगठनों ने भी समर्थन देकर आंदोलन को और मजबूती दी है। आंदोलनकारी जेई हटाओ, भ्रष्टाचार मिटाओ के नारे के साथ बड़ी संख्या में शनिवार को तिकुनिया पावर हाउस का घेराव करेंगे।

ग्रामीणों का कहना है कि इस बार आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी और जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, बिजली कटौती, लो वोल्टेज, बिलिंग गड़बड़ी और लाइन फॉल्ट जैसी समस्याएं आम हो गई हैं, जिससे किसानों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ने के साथ ही समस्या और गंभीर होती जा रही है।

उधर, बढ़ते विरोध को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क हो गया है। 25 अप्रैल को संभावित भीड़ और प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों और संगठनों ने साफ कहा है कि यदि इस बार भी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

युवती से छेड़छाड़, विरोध पर की मारपीट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र में युवती के साथ छेड़छाड़, गाली-गलौज व मारपीट की गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहर के एक मोहल्ला निवासी युवती ने बताया कि वह अपने घर के पास चबूतरे पर बैठकर रिश्तेदार से बात कर रही थी। तभी पड़ोसी पुन्नू उर्फ अफजाल नशे की हालत में वहां पहुंचा और उससे पूछताछ करते हुए गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि युवक ने युवती पर वीडियो बनाने का झूठा आरोप लगाया और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी गाली देते हुए फरार हो गया। घटना के दौरान तमाम लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने आसपास के लोगों से जानकारी ली। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि युवती की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच एसआई अरविंद तिवारी को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

रात में घर से युवती लापता

धौरहरा। कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि रात करीब 12 बजे उनकी 22 वर्षीय पुत्री को कमल किशोर उर्फ पच्चू कश्यप अपने साथ भगा ले गया। आरोपी ग्राम जोधापुरवा (नैनापुर) का निवासी बताया गया है। युवती अपना आधार कार्ड और कुछ नगदी भी साथ ले गई है। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है और युवती को बरामद करने का प्रयास कर रही है।

जच्चा-बच्चा की मौत के बाद तीन नर्सिंग होम सीज

● कई अन्य को दिया नोटिस टीम पहुंचने से पहले अस्पताल संचालक फरार

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार: कस्बे में जच्चा-बच्चा की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। शुक्रवार को विभाग की टीम ने अवैध रूप से संचालित अस्पतालों और नर्सिंग होम पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन नर्सिंग होम को सीज कर दिया, जबकि कुछ को नोटिस जारी किए गए।

कार्रवाई की शुरुआत जन सेवा हॉस्पिटल को सीज करने से हुई। इसके बाद अन्य नर्सिंग होम की जांच में एक और अस्पताल को सीज किया गया, जबकि दो नर्सिंग होम समेत अन्य संचालकों को नोटिस थमाए गए।

अस्पताल को सीज करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

धवन पेट्रोल पंप के सामने स्थित रॉयल हॉस्पिटल पर टीम के पहुंचने से पहले ही संचालक ताला लगाकर फरार हो गया। पुलिस को अस्पताल के बाहर खड़ी एक गाड़ी को कब्जे में लेने के निर्देश दिए गए। वहीं, ओयल रोड पर बिना बोर्ड के संचालित एक नर्सिंग होम पर भी ताला मिला, जहां नोटिस चस्पा कर संचालक को सात दिन में जवाब देने को कहा गया है। इस दौरान एडिशनल सीएमओ डॉ. रवि मोहन गुप्ता, उनकी टीम और सीएचसी बेहजम के अधीक्षक डॉ. अनिल वर्मा मौजूद रहे।

टीम ने एक अन्य नर्सिंग होम को भी सीज किया। बताया जा रहा है कि कस्बे में कई नर्सिंग होम लंबे समय से अवैध रूप से संचालित हो रहे थे। ऐसे में जच्चा-बच्चा की मौत के बाद ही कार्रवाई शुरू होने पर विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। एडिशनल सीएमओ ने कहा कि अवैध अस्पतालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल संचालक और सर्जन समेत स्टाफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बेहजम। अमृत विचार : कस्बा बेहजम स्थित जनसेवा अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया था। पुलिस ने अस्पताल संचालक, सर्जन और अन्य स्टाफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नीमगांव एसओ प्रवीर कुमार गौतम ने बताया कि मृतक महिला के पति गांव मुकरेहटा निवासी विपिन कुमार की तहरीर पर महिला अस्पताल में तैनात सर्जन डॉ. अभिषेक साहू, जनसेवा अस्पताल के संचालक राजेश शुक्ला और अन्य स्टाफ को नामजद किया गया है। पीड़ित विपिन कुमार के अनुसार उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी प्रीती देवी को बुधवार देर रात करीब 1 बजे जनसेवा अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की कथित लापरवाही, गलत सर्जरी और समुचित इलाज के अभाव में उनकी पत्नी और नवजात शिशु की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी भदपुरा, बरेली

पत्रांक : 112/लेखा/क्षेत्र निधि/टे.नो./2026-27 दिनांक : 24.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग/जिला पंचायत/राजकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड भदपुरा बरेली द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत क्षेत्र निधि के अन्तर्गत निम्नलिखित विवरण के अनुसार निर्माण कार्य करवाने हेतु सीलबन्द निविदायें दिनांक 11.05.2026 को समय 2 बजे तक सीलबन्द बाक्स में डाली जा सकती है। जो उसी दिवस में उपस्थित निविदा दाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष अपरान्ह 2 बजे निर्धारित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी। प्रत्येक निर्माण कार्य कराये जाने हेतु पृथक-पृथक धरोहर धनराशि जमा करनी होगी। जिसकी जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. प्राक्कलन राशि (लाख में)	धरोहर राशि 05 प्रतिशत (रू.)	निविदा शुल्क	कार्य की अवधि
1.	ग्राम धिमरी में मनोहर लाल के घर के पास पुलिया निर्माण एवं पुलिया से भगवान दास के खेत तक मिट्टी खडंजा निर्माण कार्य	9.967	50000	1500	3 माह
2.	ग्राम क्योलड़िया में नकटीनारायनपुर मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पास लेखराज पुत्र श्री राम भरोसे लाल के खेत से रमेशचन्द्र के खेत तक मिट्टी खडंजा निर्माण कार्य	5.482	27500	1100	3 माह
3.	ग्राम क्योलड़िया में थाने के पास वाटर कूलर का निर्माण कार्य	3.295	16500	660	3 माह
4.	ग्राम कटैया बलदेव सिंह में बाबा जी वाली मढ़ी पर वाटर कूलर निर्माण कार्य	3.295	16500	660	3 माह
5.	ग्राम बबुरी में राम कुमार के घर से छोटेलाल के घर तक इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	0.872	4360	400	3 माह
6.	ग्राम मधुनगला की मजरा फतेजगंज में स्थित ब्रहद गौशाला की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य	7.382	37000	1480	3 माह
7.	ग्राम नवदिया मोतीराम में के मजरा सिलरा में मेन रोड से रमेश की जगह से देवेश के खेत तक मिट्टी खडंजा निर्माण कार्य	7.884	39500	1500	3 माह
8.	ग्राम बबुरी में मढी के पास शीतल पेयजल प्याऊ का निर्माण	3.290	16500	660	3 माह
9.	ग्राम अमसाह में श्री राम प्रताप गंगवार के घर से श्री गौतम के घर तक इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	2.366	12000	480	3 माह
10.	ग्राम नौगवां भगवतपुर में जरफा मोहनपुर संपर्क मार्ग पर आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य	9.990	50000	1500	3 माह

नियम व शर्ते :-

1. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की राशि का 05 प्रतिशत राष्ट्रीय बैंक का डी.डी., एफ.डी.आर. अथवा एन.एस.सी. जो कि बंधक खण्ड विकास अधिकारी भदपुरा के नाम पृथक-पृथक बन्धक करा देनी होगी।
2. निविदा दाता को निविदा के साथ अद्यतन हैसियत प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, आयकर एवं जी.एस.टी. पंजीकरण की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. निविदा दाता को निविदा के साथ 100 रूपये के स्टांप पेपर पर स्वघोषण-पत्र/शपथ-पत्र संलग्न करना होगा तथा स्वीकृति के उपरान्त स्वयं के व्यय पर निर्धारित स्टांप पर अनुबन्ध गठित करना होगा। निविदा दाताओं को 100 रूपये के स्टांप पर फोटोयुक्त घोषण-पत्र इन शर्तो के साथ कि वह किसी भी संस्था से ब्लैकलिस्टिड नहीं हुये है।
4. ठेकेदार/फर्म को निर्माण कार्य को नियत समय सीमा के अन्दर एवं लो.नि.वि. की विस्तृत विशिष्टियों/मानक के अनुरूप पूर्ण करना होगा।
5. समस्त निविदादाताओं को उक्त सभी निविदाओं के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी विभिन्न शासनादेशों/नियमों/आदेशों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा।
6. सार्वजनिक निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाले उप खनिजों पर रोयल्टी का भुगतान किये जाने विषयक भूतत्व एवं खनिज कर्म अनुभाग के शासनादेश संख्या 3885/66-2015-292/2015 दिनांक 15.10.2015 का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
7. उल्लेखनीय है कि कार्य धनराशि की उपलब्धता के आधार पर ही कराया जायेगा तथा शासनादेश संख्या 1639/33-3-2018-03/2015 पंचायती राज अनुभाग-3 दिनांक 19.06.2015 एवं समय-समय पर जारी शासनादेश एवं परिपत्रों का पालन किया जायेगा।
8. निविदा बिक्री की दिनांक 09.05.2026 तक की जाएगी।
9. निविदा दाता को शासन के निर्देशों के अनुरूप करों (यथा जी.एस.टी. आदि) की व्यवस्था लागू रहेगी।
10. सशर्त निविदा/डाक से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
11 निविदादाता किसी भी जनप्रतिनिधि या कार्यालय स्टाफ से पारिवारिक सम्बन्ध नहीं रखता है।
12 निविदा से सम्बन्धित कोई भी विवाद का निस्तारण माननीय न्यायालय जनपद बरेली की मान्य होगा।
13. निविदा के स्वीकार्य करने अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

खण्ड विकास अधिकारी, भदपुरा, बरेली।

गेहूं खरीद में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

● मैगलगंज मंडी के 8 खरीद क्रय केंद्रों का किया निरीक्षण

● किसानों से जानी समस्याएं अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचार: गेहूं खरीद को लेकर प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता ने नवीन गल्ला मंडी पहुंचकर गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

एसडीएम ने मंडी में संचालित सभी आठ क्रय केंद्रों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों से सीधे बातचीत कर खरीद प्रक्रिया, तौल व्यवस्था, भुगतान और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। किसानों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे, जिस पर एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि नवीन गल्ला मंडी मैगलगंज में कुल 8 गेहूं क्रय केंद्र संचालित हैं, जिनमें 4 केंद्र आरएफसी, 3 पीसीएफ और 1 एफसीआई द्वारा संचालित है। सभी केंद्रों पर गेहूं खरीद सुचारु रूप से चल रही है और कहीं भी बारदाने की कमी नहीं है। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि तौल में पारदर्शिता बनाए रखें, गुणवत्ता की जांच नियमानुसार करें और किसानों का भुगतान समय से उनके खातों में सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि किसानों की सुविधा के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि गेहूं खरीद प्रक्रिया बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

किसानों से बातचीत करते एसडीएम मधुसूदन गुप्ता। ● अमृत विचार

हज के लिए रवाना हुए यात्री

राजा रसीदउल्ला खान को फूल माला पहनाकर रवाना करते रियाजुल्ला खान व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: मोहल्ला गढ़ी निवासी राजा रसीद उल्ला खान हज के लिए रवाना हुए। हज जाने से पहले उन्होंने अपने प्रदेश ओर देश की सलामती और चैन अमन की दुआ की। उनके समर्थकों ने फूल मालाओं से लादकर रवाना किया। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रियाज उल्ला खान ने कहा कि हज पर जाना नसीब की बात है। उन्होंने सफल यात्रा की कामना करते हुए हज जा रहे यात्रियों को विदाई दी। बन्ने प्रधान, रजा हुसैन मंसूरी, राजा खालिद रियाज, आमिर खान सईदी, जबी उल्ला खां, डॉ. अहमद रसीद, नक्शफ अंसारी, छोटे शकील, फैजान खान, सईद उल्ला खान आदि मौजूद रहे।

बरवर से हज यात्रा पर दो जायरीन रवाना : बरवर: कस्बे से शुक्रवार को दो लोग हज यात्रा के लिए रवाना हुए। हज पर जाने वालों में शरीफ मलिक एवं उनकी पत्नी शामिल हैं। जुमे की नमाज के बाद रवानगी के मौके पर परिजनों, रिश्तेदारों और कस्बे के लोगों ने उन्हे फूल-मालाएं पहनाकर विदा किया। इस दौरान लोगों ने उनसे पूरी कायनात, देश और दुनिया में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे के लिए दुआ करने की गुजारिश की।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश पिता का नाम नियाज हुसैन के स्थान पर मुन्नू अंकित हो गया है, जो गलत है। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड में पिता का नाम नियाज हुसैन अंकित है, जो सही है। अतः ड्राइविंग लाइसेंस में भी पिता का सही नाम नियाज हुसैन अंकित किया जाए। **गुड्डू पुत्र नियाज हुसैन निवासी ग्राम केसवापुर पोस्ट भल्लिया बुजुर्ग जिला खीरी**

सूचना

मैंने अपने पुत्र अजय पांडे व पुत्रवधू झलक शुक्ला को इनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, यह दोनों अपने कृत्यों लेन-देन आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मुझसे व मेरे पुत्र रितिक पाण्डे से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। माया देवी पत्नी स्व. विनोद कुमार पांडे, रितिक पाण्डे पुत्र स्व. विनोद कुमार पांडे निवासी जोगी नवादा पुराना शहर थाना बारादरी बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

पत्रांक : 275/न.पा.प.ब./2026-27 दिनांक : 24.04.2026

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बहेड़ी स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर बोर्ड फण्ड/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है :-

E-Tender Publish Date and Time	25.04.2026 at 05:00 PM
Last Date and Time for Submission of e bid	04.05.2026 at 05:00 PM
E-Tender opening Date	05.05.2026 from 05:00 PM
Place of opening of E-bid	Nagar Palika Parishad Baheri (Baheri)
E-Tender Document Processing	टेण्डर हेतु आवश्यक प्रपत्रों हेतु अपलोड निविदा में देखें।
E-Tender Tender Fee	टेण्डर मूल्य/शुल्क हेतु अपलोड निविदा देखें।
E-Tender Security	10 प्रतिशत

नोट : सम्बन्धित निविदा शर्तें व विस्तृत विवरण एवं समस्त कार्यवाही ई-टेण्डर वेबसाइड http://etender.up.nic.in की जायेगी।

(शशि प्रभा चौधरी) अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

(रश्मि जायसवाल) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

विपक्ष ने आधी आबादी का हक मारा, भुगतना होगा अंजाम

बरेली पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- महिला आरक्षण लागू करवाकर रहेगी भाजपा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

संबोधित करते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व अन्य।

अमृत विचारः उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महिला आरक्षण को लेकर विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। बरेली पहुंचे डिप्टी सीएम ने कहा कि संसद में जो कुछ हुआ, उसके लिए आधी आबादी सपा-कांग्रेस व दूसरे ऐसे दलों को चुनाव में दौड़ाने का काम करेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम की राह में रोड़े अटकाने वालों को भारी कीमत चुकानी होगी। भजपा महिलाओं को उनका हक दिलाकर रहेगी।

सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि आजादी के इतने समय बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक कदम उठाया लेकिन पूरा विपक्ष विरोध पर उतर आया। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और डिंपल यादव खुद सदन का हिस्सा हैं, लेकिन नहीं चाहतीं कि सामान्य परिवारों की महिलाएं संसद तक पहुंचें। लड़की हूं, लड़ सकती हूं.. के नारे दिए जाते हैं, लेकिन संसद में मेजें महिलाओं हित के खिलाफ थपथपाई जाती हैं।

उन्कहा कि भाजपा इस मुद्दे को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि विपक्ष के महिला विरोधी चेहरे को उजागर करने के लिए इसे हर बूथ तक लेकर जाएगी। मिशन 2024 और विकसित भारत के संकल्प को दोहराते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पीएम मोदी का स्पष्ट मानना है कि बिना आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी के विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। आज देश में एक ही नारा गूंज रहा है-नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान और यही आक्रोश चुनाव में विपक्ष का सफाया करेगा।

केशव का तंज, अखिलेश 27 में सैफई लौटेंगे

डिप्टी सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव सत्ता के वियोग में व्याकुल हैं। इसके लिए उन्हें 2047 तक इंतजार करना होगा। सपा चाहे अकेले चुनाव लड़े या फिर बसपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन करे, यूपी में अब सिर्फ कमल खिलेगा। अखिलेश सरकार के अत्याचार जनता भूले नहीं है, जब खाली ''प्लॉट हमारा'' का नारा चलता था। जब सपा नेता वोट मांगने जाएंगे, तो महिलाएं उन्हें क्षेत्र से दौड़ा देंगी। 2027 में अखिलेश सैफई लौटते नजर आएंगे।

केशव ने उठाया शोर..नारी शक्ति का अपमान, नहीं सहेगा हिन्दुस्तानः बिथरी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने इन्र्टिस यूनिवर्सिटी में आयोजित महिला आक्रोश सम्मेलन में विपक्ष पर तीखे अंदाज में निशाना साधा बोला। बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी के बीच केशव ने कहा कि भाजपा सरकार देश के नए संसद भवन में पहला कानून नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 लेकर आई थी। देश में अभी लोकसभा की 543 सीट हैं। महिला सशक्तिरण में कोई बाधा न आए, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने की योजना बनाई थी। विपक्षी दलों का महिलाओं के हित में किया जा रहा प्रयास रास नहीं आया। सदन में सरकार 54 वोट कम होने की वजह से विधेयक के पक्ष में अपेक्षित समर्थन नहीं जुटा सकी। इसी विरोध के जवाब में भाजपा पूरे देश में नारी शक्ति जन-जागरण अभियान चला रही है। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है और इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। मेयर डॉ. उमेश गौतम ने समारोह में पहुंचे डिप्टी सीएम का पूरी टीम के साथ भव्य स्वागत किया।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, ददरौल (शाहजहांपुर)

पत्रांक: सी-40/क्षे.पं./2026-27 दिनांक: 15.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

पंचम/केन्द्र वित्त (टाइड अनटाइड फण्ड) आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत कार्यो को कराये जाने हेतु समस्त पंजीकृत ठेंकेदारों से मोहरबन्द निविदायें दिनांक 03.05.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती हैं। जो कि दिनांक 03.05.2026 को अपरान्ह 3:30 बजे निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के द्वारा गठित कमेटी द्वारा खोली जायेंगी। इच्छुक पंजीकृत निविदादाता जो कि आयकर, वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हों निविदा फार्म निविदा प्रकाशित होने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 03.05.2026 पूर्वान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड ददरौल-शाहजहाँपुर कार्यालय से निविदा फार्म शुल्क रू0 600.00 (छः सौ रू0) मात्र नकद जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित दिनांक व समय के उपरांत प्राप्त होने वाली निविदा स्वतः निरस्त मानी जायेगी। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते विकास खण्ड पर निविदा प्रकाशन के उपरांत किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	योजना का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू. में)	निविदा का मूल्य	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत	कार्य पूर्ण होने की अवधि
01	पंचम राज्य वित्त	खानपुर हकीमपुर सम्पर्क मार्ग से सुखविन्दर पंडित जी के झाले तक इंटरलाकिंग कार्य	5.33	600	10000	02 माह
02		खानपुर हकीमपुर मे मुख्य मार्ग से तरसेम सिंह के झाले तक इण्टरलाकिंग व नाली कार्य।	6.50	600	13000	02 माह
03		मौजमपुर मे मुख्य मार्ग से अशोक के घर तक खण्डंजा एवं नाली निर्माण कार्य।	3.24	600	7000	02 माह
04		खानपुर मे दानवीर के घर से प्रा0वि0 तक इण्टरलाकिंग व नाली कार्य।	9.99	600	20000	02 माह
05		खण्ड विकास अधिकारी के आवास की बाउन्ड्रीवाल एवं गेट का निर्माण व रंगाई पुताई	4.77	600	10000	02 माह
06		सिरोवरनगर में वी0डी0सी0 के अनुसार हरिपाल की चौपाल से सुखपाल के घर तक नाली व इंटरलांकिग	9.99	600	20000	02 माह
07		ग्राम शहबाजनगर में मसीउल्ला के मकान से सोनू के मकान तक नाली व इंटरलांकिंग कार्य	9.98	600	20000	02 माह
01	केन्द्रीय वित्त (अनटाइड फण्ड)	ग्राम शहबाजनगर में जावेद के मकान से पुत्तन के मकान तक नाली व इंटरलाकिंग कार्य	9.05	600	20000	02 माह
02		ग्राम गन्धार में ग्राम गौटिया मे रामसेवक यादव के घर से ज्वाला यादव के घर तक नाली व इंटरलांकिग	9.99	600	20000	02 माह
03		ग्राम शहबाजनगर में रामकिशन के मकान से शरीफ के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	6.46	600	13000	02 माह
01	केन्द्रीय वित्त (टाइड फण्ड)	ग्राम घुसगवां में वी0डी0सी0 के अनुसार वाटर कूलर की स्थापना कार्य	2.35	600	5000	02 माह
02		ग्राम रसुलापुर में वी0डी0सी0 रामबहोरन के अनुसार वाटर कूलर की स्थापना कार्य	2.35	600	5000	02 माह
03		ग्राम निवाडी में पूर्व प्रधान के अनुसार वाटर कूलर की स्थापना कार्य	2.35	600	5000	02 माह
04		न्याय पंचायत चाँदापुर में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
05		न्याय पंचायत घुसगवां में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
06		न्याय पंचायत राईखेडा में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
07		न्याय पंचायत पिपरौली में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
08		न्याय पंचायत ददरौल में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
09		न्याय पंचायत बमनुआ में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
10		न्याय पंचायत खिरिया हीर में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह

मुख्य नियम व शर्तें:-

1. प्रत्येक निविदा के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल-शाहजहाँपुर के पक्ष में बन्धक हो को संलग्न किया जाये।
2. निविदादाता को निविदा के साथ सौ रूपये के स्टाम्प पर स्व घोषणा पत्र/शपथ पत्र संलग्न करना होगा तथा निविदा स्वीकृति उपरान्त स्वयं के व्यय पर सौ रूपये के स्टाम्प पर अनुबन्ध गठित करना होगा व स्टाम्प पर फोटोयुक्त घोषणा पत्र इन शर्तो के साथ की वह किसी भी संस्था ब्लेकलिस्टेड नहीं हुए है ।
3. निविदादाता के किसी भी विवाद का निस्तारण माननीय न्यायलय जनपद शाहजहाँपुर को मान्य होगा।
4. जमानत धनराशि निविदा की 10 प्रतिशत होगी, जो कि निविदा स्वीकृति के उपरान्त धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत को समायोजित करते हुये शेष 8 प्रतिशत को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल के पक्ष में बन्धक कराकर जमा करना होगा।
5. धरोहर धनराशि एवं जमानत धनराशि को नगद व चेक के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा।
6. पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रेषित की जाने वाली निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
7. निविदादाता का विकास खण्ड ददरौल में पंजीकृत होना आवश्यक है अन्यथा की स्थिति में प्राप्त होने वाली निविदा स्वतः निरस्त मानी जायेगी।
8. किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत/निरस्त किये जाने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
9. निविदा खोले जाने की तिथि को अवकाश होने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगीं।
10. समस्त कार्य उपलब्ध धनराशि के अनुसार ही कराये जायेंगे। निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त सम्बन्धित मद में धनराशि उपलब्ध होने पर ही कार्य आदेश जारी किये जायेंगे।

खण्ड विकास अधिकारी
ददरौल-शाहजहांपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत फाजिलपुर वि.खं. नवाबगंज जनपद बरेली

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम फाजिलपुर की वित्तीय वर्ष 2026-27 की स्वीकृत कार्य योजना के आधार पर ग्राम पंचायत फाजिलपुर को 15वां/16वां वित्त आयोग (टाइड एवं अनटाइड फण्ड) पंचम राज/छठा वित्त आयोग RGSA मनरेगा योजनान्तर्गत तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में अन्य मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यो जैसे इण्टरलॉकिंग कार्य (नवनिर्माण एवं मरम्मत) नाली निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) पंचायत भवन का कायाकल्प/नवनिर्माण, जन सेवा, केन्द्र के कक्ष का निर्माण, विद्यालयों का कायाकल्प, सामुदायिक शौचालय का कायाकल्प, अन्नपूर्णा भवन मरम्मत (निर्माण कार्य) रिसोर्स रिकवरी सेन्टर में मरम्मत कार्य, SLWM योजना के अन्तर्गत कराये गये, कार्यो की मरम्मत, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत में सफाई कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प, लाईब्रेरी निर्माण के अन्तर्गत कक्षों का कायाकल्प नव निर्माण, हैण्डपम्प रिबोर व मरम्मत पंचायत भवन में फर्नीचर क्रय व अन्य सामग्री क्रय, हयूम पाईप क्रय, स्ट्रीट लाइट व सोलर लाईट क्रय/मरम्मत, सी.सी. रोड निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) डस्टबिन क्रय, ठेली व ई-रिक्शा क्रय एवं मरम्मत कार्य, मिट्टी कार्य, विभिन्न सरकारी बिल्डिगों में मरम्मत एवं नव निर्माण, ग्राम पंचायत में लगने वाले सी.सी. कैमरे, फागिंग कार्य एवं ग्राम पंचायत में होने वाले अन्य कार्य हेतु ईट प्रथम श्रेणी, टोटी इण्टर लॉकिंग, बजरी, सीमेंट, सरिया, मोरंग, लोह, टाईल, पाईप, प्रचार-प्रसार बोर्ड, स्टेशनरी, मिट्टी, ठेली, पी.पी. किट, मास्क, सफाई किट, कूड़ादान, फागिंग मशीन, फर्नीचर, बर्तन, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट हेतु मशीन क्रय व अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिये सीलबंद निविदायें कार्यालय ग्राम पंचायत फाजिलपुर पर दिनांक 25.4.2026 को 11 बजे से दिनांक 28.4.2026 शाम 3 बजे तक आमंत्रित की जाएंगी। जोकि 28.4.26 को दोपहर 4 बजे फाजिलपुर ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

ग्राम प्रधान - मो. असलम **सचिव**

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा निगाही वि.खं. नवाबगंज जनपद बरेली

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पिपरा निगाही की वित्तीय वर्ष 2026-27 की स्वीकृत कार्य योजना के आधार पर ग्राम पंचायत पिपरा निगाही को 15वां/16वां वित्त आयोग (टाइड एवं अनटाइड फण्ड) पंचम राज/छठा वित्त आयोग RGSA मनरेगा योजनान्तर्गत तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में अन्य मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यो जैसे इण्टरलॉकिंग कार्य (नवनिर्माण एवं मरम्मत) नाली निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) पंचायत भवन का कायाकल्प/नवनिर्माण, जन सेवा, केन्द्र के कक्ष का निर्माण, विद्यालयों का कायाकल्प, सामुदायिक शौचालय का कायाकल्प, अन्नपूर्णा भवन मरम्मत (निर्माण कार्य) रिसोर्स रिकवरी सेन्टर में मरम्मत कार्य, SLWM योजना के अन्तर्गत कराये गये, कार्यो की मरम्मत, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत में सफाई कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प, लाईब्रेरी निर्माण के अन्तर्गत कक्षों का कायाकल्प नव निर्माण, हैण्डपम्प रिबोर व मरम्मत पंचायत भवन में फर्नीचर क्रय व अन्य सामग्री क्रय, हयूम पाईप क्रय, स्ट्रीट लाइट व सोलर लाईट क्रय/मरम्मत, सी.सी. रोड निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) डस्टबिन क्रय, ठेली व ई-रिक्शा क्रय एवं मरम्मत कार्य, मिट्टी कार्य, विभिन्न सरकारी बिल्डिगों में मरम्मत एवं नव निर्माण, ग्राम पंचायत में लगने वाले सी.सी. कैमरे, फागिंग कार्य एवं ग्राम पंचायत में होने वाले अन्य कार्य हेतु ईट प्रथम श्रेणी, टोटी इण्टर लॉकिंग, बजरी, सीमेंट, सरिया, मोरंग, लोह, टाईल, पाईप, प्रचार-प्रसार बोर्ड, स्टेशनरी, मिट्टी, ठेली, पी.पी. किट, मास्क, सफाई किट, कूड़ादान, फागिंग मशीन, फर्नीचर, बर्तन, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट हेतु मशीन क्रय व अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिये सीलबंद निविदायें कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा निगाही पर दिनांक 25.4.2026 को 11 बजे से दिनांक 28.4.2026 शाम 3 बजे तक आमंत्रित की जाएंगी। जोकि 28.4.26 को दोपहर 4 बजे पिपरा निगाही ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

ग्राम प्रधान - ओमप्रकाश **सचिव**

कार्यालय नगर पालिका परिषद पूरनपुर-पीलीभीत

संख्या : 55(C)/न.पा.परि.पू./2026-27 दिनांक : 22.04.2026

नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, पूरनपुर जिला-पीलीभीत अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत वसीयत/विक्रय पत्र/वारिसान/अन्य के आधार पर निम्न प्रकार प्रकार परिवर्तन करना चाहती है अतः नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147(2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो तो वह व्यक्ति लिखित साक्ष्यों सहित प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा, और तदानुसार परिवर्तन की कार्यवाही कर दी जायेगी विवरण निम्न प्रकार है :-

भवन संख्या	मोहल्ले का नाम	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति स्वामी विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन के स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
831	बमनपुरी	श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी सुनील कुमार व सौरभ जायसवाल व विपलव पुत्रगण सुनील कुमार व संगीता जायसवाल पत्नी नवीन जायसवाल व तेजस जायसवाल पुत्रगण जायसवाल व रोमी जायसवाल पत्नी स्व. संदीप कुमार	मो. सैफ कुरैशी पुत्र मो. अकरम कुरैशी	

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पूरनपुर (पीलीभीत)

कार्यालय नगर पालिका परिषद पूरनपुर-पीलीभीत

संख्या : 45(C)/न.पा.परि.पू./2026-27 दिनांक : 20.04.2026

नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, पूरनपुर जिला-पीलीभीत अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत वसीयत/विक्रय पत्र/वारिसान/अन्य के आधार पर निम्न प्रकार प्रकार परिवर्तन करना चाहती है अतः नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147(2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो तो वह व्यक्ति लिखित साक्ष्यों सहित प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा, और तदानुसार परिवर्तन की कार्यवाही कर दी जायेगी विवरण निम्न प्रकार है :-

भवन संख्या	मोहल्ले का नाम	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति स्वामी विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन के स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
831	बमनपुरी	सुनील कुमार पुत्र नानक चन्द संदीप कुमार जायवाल पुत्र नानक चन्द	लक्ष्मी देवी पत्नी सुनील कुमार व सौरभ जायसवाल व विपलव पुत्रगण सुनील कुमार व दीक्षा जायसवाल पुत्री सुनील कुमार पत्नी विजय कुमार रोमी जायसवाल पत्नी स्व. संदीप कुमार जायसवाल	मृत्यु प्रमाण पत्र/ वारिसान प्रमाण

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पूरनपुर (पीलीभीत)

कार्यालय कृषि उत्पादन मंडी समिति दातागंज (बदायूं)

पत्रांक: कृ.उ.म.स./2026-27/147 दिनांक: 24.04.2026

दुकान आवंटन/नीलामी सूचना

कृषि उत्पादन मंडी समिति दातागंज (बदायूं) की रिक्त दुकानों का आवंटन/नीलामी दिनांक 08.05.2026 को पूर्वाहन 11:30 बजे मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति/फर्म मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय से रू. 295.00 नकद जमा करके आवंटन प्रार्थना पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर न्यूनतम प्रीमियम की धनराशि का 05 प्रतिशत का नकद जमा/बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. संलग्न कर दिनांक 07.05.2026 को सायं 05:00 बजे तक मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कर दें। दुकानों का विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं.	दुकानों का विवरण	कुल संख्या	दुकानों में आरक्षण का विवरण (दुकान संख्या)				न्यूनतम प्रीमियम
			अनु. जाति	अ.पि.वर्ग	सामान्य	दिव्यांग	
3.	मण्डी स्थल 'स' श्रेणी की	02	–	01	01		872130.33

शेष शर्ते किसी भी कार्य दिवस में मण्डी समिति कार्यालय में देखी जा सकती है। सभी धनराशि पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देय होगा।

खडबिन्द प्रकाश सचिव

विनोद कुमार सिंह उपजिलाधिकारी/सभापति

दिन में टूटा जिंदगी का सफर, शाम को आया फर्स्ट डिवीजन का रिजल्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

मृतक मनोज।

अमृत विचार : किस्मत कभी-कभी ऐसे मोड़ पर खड़ी हो जाती है, जहां खुशियां और गम एक ही दिन आमने-सामने खड़े नजर आते हैं। ऐसा ही दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एक ओर परिवार ने अपने होनहार बेटे को खो दिया, तो दूसरी ओर उसकी मेहनत का नतीजा भी उसी दिन घर पहुंचा।

पूरनपुर निवासी मनोज इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रहा था। लंबे समय से गंभीर बीमारी हीमोफीलिया से जूझ रहे थे और दिल्ली में उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान ही गुरुवार को उनकी मौत हो गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।

परिवार अभी बेटे की मौत के सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि शाम को एक और सूचना ने घर को और तोड़ दिया। मनोज का परीक्षा परिणाम आया, जिसमें वह फर्स्ट डिवीजन से पास हो गया था। बेटे की सफलता की खबर जैसे ही घर पहुंची, वहां मौजूद परिजन फूट-फूटकर रो पड़े। परिवार का कहना है कि मनोज पढ़ाई में बेहद तेज था और बड़े सपने लेकर आगे बढ़ रहा था। बीमारी के बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी, लेकिन जिंदगी ने उसे लंबा साथ नहीं दिया। एक ही दिन में मिली मौत और सफलता की खबर ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घर में मातम पसरा है और हर आंख नम है। रिश्तेदारों और मोहल्ले के लोग भी इस दर्दनाक संयोग को सुनकर भावुक हो रहे हैं।

सात माह बाद गोली कांड की एफआईआर दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने शाहजहांपुर के थाना सदर क्षेत्र के ग्राम खिरनी बाग के रहने वाले प्रशांत सिंह उर्फ आशु की ओर से रिपोर्ट दर्ज की। इसमें बिलसंडा के शुभम शर्मा उर्फ शुड्डन शर्मा, पवन शुर्मा और दो अज्ञात को आरोपी बनाया है। दर्ज की गई रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया कि उसकी कृषि भूमि ग्राम घनश्यामपुर में है। 12 सितंबर 2025 की दोपहर एक बजे वह खेत पर थे। इस दझैरान आरोपी आए और गाली गलौज करते हुए मारपीट की। दो आरोपियों ने पकड़ लिया औ शुभम शर्मा ने रिवाल्वर से फायर कर दिया। गोली पीड़ित के पेट में लगी थी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं की। जिसके बाद कोर्ट की शरण ली गई। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, चार की मौत

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर-ट्राली। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचारः मैनाठेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 5:25 बजे असदपुर पुलिया के पास सड़क हादसे में दो महिलाओं और दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में डंपर चालक समेत 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने डंपर नंबर पर मुकदमा दर्ज कर लिया।

जानकारी के अनुसार संभल जनपद के भटौला गांव निवासी नरेश सैनी अपने रिश्तेदारों के साथ गुरुवार रात मुरादाबाद के गुरेर गांव में बेटी की शादी में भात न्योतने आए थे। सभी लोग शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार बजरी से भरे डंपर ने ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली को साइड से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में 55 वर्षीय शांति देवी पत्नी तोताराम, सुमन पत्नी विनोद और अजीत पुत्र विनोद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सृष्टि पुत्री जयप्रकाश ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर मैनाठेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने संभल के भटोला गांव निवासी नरेश की ओर से मिली तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक किरणपाल सिंह ने बताया घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। इनमें डंपर चालक भी शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

डीएल में गलत जन्मतिथि सुधारने की सुविधा शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में अब ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) में गलत दर्ज जन्मतिथि को आसानी से सुधारा जा सकेगा। परिवहन विभाग ने संशोधन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। विभाग के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के डीएल या आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत दर्ज है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत संशोधन करा सकता है। इसके लिए आवेदक को तीन मान्य दस्तावेजों में से किसी एक को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही जन्मतिथि में बदलाव किया जाएगा। यह सुविधा Sarathi Parivahan Portal पर उपलब्ध है, जहां आवेदक घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षामित्रों के मानदेय को 250 करोड़ जारी

अमृत विचार, लखनऊ: परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को बड़ी राहत देते हुए प्रदेश सरकार ने उनका मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया है। इसके लिए 250 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है, जिससे इसी माह से बढ़े हुए मानदेय का भुगतान शुरू हो जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत जारी यह बजट बेसिक शिक्षा निदेशालय के माध्यम से सभी जिलों को आवंटित कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह राशि केवल शिक्षामित्रों के मानदेय भुगतान के लिए ही उपयोग की जाएगी। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि धनराशि का उपयोग निर्धारित मद में ही किया जाए। समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत भी मानदेय भुगतान की प्रक्रिया जारी रहेगी।

बलिया में पर्यटन विकास के आठ प्रोजेक्ट मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने पर्यटन विकास को गति देने के लिए बलिया में 9.08 करोड़ रुपये की आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन राज्य पर्यटन विकास निगम के माध्यम से किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत आजमगढ़ मंडल में आने वाले बलिया जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों के विकास के लिए यह धनराशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत परियोजनाओं में रसड़ा क्षेत्र स्थित लखनेश्वर मंदिर (50 लाख), बांसडीह का काली मंदिर (60 लाख), सिकंदरपुर का शिव मंदिर (50 लाख) और बेल्थरा क्षेत्र के राम जानकी मंदिर (64 लाख) शामिल हैं। इसके अलावा बलिया नगर स्थित महर्षि भृगु आश्रम के लिए 437 लाख, फेफना क्षेत्र के बाबा मुक्तिनाथ धाम के लिए 101 लाख, बैरिया के खपड़िया बाबा आश्रम के लिए 51 लाख तथा नगरा (जमुआंव) के प्राचीन शिव मंदिर के लिए 55 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

सपा प्रमुख से उलेमाओं ने की मुलाकात

अमृत विचार, लखनऊ: पश्चिमी उप्र. के प्रमुख उलेमाओं के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। उलेमाओं का कहना था कि 2027 में अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। देश को आज उनकी बहुत जरूरत है। सभी ने एकस्वर में कहा कि प्रदेश बचाना है, अखिलेश को लाना है। सय्यदना खालिद बिन वालीद ट्रस्ट देवबंद के निदेशक कारी मो. सलीम कासमी ने शेखुल हिंद मेडिकल कॉलेज सहारनपुर में चिकित्सा सुविधाओं का मसला उठाया। सपा प्रमुख ने आश्वासन दिया कि सपा सरकार बनने पर शेखुल हिंद मेडिकल कॉलेज में उच्चस्तरीय इलाज की व्यवस्थाएं की जाएगी।

संस्कृत बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत विद्यार्थी रहे सफल

कक्षा-10 में सृष्टि और कक्षा-12 में रजनीश यादव ने हासिल किया प्रदेश में पहला स्थान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है। पारदर्शी और नकलविहीन व्यवस्था के बीच आयोजित परीक्षा में इस बार 95 प्रतिशत से अधिक परीक्षार्थी सफल रहे हैं।

माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए इसे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और सरकार की पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का परिणाम बताया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 1091 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया।

पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा-10) में सृष्टि ने 94.43 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। वहीं उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा-12) में रजनीश यादव ने 89.36 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया।

परिणाम के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव, माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के सचिव शिव लाल व अन्य। अमृत विचार

तीनों स्तरों पर शानदार प्रदर्शन

पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा-10) में 95.91 प्रतिशत, उत्तर मध्यमा प्रथम में 94.40 प्रतिशत और उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा-12) में 94.86 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए हैं।

आंकड़ों में सुधार के संकेत

इस वर्ष परिणाम में भी सुधार दर्ज किया गया है। कक्षा-10 के उत्तीर्ण प्रतिशत में पिछले वर्ष की तुलना में 2.79 प्रतिशत और कक्षा-12 में 6.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जेवर एयरपोर्ट पर सुलझा सीईओ विवाद, भारतीय को मिली कमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नीतू समरा बनीं अंतरिम सीईओ नियम के अनुरूप बदलाव से सुरक्षा मंजूरी का रास्ता साफ

अमृत विचार : बहुप्रतीक्षित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानें शुरू होने में आ रही बड़ी बाधा अब दूर होती दिख रही है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने नेतृत्व ढांचे में बदलाव करते हुए भारतीय नागरिक नीतू समरा को अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इससे सुरक्षा नियमों से जुड़ा विवाद सुलझने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

दरअसल, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) के नियमों के अनुसार किसी भी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का सीईओ भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है, क्योंकि वही सुरक्षा समन्वयक की भूमिका निभाता है। इसी कारण एयरड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) की मंजूरी अटकी हुई थी और उड़ानों की शुरुआत में देरी हो रही थी।

एयरपोर्ट संचालन कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. ने अब इस बाधा को दूर करते हुए नीतू समरा को अंतरिम सीईओ बनाया है। वह इससे पहले मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के पद पर कार्यरत थीं और परियोजना के विकास में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। वहीं, पूर्व सीईओ स्विस नागरिक क्रिस्टोफ श्नेलमैन को कार्यकारी उपाध्यक्ष की नई जिम्मेदारी दी गई है, ताकि प्रबंधन में निरंतरता बनी रहे।

इस बदलाव के बाद एयरपोर्ट के लिए आवश्यक एएसपी सुरक्षा मंजूरी मिलने की संभावना बढ़ गई है। एएसपी के बिना किसी भी एयरपोर्ट पर वाणिज्यिक उड़ान संचालन संभव नहीं होता था और सीईओ की विदेशी नागरिकता इस प्रक्रिया में प्रमुख बाधा बनी हुई थी।

धर्मांतरण गिरोह को विदेशों से मिले थे अरबों रुपये

छांगुर बाबा मामले में एटीएस और ईडी की चार्जशीट में खुलासा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के धर्मांतरण गिरोह के खिलाफ एटीएस कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने अरबों रुपये के विदेशी फंडिंग और धर्मांतरण के गिरोह संचालित करने वाले छांगुर बाबा की डिस्चार्ज अर्जी को हाल ही में खारिज कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद छांगुर व उसके साथियों के खिलाफ सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है।

ईडी और एटीएस की संयुक्त टीम ने जलालुद्दीन उर्फ छांगुरबाबा के खिलाफ 1400 पन्नों की विस्तार से चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 100 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी फंडिंग, जमीन खरीद और संगठित तरीके से धर्मांतरण कराने जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। चार्जशीट में फंडिंग, संपत्ति खरीद, बैंक ट्रांजैक्शन और आरोपियों के बीच संबंधों का विस्तृत विवरण दिया गया है। चार्जशीट में उल्लेख किया गया है कि आरोपी एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे, जिनका उद्देश्य बड़े पैमाने पर धर्मांतरण गतिविधियों को अंजाम देना था। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे बड़ा खुलासा विदेशी फंडिंग को लेकर हुआ है। ईडी की जांच में सामने आया है कि वर्ष 2015 से 2024 के बीच 100 करोड़ रुपए से अधिक का लेन-देन हुआ। यह रकम सऊदी अरब और दुबई समेत खाड़ी देशों से भारत लाई गई। एजेंसियों ने मनी ट्रेल को खंगालते हुए पाया कि यह पैसा अलग-अलग खातों और माध्यमों से ट्रांसफर किया गया, ताकि इसकी असल पहचान छिपी रहे।

देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने और सरकार के खिलाफ साजिश रचने के आरोप

अमृत विचार : ईडी ने अपनी जांच में एटीएस द्वारा जुटाए गए तथ्यों को आधार बनाया और दोनों एजेंसियों के बीच समन्वय से पूरे गिरोह के नेटवर्क का खुलासा किया। अधिकारियों का दावा है कि इस फंडिंग का उपयोग धर्मांतरण गतिविधियों को बढ़ावा देने, लोगों को प्रलोभन देने और नेटवर्क को मजबूत करने में किया गया। जांच में सामने आया है कि सह आरोपी बनाए गए नवीन और उसकी पत्नी नीतू ने इस फंड का इस्तेमाल कई जिलों में जमीन खरीदने के लिए किया। बलरामपुर के तरबगंज क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर खरीदी गई इन संपत्तियों का प्रयोग धर्मांतरण गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता था। लोगों को आर्थिक व सामाजिक प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जाता था। दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि कई संपत्तियां पत्नी के नाम से खरीदी गई। पूरे खरीद-फरोख्त में छांगुर बाबा को एक गवाह व संरक्षक के रूप में दिखाया गया है। मुख्य आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों पर देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने और सरकार के खिलाफ साजिश रचने के आरोप हैं। इस मामले में सीरिया लिंक और स्विस बैंक खातों की जांच अभी बाकी है।

जातिवाद के नाम पर देश लूटने वालों से रहें सावधान

मुख्यमंत्री ने की 'रश्मिरथी पर्व' की शुरुआत, दिनकर की कृतियों को बताया राष्ट्र चेतना की मशाल

'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह व महापौर सुषमा खर्कवाल।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने और विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा। उन्होंने ऐसे लोगों को राष्ट्रद्रोही बताते हुए जनता से सतर्क रहने का आह्वान किया।

शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' के शुभारंभ और 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की रचनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि "ऊंच-नीच का भेद न जाने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है" जैसी पंक्तियां आज भी समाज को दिशा देती हैं। कालजयी कृति 'रश्मिरथी' को उन्होंने राष्ट्र निर्माण की प्रेरक धरोहर बताया। "सिंहासन खाली करो कि जनता आती है" जैसी पंक्तियों को उन्होंने लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'रश्मिरथी' के नाट्य मंचन की सराहना करते हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और संस्कृति विभाग को ऐसी प्रेरक प्रस्तुतियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, सत्यपाल सिंह, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

तीन दिन चलेगा साहित्य-संस्कृति का संगम

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयोजन में 'रश्मिरथी' पर आधारित नाट्य मंचन के साथ ही स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक और अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर विशेष प्रस्तुतियां होंगी। उन्होंने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय समेत अन्य संस्थानों के छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कड़ी सुरक्षा में होमगार्ड लिखित परीक्षा आज से

सीसीटीवी, ई-केवाईसी और डबल लॉक सिस्टम से नकल पर रहेगा कड़ा पहरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 41,424 पदों के लिए 25 लाख से अधिक अभ्यर्थी, 1053 केंद्रों पर तीन दिन परीक्षा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर होमगार्ड एनरॉलमेंट 2025 की लिखित परीक्षा शुक्रवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो रही है। 25, 26 और 27 अप्रैल को प्रदेश के 1053 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 25.32 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि कुल 41,424 पदों के लिए भर्ती की जा रही है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष एसबी शिरडकर के अनुसार परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। हर जिले में अपर पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस उपायुक्त स्तर के नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। वहीं, प्रत्येक 240 अभ्यर्थियों पर एक निरीक्षक या उपनिरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है।

परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच होगी, जबकि महिला अभ्यर्थियों की चेकिंग अलग परिसर में महिला पुलिसकर्मियों द्वारा की जाएगी। सभी केंद्रों और स्ट्रॉन्ग रूम में 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी रहेगी। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा, जबकि यूपी-112 की गाड़ियां और एम्बुलेंस अलर्ट मोड में रहेंगी। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी अफवाह पर तुरंत कार्रवाई हो सके।

डबल लॉक में सुरक्षित प्रश्नपत्र : प्रश्नपत्रों को कोषागार में 'डबल लॉक सिस्टम' के तहत रखा गया है, जिसकी चाबियां अलग-अलग अधिकारियों के पास होंगी। स्ट्रॉन्ग रूम में बिजली, इंटरनेट और अग्निशमन की समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षित परिवहन के लिए रूट मैप तैयार कर पूर्वाभ्यास भी कराया गया है।

ई-केवाईसी और बायोमेट्रिक अनिवार्य : अभ्यर्थियों को प्रवेश से पहले आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। साथ ही केंद्रों पर आइरिस बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है, जिससे फर्जी अभ्यर्थियों और प्रतिरूपण (इंपर्सनेशन) पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

वक्फ संपत्तियों पर कब्जों के खिलाफ कोर्ट जाएगा बोर्ड: जैदी

अनियमितताओं की खबरों पर चेयरमैन ने दी सफाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- भू-माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की तैयारी
- वक्फ संपत्तियों से कब्जे हटवाए मन्दिर व धर्मशालाओं को किया गया मुक्त

अमृत विचार : उप्र. शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि प्रदेश की बहुत सी वक्फ संपत्तियों पर भू-माफियाओं की नजर है। बोर्ड जल्दी ही उनके कब्जों के खिलाफ कोर्ट में पिटीशन फाइल करेगा। पिछले कुछ दिनों से बोर्ड अध्यक्ष द्वारा वक्फ संपत्तियों से अनियमितताओं को लेकर चल रही खबरों के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने ऐसी खबरें चलवाईं, वही जिम्मेदार हैं और उन्हें मेरा पक्ष भी पूछना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मैं जब बोर्ड का अध्यक्ष बना तो कर्मचारियों का 37 महीने का वेतन बकाया था। मैंने बोर्ड की आमदनी बढ़ाकर बोर्ड के रिटायर हो चुके कर्मचारियों और काम कर रहे कर्मचारियों का लगभग 50 लाख रुपये का भुगतान कराया। मेरे कार्यकाल का 4 महीने का वेतन अभी भी बकाया है।

शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी

अली जैदी ने बताया कि वक्फ दरोगा मीर वाजिद अली की वजीरगंज, डालीगंज और सआदतगंज स्थित सम्पत्ति गैर मुस्लिम के नाम दर्ज थी, जिसे कब्जे से मुक्त कराया। इसी तरह से कुछ मन्दिर और धर्मशालाओं को वक्फ सम्पत्ति में दर्ज किया गया था, उसे वक्फ रिकार्ड से हटवाया और मन्दिरों व धर्मशालाओं को मुक्त कराया। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने लखीमपुर में इमामबाड़े को अतिक्रमण मुक्त कराकर वहां बाउंड्री कराई। बुलंदशहर में इमामबाड़े से अतिक्रमण हटवाया।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि जब उन्हें अध्यक्ष बनाया गया तब बोर्ड में सालाना एक लाख रुपये की आय वाले 38 वक्फ थे, मौजूदा समय में एक लाख आय वाले 81 वक्फ हैं।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड में कुल 7785 अवकाफ रजिस्टर्ड है, जिसको नये वक्फ अधिनियम- 1995 (यथासंशोधित- 2025) के अन्तर्गत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा बनाये गए उम्मीद पोर्टल पर 21 अप्रैल 2026 तक लगभग 7647 अवकाफ मुतवल्ली/मेकर्स द्वारा अपलोड किये जा चुके हैं, जिसके सापेक्ष 3595 अवकाफ के सत्यापन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 2167 अवकाफ बोर्ड द्वारा अप्रूव्ड किये जा चुके हैं।

986 महिला आरक्षियों की दीक्षांत परेड कल, मुख्यमंत्री लेंगे सलामी

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजधानी में आयोजित 986 महिला आरक्षियों की दीक्षांत परेड में सलामी लेंगे। यह परेड रिजर्व पुलिस लाइंस, महानगर में आयोजित होगी, जिसमें पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की आरटीसी में प्रशिक्षण प्राप्त महिला रिक्रूट आरक्षी हिस्सा लेंगी।

आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2025 के तहत चयनित इन महिला आरक्षियों को प्रशिक्षण के दौरान आधुनिक पुलिसिंग, साइबर क्राइम, फॉरेंसिक साइंस और कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं में दक्ष बनाया गया है। कार्यक्रम सुबह करीब 8 बजे शुरू होगा और प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस लाइंस, पीएसी वाहिनियों और प्रशिक्षण संस्थानों में इसका लाइव प्रसारण किया जाएगा। 2017 से पहले यूपी पुलिस में महिलाओं की संख्या करीब 10 हजार थी, जो अब बढ़कर 44-45 हजार के आसपास पहुंच गई है। वर्तमान में पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य कर दी गई है।

महिला आरक्षियों को फिजिकल ट्रेनिंग के साथ सोशल पुलिसिंग, साइबर क्राइम, सीसीटीएनएस, हथियार संचालन, आपदा प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण और संचार प्रणाली जैसे विषयों में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

प्रयागराज में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य से ट्रेनों के मार्ग में बदलाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन पर यार्ड रीमॉडलिंग के तहत चल रहे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण रेलवे प्रशासन ने कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनों को प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर दो मिनट का अस्थायी ठहराव दिया गया है।

रेलवे के अनुसार 29 अप्रैल को 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया एक्सप्रेस मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-वाराणसी-जौनपुर-औड़िहार मार्ग से चलेगी। वहीं 30 अप्रैल को 11072 बलिया-एलटीटी एक्सप्रेस जंघई-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-झांसी होते हुए बीना के रास्ते संचालित की जाएगी। इसके अलावा अहमदाबाद-दरभंगा, दरभंगा-अहमदाबाद, गोरखपुर-एलटीटी, रक्सौल-एलटीटी और पुणे-दरभंगा समेत कई ट्रेनों को भी परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।

कार्य अवधि के दौरान कुछ ट्रेनों को नियंत्रित कर चलाने का निर्णय लिया गया है। पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस लगभग 90 मिनट देरी से चलेगी, जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस को दोनों जोनों में 120-120 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

सुधार — राष्ट्रीय मंच पर एसीएस पार्थ सारथी सेन शर्मा ने रखा यूपी का पक्ष

कॉन्क्लेव में छाया रहा शिक्षा का 'योगी मॉडल'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एफएनएल, एआई व एडटेक के साथ मूल्यांकन सुधार पर व्यापक चर्चा

अमृत विचार: देश में शिक्षा सुधार को लेकर दिल्ली में आयोजित एजुकेशन कॉन्क्लेव 2026 में उत्तर प्रदेश का 'योगी मॉडल' छाया रहा। सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय मंच पर अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश में हुए शिक्षा सुधारों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

कॉन्क्लेव में विभिन्न राज्यों के नीति-निर्माताओं, शिक्षा विशेषज्ञों और प्रशासकों ने उत्तर प्रदेश के मॉडल पर विमर्श किया। खासतौर पर आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएनएल), प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडटेक के उपयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। एसीएस सेन शर्मा ने बताया कि प्रदेश में शिक्षा सुधार को स्पष्ट लक्ष्य, सतत मूल्यांकन और शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण के आधार पर आगे बढ़ाया गया है। 'लक्ष्य आधारित शिक्षण' और निरंतर आकलन प्रणाली से शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार देखने को मिला है। एडटेक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से प्रशासन और शिक्षकों के बीच रियल-टाइम कनेक्टिविटी स्थापित हुई है, जिससे त्वरित निर्णय और बेहतर क्रियान्वयन संभव हो पाया है। प्रदेश का यह मॉडल शिक्षा के क्षेत्र में अन्य राज्यों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है, जहां नीतियों को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारकर ठोस परिणाम हासिल किए जा रहे हैं।

शिक्षक बने बदलाव की धुरी

प्रदेश में शिक्षकों को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। एआरपी (अकादमिक रिसोर्स पर्सन) जैसे मेंटर कैडर, संकुल बैठकों और नियमित संवाद से शिक्षण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया गया है।

मूल्यांकन में सुधारात्मक दृष्टिकोण

मूल्यांकन प्रणाली को दंड या पुरस्कार के बजाय सीखने की कमियों की पहचान और सुधार के उपकरण के रूप में विकसित किया गया है। इससे छात्रों के वास्तविक अधिगम परिणामों पर फोकस बढ़ा है।

निगेटिव बैलेंस पर भी 30 दिन की मोहलत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को कनेक्शन कटने से पहले पांच एसएमएस अलर्ट अनिवार्य

अमृत विचार : भीषण गर्मी के बीच प्रदेश सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन काटने से पहले पांच अनिवार्य एसएमएस अलर्ट भेजे जाएं, ताकि उन्हें भुगतान का पर्याप्त समय मिल सके।

नई व्यवस्था के तहत एक किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शनधारकों का बिजली कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस होने पर भी 30 दिन तक नहीं काटा जाएगा। वहीं, दो किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को भी राहत देते हुए 200 रुपये तक के माइनस बैलेंस पर कनेक्शन न काटने का फैसला लिया गया है।

सरकार का कहना है कि यह कदम उपभोक्ताओं को आर्थिक दबाव से राहत देने और गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और अचानक बिजली कटौती की समस्या में कमी आएगी।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अप्रैल 2026

मनुष्य का कर्तव्य है, प्रयास करना और मेहनत करना। सफलता संयोग और परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

-शहीदे आजम भगत सिंह

अशोभनीय टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत 'नरक का द्वार' है, जैसी टिप्पणी कूटनीतिक मर्यादाओं के विपरीत है, इस तरह की भाषा उस परिपक्व वैश्विक नेतृत्व की अपेक्षाओं पर प्रश्न चिह्न लगाती है, जिसकी जिम्मेदारी किसी भी महाशक्ति के नेता पर होती है। ट्रंप ने बात पलटते हुए भारत को महान बताया, यह बात अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कही और यह नहीं बताया कि ट्रंप ने कब और कहां कहा, इसकी प्रमाणिकता संदिग्ध है।

विदेश मंत्रालय द्वारा ट्रंप के बयान को 'अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और खराब सोच वाला' बताया जाना एक संतुलित और संस्थागत प्रतिक्रिया है, किंतु देश के बारे में ऐसी ओछी टिप्पणी के विरोध में उच्च राजनीतिक स्तर से प्रत्यक्ष टिप्पणी का अभाव भी अपने आप में अलग संकेत देता है। भारत की यह चुप्पी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी परिपक्व कूटनीति का हिस्सा मानी जानी चाहिए। भारत और अमेरिका के संबंध दशकों से साझा हितों, रणनीतिक सहयोग और वैश्विक संतुलन पर आधारित रहे हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति के विवादास्पद बयान को द्विपक्षीय रिश्तों के व्यापक ढांचे पर हावी होने देना व्यावहारिक नहीं होगा, इसीलिए भारत अक्सर 'व्यक्ति नहीं, नीति' के स्तर पर प्रतिक्रिया देता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ट्रंप का यह पहला विवादास्पद बयान नहीं है। उन्होंने पहले भी भारत के व्यापार, कश्मीर और आंतरिक राजनीति पर असामान्य टिप्पणियां की हैं, जिनमें कई बार बाद में यू-टर्न भी लिया गया। यह उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा है, जहां तीखे बयान देकर घरेलू राजनीति में चर्चा बटोरी जाती है और फिर परिस्थितियों के अनुसार नरमी दिखाई जाती है। ट्रंप ने भारत जैसी ही टिप्पणी चीन के बारे में भी की, वहां की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत अधिक तीखी और प्रत्यक्ष रही। यह दोनों देशों की कूटनीतिक शैली का अंतर दर्शाता है, जहां चीन सार्वजनिक आक्रामकता दिखाता है, वहीं भारत संयमित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाता है। ट्रंप के बयान अक्सर अगंभीर और विरोधाभासी होते हैं। एक ओर वे भारत के प्रधानमंत्री को 'अच्छा मित्र' बताते हैं, तो दूसरी ओर उनका राजनीतिक करियर 'तबाह करने' जैसी बातें करते हैं। यह असंगति उनके व्यक्तित्व और राजनीतिक रणनीति दोनों को उजागर करती है। कई अमेरिकी विश्लेषक इसे 'पॉपुलिस्ट पॉलिटिक्स' का हिस्सा मानते हैं, जहां उत्तेजक बयान देकर जनभावनाओं को भुनाया जाता है, खासकर तब जब घरेलू मोर्चे पर चुनौतियां बढ़ रही हों।

भारत को चाहिए कि वह ऐसी परिस्थितियों में अपनी गरिमा बनाए रखते हुए अमेरिका और ट्रंप को स्पष्ट संदेश भी दे। सरकार आवश्यक होने पर अधिक मुखर और दृढ़ रुख अपनाए, ताकि भविष्य में कोई भी नेता भारत के प्रति इस तरह की टिप्पणी करने से पहले दो बार सोचे। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि द्विपक्षीय संबंध किसी व्यक्ति विशेष की बयानबाज़ी के बजाय संस्थागत मजबूती पर टिके रहें। कुल मिलाकर ट्रंप का बयान भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता। यह एक क्षणिक राजनीतिक अभिव्यक्ति है, न कि स्थायी कूटनीतिक दृष्टिकोण।

बंगाल में ऐतिहासिक मतदान, तमिलनाडु भी पीछे नहीं

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए बढ़-चढ़कर मतदान ने इतिहास रच दिया। इसे 'वोट क्रांति' कह सकते है। बंगाल में पहले चरण में 294 सीटों में से 152 सीटों पर मतदान हुआ। पहले चरण में 92.72 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.14 प्रतिशत मतदान ने पिछले सब रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29 प्रतिशत था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। आजादी के बाद हुए निर्वाचन के इतिहास में किसी भी राज्य एवं केंद्र शासित राज्य में इतना मतदान पहले कभी नहीं हुआ। इससे पहले रिकॉर्ड पुडुचेरी में नौ अप्रैल 2026 को हुए विधानसभा चुनाव का मतदान 89.87 प्रतिशत रहा है। परिणाम जो भी आएं, इस मतदान से परिपक्व संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र की मजबूती दिखाई देती है।

दूसरे राज्यों में रह रहे मतदाता बड़ी संख्या में वापस लौटे और मतदान किया। खासकर मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और उत्तर दिनाजपुर पहुंचने वाले मतदाताओं की संख्या अधिक रही। मुस्लिम मतदाताओं ने भी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, सूरत और केरल से आकर बड़ी संख्या में वोट डाले। एसआईआर की प्रक्रिया के चलते मतदाताओं में यह धारणा बनी कि मतदान नहीं करने पर मतदाता सूची से नाम कट सकता है। इस कारण नागरिकता भी गंवानी पड़ सकती है। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को बार-बार उछाला।

तृणमूल यहां मोदी और शाह के आक्रामक चुनाव प्रचार के आगे अस्तित्व बचाए रखने के लिए जूझ रही है। कांग्रेस और वाममोर्चा का प्रयास रहा है कि अपने-अपने पारंपरिक और छिटक चुके मतदाताओं तक पहुंच बनाकर वोट डलवा लें। गोया, इस बार सभी राजनीतिक दल पूरे समय अधिकतम मतदान के लिए सक्रिय रहे। इसी का नतीजा रहा कि रिकॉर्ड मतदान ईवीएम में कैद हो गया। यह मतदान उस गहरी राजनीतिक हलचल और विभाजित सामाजिक चेतना के संकेत हैं, जो इस बार के चुनाव को असाधारण बना रही हैं। यह रिकॉर्ड इसलिए भी बना, क्योंकि एसआईआर के चलते 91 लाख वोट हटाए गए हैं। ग्रामीण महिलाएं समूहों के रूप में मतदान के लिए आईं।

इसी तरह तमिलनाडु में भी पहली बार मतदाताओं ने बढ़े तापमान के बीच भारी मतदान किया। यहां सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में मतदान हुआ है। तमिलनाडु के 5.73 करोड़ मतदाताओं ने 85.14 प्रतिशत मतदान करके इतिहास रच दिया है। इसके पहले सर्वाधिक 78.12 प्रतिशत मतदान 2011 में हुआ था। तब एआईए-डीएमके की मुखिया रहीं जयललिता ने डीएमके को करारी शिकस्त देकर सत्ता के गलियारे से बाहर कर दिया था। यहां एसआईआर प्रक्रिया के जरिए 74 लाख मतदाता बाहर हुए हैं। अतिम शाह बंगाल में इस बढ़े मतदान को टीएमसी का सूपड़ा साफ हो जाने का आधार बता रहे हैं, हालांकि यहां अन्नाद्रमुक और द्रमुक के बीच कड़ा मुकाबला है। बहरहाल, ऊंट किस करवट बैठता है, यह तो परिणाम के बाद ही पता चलेगा।

बड़े मत-प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर रहा है। फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कालांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि जब मतदान प्रतिशत 75 से 85 होने लगता है, तो किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत कम हो जाती है। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाता, लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रवीकरण की राजनीति नगण्य हो जाती है।

कालांतर में यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से भी मुक्त कर देगी, क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होता है? बावजूद इन चुनावों में जातीय और अल्पसंख्यक राजनीति सभी दलों की कार्यशैली में खुले रूप में दिखाई दी है। साफ है, जातीय कुचक्र का धरातल नीचे से नहीं, बल्कि ऊपर से बनाए रखने के उपाय किए जा रहे हैं।

बढ़ा हुआ यह मतदान विशुद्ध रूप से मतदाता की मनस्थिति से उपजा प्रतिशत है। कई मुद्दों पर वह चिंतित होकर मतदान के लिए घर से निकल गया तो मतदान-यज्ञ में अपने मत की आहुति देकर ही लौटा। ज्यादातर चुनावों में कुलीन मतदाता इसलिए मतदान नहीं करते हैं, क्योंकि एक तो वे मौसम की मार झेलने में स्वयं को समर्थ नहीं पाते, दूसरे वे अपनी बड़ी हैसियत का ख्याल रखते हुए लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान से बचते हैं, लेकिन बंगाल और तमिलनाडु में हुए मतदान से पता चलता है कि इस बार कुलीन मतदाताओं ने भी चुनावी यज्ञ में मतदान की आहुतियां दी हैं। अन्यथा मतदान का प्रतिशत इतना ऊंचा नहीं पहुंचता।

यह स्थिति मतदाता में बढ़ती राजनीतिक चेतना का प्रतीक भी है। वैसे भी लोकतंत्र की असली ताकत नागरिकों की अधिकतम भागीदारी में निहित है। बावजूद भारतीय लोकतंत्र की विशेषता है कि अंत तक कोई भी चुनावी विश्लेषक और चुनावी सर्वे एजेंसियां परिणाम से पूर्व हार-जीत का अनुमान लगाकर परिणामों के शत-प्रतिशत सटीक अनुमान नहीं लगा सकते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने कमाल कर दिया। उन्होंने आजादी के बाद अब तक की सबसे ज्यादा वोटिंग की है। बंगाल में 92.72 फीसदी वोट पड़े हैं, तो तमिलनाडु में 85.14 प्रतिशत।

आमने सामने

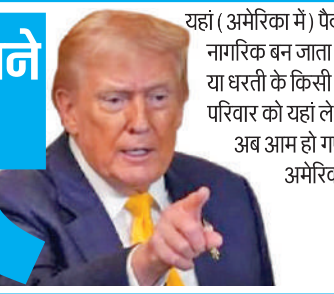

यहां (अमेरिका में) पैदा होने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है, फिर वो चीन, भारत या धरती के किसी दूसरे नर्क से अपने पूरे परिवार को यहां ले आते हैं। ऐसे उदाहरण अब आम हो गए हैं और इसके कारण अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है।

-डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रंप की टिप्पणियां अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और भद्दी हैं। ये बयान भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों का सही चित्रण नहीं करते। ट्रंप का बयान न केवल भारतीयों के लिए अपमानजनक है, बल्कि यह अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

-रणधीर जायसवाल
प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय, भारत

तपती धरती का असर अनौपचारिक श्रमबल पर

प्रो. आरके जैन

शिक्षाविद्

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिज़ाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी यह संकट अदृश्य चोट की तरह गहरा असर डाल रहा है। लैंसेट काउंटडाउन 2025 के अनुसार 2024 में गर्मी ने भारत से करीब 247 बिलियन श्रम घंटे छीन लिए, जिससे लगभग 194 बिलियन डॉलर की आय हानि हुई। 2030 तक गर्मी से 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियां प्रभावित होने का अनुमान है। बढ़ती गर्मी ने श्रम उत्पादकता को इस हद तक प्रभावित किया है कि काम की रफ्तार धीमी पड़ रही है, जिससे मजदूरों की कमाई घट रही है और देश की आर्थिक प्रगति भी बाधित हो रही है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय है, जहां बीमारी के दौरान विश्राम या आय-सुरक्षा जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, इसलिए वे मजबूरी में काम जारी रखते हैं और अपनी सेहत को और गहरे संकट में धकेलते जाते हैं।

इसके बावजूद, नीति स्तर पर यह संकट अब भी अपेक्षित प्राथमिकता हासिल नहीं कर पाया है। हीटवेव को अभी राष्ट्रीय आपदा का दर्जा नहीं मिला है, जिसके कारण राहत, पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था सीमित और धीमी बनी हुई है। नतीजतन, सबसे अधिक प्रभावित वर्ग ही सबसे कम संरक्षित रह जाता है। यदि जलवायु परिवर्तन को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाए, तो संसाधनों का अधिक प्रभावी और त्वरित आवंटन संभव होगा, निर्णय प्रक्रिया मंस तेजी आएगी और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन मजबूत होगा। यह कदम औपचारिकता नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

गर्मी अब सहनशीलता की सीमा नहीं, बल्कि सीधे स्वास्थ्य पर प्रहार करने वाली ताकत बन गई है। बढ़ती हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता साफ दिखाती है कि यह अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी और गहराता संकट है। ऐसे में इसे केवल पर्यावरण का मुद्दा मानना भूल होगी। इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार करना अब न केवल आवश्यक, बल्कि अपरिहार्य हो गया है।

इस उभरते संकट की सबसे निर्मम मार उसी विशाल अनौपचारिक श्रमबल पर पड़ रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था की धुरी है, फिर भी नीतिगत प्राथमिकताओं में हाशिये पर रहता है। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र के करीब 12.8 करोड़ कार्यकर्ता निर्माण स्थलों की धूल, सड़कों की तपिश, बाजारों की भीड़ और डिलीवरी के चक्र में जुटे मजदूर खुले आसमान के नीचे बिना सुरक्षा के काम करने को विवश हैं। उन्हें न पर्याप्त छाया मिलती है, न स्वच्छ व ठंडे पानी की नियमित उपलब्धता और न ही स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसेमंद तंत्र। यह विडंबना है कि जो हाथ देश की प्रगति को गति देते हैं, वही जलवायु संकट के सामने सबसे अधिक असहाय और असुरक्षित हैं।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभाव अब गहरे, व्यापक और चिंताजनक रूप ले चुके हैं। ऊंचा तापमान हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतों के खतरे को बढ़ा रहा है, वहीं गर्भवती महिलाओं में समय से पहले प्रसव का जोखिम 15-16 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। निर्जलीकरण, अत्यधिक थकावट, गुर्दे की खराबी और मांसपेशियों में ऐंठन जैसे लक्षण अब अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बन रहे हैं। जो आंकड़े सामने आते हैं, वे इस संकट की केवल ऊपरी परत दिखाते हैं, असल तस्वीर कहीं अधिक भयावह है, जहां अनगिनत पीड़ाएं और मामले बिना दर्ज हुए चुपचाप दब जाते हैं।

गर्मी का प्रभाव अब केवल शरीर की सहनशक्ति तक सीमित नहीं रहा, यह बीमारियों की प्रकृति, उनकी गति और उनके फैलाव की दिशा तक को बदल रहा है। तापमान में निरंतर वृद्धि और वर्षा के अस्थिर पैटर्न ने मच्छरों के जीवनचक्र को इस तरह परिवर्तित किया है कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां तेजी से नए भूभागों, यहां तक कि हिमालयी क्षेत्रों में भी पैर पसार रही हैं। जो संक्रमण कभी सीमित भौगोलिक दायरों में बंधे थे, वे अब उन क्षेत्रों में भी उभर रहे हैं, जहां पहले उनका नामोनिशान नहीं था। इस बदलाव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर असामान्य दबाव डाला है। पहले से ही वंचित और कमजोर समुदाय और अधिक खतरे में आ गए हैं।

समाधान के स्तर पर अब आधे-अधूरे उपायों से आगे बढ़कर ठोस और व्यापक कार्रवाई की जरूरत है। अनौपचारिक मजदूरों के लिए हीट-सेफ्टी कानून लागू करना, हर कार्यस्थल पर छाया और स्वच्छ पानी की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा काम के घंटों को तापमान के अनुसार वैज्ञानिक ढंग से पुनर्निर्धारित करना बेहद जरूरी है। शहरी इलाकों में हरित क्षेत्र बढ़ाना, सुलभ कूलिंग सेंटर विकसित करना और जलवायु-लचीला स्वास्थ्य ढांचा तैयार करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिजाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है।

प्रसंगवश

सुकून की तलाश में रिवायत की ओर लौटता जीवन

मानव सभ्यता ने पिछले कुछ दशकों में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी शायद इतिहास के किसी अन्य कालखंड में नहीं हुई। आज मनुष्य सुविधा-संपन्न जीवन जी रहा है। आज पक्के मकान हैं, बिजली, पानी, वातानुकूलन, आधुनिक फर्नीचर, यातायात के लिए ट्रेन, बस, कार, स्कूटर, मोटरसाइकिल और विमान जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि संचार क्रांति ने आज पूरी दुनिया को एक छोटे से गांव में बदल दिया है।

इंटरनेट, मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीकों ने जीवन को तेज, आसान और बहुत ज्यादा सुविधाजनक बना दिया है। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इन सब उपलब्धियों के बीच मनुष्य के जीवन से शांति, संतोष और आत्मीयता कम होती चली गई है। सच तो यह है कि आज का मनुष्य जितना साधनों, मशीनों से समृद्ध हुआ है, उतना ही मानसिक रूप से वह व्यस्त, तनावग्रस्त और अकेला भी हुआ है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि इन सबने मानव का चैन-सुकून छीन लिया है।

सुनील कुमार महला

लेखक

पहले के समय में मनुष्य का जीवन प्रकृति के अधिक निकट था। लोग पैदल चलते थे, खेत-खलिहानों से जुड़े रहते थे, दिन-भर अथाह परिश्रम करते थे और शारीरिक रूप से अधिक स्वस्थ रहते थे। गांवों में बच्चे कई-कई कोस पैदल चलकर स्कूल जाते थे। बाजार जाना हो, खेत जाना हो या किसी रिश्तेदार से मिलने जाना हो, पैदल चलना सामान्य बात थी। इस कारण मनुष्य का शरीर सक्रिय रहता था, बीमारियां कम होती थीं और जीवन में अनुशासन भी बना रहता था।

आशा की किरण यह है कि अब समाज धीरे-धीरे अपनी जड़ों की ओर लौटने लगा है। लोगों को समझ में आने लगा है कि केवल आधुनिक साधन जीवन का समाधान नहीं हैं, इसलिए मिलेट्स यानी मोटे अनाजों की ओर फिर से ध्यान बढ़ा है। बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, सांवा जैसे अनाज फिर से थालियों में लौट रहे हैं। दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को महत्व दिया जा रहा है। आयुर्वेद, योग, प्राणायाम और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि बढ़ रही है।

सुबह-शाम टहलने, योग करने, व्यायाम करने और पार्कों में समय बिताने की प्रवृत्ति पुनः बढ़ी है। लोग जैविक खेती (आर्गेनिक खेती) की ओर आकर्षित हो रहे हैं। खेती के साथ आज पुनः पशुपालन को महत्व दिया जा रहा है। घरों में फिर से तुलसी, नीम, एलोवेरा, फूल-पौधे लगाए जा रहे हैं। पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए जा रहे हैं। मिट्टी के घड़े और पारंपरिक रसोई के साधनों का प्रयोग पुनः आरंभ हो रहा है।

भोजन में भी लोग पारंपरिक व्यंजनों की ओर लौट रहे हैं। दाल-बाटी-चूरमा, खीर, खिचड़ी, सत्तू, राबड़ी, दलिया, लस्सी, छाछ और घर के बने पकवानों का महत्व पुनः बढ़ा है। लोग समझ रहे हैं कि स्वाद और स्वास्थ्य का वास्तविक मेल घर के भोजन में ही है। वास्तव में मनुष्य को जीवन में केवल धन-पैसा नहीं चाहिए। धन आवश्यक है, पर पर्याप्त नहीं। यदि घर में शांति न हो, मन में संतोष न हो, संबंधों में प्रेम न हो और समाज में मानवीयता न हो, तो वैभव भी अधूरा है। आदमी को सुकून चाहिए, अपनापन चाहिए, चैन की नींद चाहिए, स्वस्थ शरीर चाहिए और ऐसा समाज चाहिए जहां संवेदना जीवित हो।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

सोशल फोरम

परिवार में बुजुर्ग पुरुष

हर वृद्ध पुरुष को इसे पढ़कर चिंतन अवश्य करना चाहिए। पुरुष बूढ़ा होता है, जबकि स्त्री परिपक्व होती है। जैसे ही पुरुष अपने बच्चों की शादी कर देता है और परिवार की आर्थिक नींव मजबूत कर देता है, परिवार में उसका वरिष्ठ और सम्मानित स्थान धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। इसके बाद उसे बोझ समझा जाने लगता है। चिड़चिड़ा, गुस्सैल और अनिश्चित स्वभाव वाला बूढ़ा व्यक्ति। जिन कठोर निर्णयों से उसने कभी पत्नी और बच्चों के लिए व्यवस्था बनाई थी, आज उन्हीं निर्णयों की चीर-फाड़ होकर आलोचना होती है। एक न एक कारण से उसे दोषी ठहरा दिया जाता है और यदि वास्तव में उससे कोई गलती हुई हो तो भगवान ही रक्षा करे। वृद्ध स्त्री को इसके विपरीत, बच्चों और बहुओं से सहानुभूति मिलती है, क्योंकि उसके माध्यम से अभी भी कई काम करवाने होते हैं। सही समय आने पर वह समझदारी से पति के पक्ष से बच्चों के पक्ष में चली जाती है। जब पति उम्र में बड़ा हो, तो पत्नी बहू के साथ तालमेल बना लेती है, ताकि बेटा उससे दूर न हो और उसकी देखभाल करता रहे।

भूमिका पांडेय

राइटर

पुरुष ने जीवन में चाहे कितनी ही महान उपलब्धियां हासिल की हों, बुढ़ापे में वे किसी काम नहीं आतीं, जबकि वृद्ध स्त्री अपने पुराने पुण्यों का ब्याज जीवन भर पाती रहती है। जिन लोगों के पास पैतृक संपत्ति या खेती होती है (जिसकी बच्चों को अब भी इच्छा रहती है) उनकी स्थिति थोड़ी बेहतर होती है, लेकिन जिन्होंने भविष्य के झगड़ों से बचने के लिए समय से पहले संपत्ति बांट दी वे अक्सर उपरोक्त ही दुःखद स्थिति का सामना करते हैं, इसलिए संपत्ति समय से पहले न बांटना ही बेहतर है। किसी भी अस्पताल में चले जाएं, रिश्तेदारों की आंख देखकर ही पता चल जाता है कि भर्ती वृद्ध पुरुष है या वृद्ध स्त्री। यदि वृद्ध पुरुष हो, तो उसकी बेटी को छोड़कर शायद ही किसी की आंख नम होती है। जैसे ही पुरुष वृद्ध होता है, उसे सीख लेना चाहिए कि दूसरों से किसी भी प्रकार की अपेक्षा न रखे। याद रखें, मनुष्य जीवन भर विद्यार्थी है। समझ लें कि इस संसार में कोई किसी का नहीं है। विरक्ति, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान के साथ जीना सीखें।

आपने दूसरों के लिए क्या-क्या किया, यह सोचना भी छोड़ दें और इस बारे में बात करना भी बंद कर दें। प्राचीन शास्त्रों में कहीं भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता कि किसी स्त्री ने वानप्रस्थ या संन्यास ग्रहण किया हो। ये आश्रम केवल पुरुषों के लिए निर्धारित थे। इनके महत्व को समझें, तब ज्ञात होगा कि हमारे पूर्वज कितने दूरदर्शी थे।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

यूपी: स्टार्टअप के क्षेत्र में महिलाओं का बढ़ता प्रभाव

उत्तर प्रदेश अब केवल पारंपरिक कृषि और उद्योग तक सीमित राज्य नहीं रहा, बल्कि तेजी से देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। इस बदलाव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज महिलाएं न केवल स्टार्टअप शुरू कर रही हैं, बल्कि उन्हें सफलतापूर्वक चला भी रही हैं, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे दोनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण अब केवल सामाजिक बदलाव का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक मजबूत इंजन बन चुका है। महिलाओं की उद्यमिता को जो प्रोत्साहन मिला है, उसने राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज महिलाएं न केवल नौकरी तलाशने वाली हैं, बल्कि रोजगार देने वाली भी बन रही हैं।

धनीश शर्मा

लेखक

जहां पहले उत्तर प्रदेश में महिलाओं की स्थिति काफ़ी दयनीय हुआ करती थी, वहीं अब प्रदेश की महिलाएं पुरुषों की भांति कंधे से कंधा मिलाकर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए मजबूती के साथ बढ़ रही हैं। एक वक्त वह था जब महिलाएं केवल घर तक ही सीमित थीं, लेकिन समय के बदलाव के साथ समाज में उनकी सोच और भूमिका दोनों में बड़ा परिवर्तन आया है।

किसी भी प्रदेश की महिलाएं तभी तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ सकती हैं, जब वहां उन्हें अवसरों के साथ-साथ सुरक्षा और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर भी मिले। यह कोई अनायास नहीं है कि जहां वर्ष 2017 में केवल 174 महिला-निदेशक स्टार्टअप्स थे, वही संख्या वर्ष 2025 तक बढ़कर 2525 हो गई है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के आंकड़े इस बदलाव की स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं। यह वृद्धि सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे सरकार की दूरदर्शी नीतियां, बेहतर निवेश माहौल और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता है।

राज्य सरकार ने महिला उद्यमियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें आसान ऋण, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और मार्केट तक पहुंच जैसी सुविधाएं शामिल हैं। स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल ने भी महिलाओं को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए मंच दिया है। इसके साथ ही वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) योजना ने स्थानीय स्तर पर महिला कारीगरों और उद्यमियों को नई पहचान दिलाई है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी तेजी से हो रहा है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तो उनके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलता है।

इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स के विस्तार ने भी महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर दिया है। अब गांवों और छोटे शहरों की महिलाएं भी अपने व्यवसाय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जा रही हैं। यह बदलाव उत्तर प्रदेश को एक नए आर्थिक मॉडल की ओर ले जा रहा है, जहां विकास का केंद्र केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि हर जिला और हर गांव है, हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वित्तीय साक्षरता की कमी, सामाजिक बाधाएं और तकनीकी ज्ञान का अभाव कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लगातार काम करने की जरूरत है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शनीय स्थल

अमरकंटक

मध्य प्रदेश भारत के उत्तर और दक्षिण तथा पूर्व और पश्चिम का संधि-स्थल ही नहीं है, अपितु भौगोलिक दृष्टि से यहां पहाड़ पठार, घने वन, विस्तृत मैदान और नदी घाटियों का आकर्षक एवं समृद्ध प्रकृति का वरदान भी है। प्रकृति, कला और सौंदर्य की दृष्टि से यह पर्यटकों के लिए स्वर्ग है। ऐसा संयोग कम ही स्थलों को मिलता है, जहां प्रकृति की सुंदर छटा भी बिखरी हो और साथ ही धार्मिकता का पुण्य-लाभ भी प्राप्त हो, कदाचित मध्य प्रदेश का अमरकंटक ऐसा ही अनुपम स्थान है।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

अमरकंटक में प्रकृति रोमांचित करती है। घने जंगल आनंदित करते हैं तथा अध्यात्म और धर्म इस नगरी को एक विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। वास्तव में यह ऐसी जगह भी है, जो दो बड़ी नदियों नर्मदा और सोन का उद्गम स्थल भी है। पूर्व से पश्चिम की दिशा में बहने वाली देश की दो नदियों में एक नर्मदा का उद्गम एक छोटे कुंड से हुआ देखकर आश्चर्य होता है। पानी की झिर इस कुंड से होकर बड़े आयताकार कुंड में एकत्र होती है। इस जलसंरचना का निर्माण कल्चुरी काल में किया गया। इसी प्रकार सोनमूढ़ा नर्मदाकुंड से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर मैकल पहाड़ियों के किनारे पर है। सोन नदी 100 फीट ऊंची पहाड़ी से एक झरने के रूप में यहां से गिरती है। इनके उद्गम को देखेंगे, तो लगेगा ही नहीं कि छोटे-छोटे कुंडों से निकलकर काफी दूर तक बहुत पतली धारा में बहने वाली ये नदियां देश की संस्कृति और धार्मिकता एवं विकास को नए आयाम देती हैं।

पहाड़ों पर बसावट

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के बीच स्थित अमरकंटक को तीर्थराज की संज्ञा भी दी गई है। यह समुद्र तट से लगभग 1065 मीटर ऊंचाई पर स्थित हिल स्टेशन की अनुभूति कराता है। कल्चुरी कालीन प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध अमरकंटक घने जंगल तथा औषधीय गुणों से भरपूर पौधों की संपदा के लिए प्रसिद्ध है। यहां खदानें भी हैं और जलप्रपात भी, जल के अदृश्य स्रोत भी और सुंदर आश्रम तथा मंदिर भी। यहां का शांत वातावरण पर्यटकों को सहज ही आत्ममुग्ध कर देता है। अमरकंटक की यात्रा आध्यात्मिक स्पर्श कराती है। यहां आते ही हवा में ताजगी और शुद्धता का आभास होने लगता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार माता सती के दो अंग इस क्षेत्र में गिरे थे, अतः यह क्षेत्र दो शक्तिपीठों का क्षेत्र होने के कारण अति पवित्र है। उन दो स्थानों में से एक सोनमूढ़ा सोन नदी के उद्गम स्थल के पास है और दूसरा मां नर्मदा के उद्गम के पास स्थित देवी पार्वती जी का मंदिर है। यहां से मनमोहक झरने, पवित्र तालाब, ऊंची पहाड़ियों और शांत वातावरण यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

यहां कैसे पहुंचें

अमरकंटक जबलपुर और बिलासपुर के निकट है। शहडोल से भी सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है। अमरकंटक का निकटतम हवाई अड्डा जबलपुर में है। यहां से अमरकंटक की दूरी 245 किमी है। जबलपुर - बिलासपुर ट्रैक पर पेंट्रा रोड स्टेशन अमरकंटक के सबसे समीपस्थ रेलवे स्टेशन है। बिलासपुर, अनूपपुर और जबलपुर जंक्शन से भी अमरकंटक पहुंचा जा सकता है। शहडोल रेलवे-स्टेशन से अमरकंटक से 80 किमी तथा अनूपपुर रेलवे-स्टेशन से 72 किमी दूर है, जहां से लगातार बसें और टैक्सियां चलती रहती हैं।

प्रमुख स्थल

- **भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर** - अमरकंटक के प्रमुख मंदिरों में भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर है। इसे कल्चुरी शासक कर्ण देव महाचंद्र ने 1041-1073 ई. में निर्माण कराया था। मंदिर में कल्चुरी कालीन शिल्पकारों की बनाई आकृतियां सम्मोहित करती हैं।
- **कपिलाधारा**- अमरकंटक की यात्रा कपिलाधारा देखे बिना अधूरी रहेगी। यहां 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है। धर्मग्रंथों में कहा गया है कि कपिल मुनि यहां रहते थे। कपिल मुनि ने सांख्य दर्शन की रचना इसी स्थान पर की थी। कपिलाधारा के निकट ही कपिलेश्वर मंदिर भी बना है। इस जगह के आसपास कई गुफाएं हैं, जहां अब भी साधु-संत ध्यानमग्न देखे जा सकते हैं।
- **कबीर चबूतरा** - कबीरपंथियों के लिए इस स्थान का बहुत महत्व है। कहा जाता है कि संत कबीरदास संवत 1569 में बांधवगढ़ से जगन्नाथपुरी प्रवास के समय यहां लंबे समय तक रहे थे। उन्होंने यहां पर ध्यान लगाया था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर कबीरदास के प्रवास के बीच गुरु नानक देव जी उनसे मिलने आए थे। कबीर चबूतरे के निकट ही रानी झरना (कबीर झरना) भी है। कबीर चबूतरे के ठीक नीचे एक जलकुंड है, जिसके बारे में कहा जाता है कि सुबह की किरणों के साथ ही यहां के जलकुंड का पानी दूध की तरह सफेद हो जाता है।
- **धूनी पानी** - यहां गर्म पानी का झरना है। इसके बारे में कहा जाता है कि यह झरना औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें स्नान करने से शरीर के असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं।
- **दुग्धधारा** - दुग्धधारा एक ऐसा झरना है, जिसका जल दूध के समान प्रतीत होता है, इसीलिए इसे दुग्धधारा के नाम से जाना जाता है।
- **सोनमूढ़ा**- यह सोन नदी का उद्गम स्थल है। यहां से घाटी और जंगल से ढकी पहाड़ियों के सुंदर दृश्य देखे जा सकते हैं।
- **मां की बगिया**- यह माता नर्मदा को समर्पित है। कहा जाता है कि इस हरी-भरी बगिया से शिव जी की पुत्री नर्मदा पुष्पों को चुनती थीं। यह बगिया नर्मदा कुंड से एक किलोमीटर की दूरी पर है।

सर्वोदय जैन मंदिर

यह मंदिर भारत के अद्वितीय मंदिरों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। इस मंदिर को बनाने में सीमेंट और लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है। मंदिर में स्थित मूर्ति का वजन 24 टन के लगभग है। भगवान आदिनाथ अष्ट धातु के कमल सिंहासन पर विराजमान हैं, कमल सिंहासन का वजन 17 टन है। प्रतिमा को मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज ने 6 नवंबर, 2006 को विधि-विधान से स्थापित किया था।

100 फीट ऊंचा जलप्रपात

पहले अमरकंटक शहडोल जिले में था। अब यह अनूपपुर जिले में है। यह मैकल पर्वत श्रृंखला पर स्थित है। पत्थरों की चारदीवारी के अंदर पत्थर से निर्मित नर्मदाकुंड मंदिर, शिव परिवार, कार्तिकेय मंदिर, श्री सूर्यनारायण मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, ग्यारह रुद्र मंदिर, अन्नपूर्णा, गुरु गोरखनाथ, श्री रामजानकी, श्री राधाकृष्ण मंदिर, श्री ज्वालेश्वर महादेव, सर्वोदय जैन मंदिर, कबीर चबूतरा, कपिलाधारा, माई की बगिया आदि स्थल सदियों पुरानी स्थापत्यकला को सहेजे हुए हैं, जहां धार्मिक पर्यटकों को आना उपकृत करता है। मंदिर परिसर के आसपास परिक्रमावासियों के समूह अमरकंटक को तपस्थली के रूप में प्रतिबिंबित करते हैं। नर्मदा विश्व की एक मात्र सरिता है, जिसकी परिक्रमा की जाती है। कुंड से आगे निकलकर नर्मदा कल-कल बहने लगती है। लगभग 6 किलोमीटर की यात्रा कर नर्मदा 100 फीट ऊंचा जलप्रपात बनाती है, जिसे कपिलाधारा के नाम से जाना जाता है। हरे-भरे वातावरण से घिरे इस झरने के आगे दूध धारा है, जो छोटा जलप्रपात है। यहां पर्यटक निडर होकर स्नान करते हैं। कालिदास भी यहां आए थे और वे यहां की सुंदरता में निमग्न हो गए। उनके मेघदूत के बादल इसी अमरकंटक नगरी के ऊपर से विचरण करते हैं। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने भी यहां आकर तप किया था।

नर्मदा परिक्रमा

नर्मदा परिक्रमा विधि-विधान नियम से की जाए, तो 1300 किमी से भी अधिक लंबी परिक्रमा होती है, जो 3 वर्ष 3 महीने 13 दिन में पूर्ण होती है, किंतु आज के समय में मोटरसाइकिल या चौपहिया वाहन के द्वारा यात्रा को जल्दी पूरा कर लिया जाता है। नर्मदा परिक्रमा में नर्मदा नदी को पार नहीं किया जाता है। परिक्रमा में सभी स्थानों पर दर्शनीय स्थल देखने को मिलते हैं।

बीती यादें

कहां खो गया इक्का!

पता नहीं इक्का कहां खो गया? पहले शहरों-कस्बों में आवागमन का यही मुख्य साधन हुआ करता था। बैलगाड़ी गांव-देहात में आवागमन और भार वाहन का साधन थी।

मोहनजोदड़ो, हड़प्पा की खुदाई में बैल की एक प्रतिमा मिली है। तांबे का एक इक्का मिला है। इससे प्रमाणित होता है कि इक्का भारत सहित एशिया के एक बड़े भूभाग में आवागमन का प्रमुख साधन था। अब करनाल की राखीगढ़ी की खुदाई में कुछ ऐसी ही चीजें मिल रही हैं। इक्का को एक घोड़ा या एक बैल खींचता था। एक धुरी पर दो पहिए लगे होते थे और ऊपर छाया के लिए एक छतरी। गाय दूध देती थी और उसके बछड़े खेत में हल चलाते थे। यही बैल गाड़ी भी खींचते थे। रथ, रब्बा, बहल, छकड़ा और सग्गड़ भी। प्राचीन काल में इक्का घोड़ा दौड़ और बैल और बैल गाड़ी की दौड़ प्रतियोगिता होती थी।

शिवचरण चौहान
लेखक

एक्का, तांगा, खड़खड़ा, टमटम, रथ, रब्बा, सग्गड़ और बैलगाड़ी यही आवागमन के प्रमुख साधन थे। जब तक डीजल और पेट्रोल की खोज नहीं हुई थी। बिजली और सौर ऊर्जा की खोज नहीं हुई थी। इन सबका बहुत महत्व था। गांव की बारात बैलगाड़ियों से जाती थीं। कतार में गाड़ियां कच्ची सड़कों पर चलती दिखाई देती थीं। गाड़ी वाले बैला धीरे हांक रे तथा जरा ललकार के बैला हांकों, मेरे सैंया गाड़ीवान जैसे गीत फिल्मों में लोकप्रिय होते थे।

फिल्म तीसरी कसम का गाड़ीवान बहुत लोकप्रिय हुआ था। टमटम चार पहियों की गाड़ी होती थी। जबकि इक्का दो पहियों की जिसमें सिर्फ एक सवारी बैठती थी। बग्घी भी चार पहियों की सवारी होती थी। पहले राजा महाराजा और बादशाह अमीर लोग बग्घी पर चला करते थे। बग्घी पर अभी भी बारातें निकलती हैं। डेकोरेटेड बग्घी कई शहरों में शादी-बारात के लिए बुक की जाती थी। अब सब बीती यादें हैं। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी उसने कहा था में तांगे वाले का जिक्र आया है।

अब पेट्रोल-डीजल बैटरी और बिजली सौर ऊर्जा से चलने वाली कारें, बसें आ गई हैं, तो इक्के वालों को कौन पूछेगा? एक संस्कृति विलुप्त हो रही है। आवागमन के साधन इतिहास में पढ़ाए जाएंगे इक्का, तांगा, टमटम और बग्घी।

जॉब का पहला दिन

एक नई सोच को स्थापित करने वाला पहला कदम

जीवन में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो बिना किसी पूर्व सूचना के आ जाते हैं और आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होता है कि इसी राह पर आपका करियर बनेगा, पर नियति आपको उसी दिशा में मोड़ देती है, जिसके लिए आप बने हैं। बात उन दिनों की है जब मैं मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर नई दिल्ली में एक निजी कंपनी में अपना भविष्य टटोल रहा था। एक कंपनी में 15 दिन की ट्रेनिंग के लिए मैं दिल्ली में ही था। संयोग देखिए - 11 सितंबर 2001, जिस दिन न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर दुनिया का सबसे भीषण आतंकी हमला हुआ, उसी दिन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट से एक संदेश मिला: "आपका चयन मास्टर इन टूरिज्म मैनेजमेंट के पहले बैच में अतिथि शिक्षक के रूप में हो गया है।" वही क्षण मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट बना, जब मैंने अकादमिक जगत में पहला कदम रखा। मन में हलचल थी, 25 साल की उम्र और सामने लगभग हमउम्र विद्यार्थियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी, भीतर कहीं डर भी था, मगर पहली कक्षा के बाद संस्थान के वरिष्ठ शिक्षकों, खासकर निदेशक महोदय और वरिष्ठ प्रोफेसर ने जब कहा, "धीरे-धीरे सब परिपक्व होते हैं," तो उन्हीं शब्दों ने मेरे भीतर नई ऊर्जा भर दी।

नौकरी का पहला दिन था। पिताजी ने सहज भाव से कहा, "यह तो प्रोफेसर बन गया।" अगले दो दिन रिश्तेदारों के फोन आते रहे- सब यही दोहराते, "आपका बेटा प्रोफेसर हो गया।" किसी को यह एहसास ही नहीं था कि प्रोफेसर एक बड़ा पद होता है, जबकि मैं तो केवल पार्ट-टाइम गेस्ट फैकल्टी, यानी लेक्चरर के रूप में जुड़ा था। मैं जब स्वयं विद्यार्थी था, तभी से डायरी लिखने का शौक था। जब पुराने पन्ने पलटे तो कहीं नहीं लिखा था कि मुझे शिक्षक बनना है। मैं तो देश-शहर सुधारने के सपने देखता हुआ सिविल या डिफेंस सर्विस में जाना चाहता था। किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। बिना हिचक मैंने शिक्षण को अपनाया। पहले ही वर्ष संस्थान में पहचान बनने लगी और दो साल के भीतर मैं नियमित लेक्चरर के पद पर चुन लिया गया। जीवन अनिश्चितताओं और संघर्ष का ही दूसरा नाम है। मेरा जीवन भी उससे अलग नहीं था। इन्हीं संघर्षों ने मेरे व्यक्तित्व को तराशा, एक नई पहचान दी। वह दौर था जब कई युवा शिक्षक एक साथ आए थे, प्रतिस्पर्धा चरम पर थी। इन्हीं संघर्षों और मेरे शांत स्वभाव ने मुझे स्थायित्व दिया।

शुरुआत में लगता था कि सब पीछे खींचना चाहते हैं, पर वह केवल भ्रम था। पहले वर्ष से ही मैंने इसे स्वीकार कर अपने व्यक्तित्व को निखारना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे नए पड़ाव आते गए। अपने शुरुआती विचारों को साकार करने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के भीतर रचनात्मकता दिखाने का मौका मिला। विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल, काउंसलिंग सेल, होटल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग की स्थापना और राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे नए कॉन्सेप्ट स्थापित किए। एनएसएस ने समाज के प्रति मेरा दृष्टिकोण व्यापक किया। एक नई विचारधारा जन्मी-शैक्षिक दायित्व के साथ-साथ समाज के प्रति भी हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इस सोच के साथ सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ी। कुछ ही वर्षों में पर्यटन, सामाजिक विकास और जन-जागरूकता जैसे विषयों पर पकड़ बनी। आज कानपुर शहर को केंद्र में रखकर हैप्पीनेस, स्वास्थ्य और विजन कानपुर पर काम हो रहा है। "मुस्कुराए कानपुर", "कानपुर हेल्थ कमेटी" और "कानपुर सुपर 100" जैसी संस्थाएं खड़ी कर शहर के हर क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों को जोड़ते हुए "नव कानपुर, कुशल कानपुर" बनाने का प्रयास जारी है। सामाजिक दृष्टिकोण और प्रबंधन क्षमता के साथ जिला प्रशासन के साथ भी पर्यटन विकास और शहर के विकास में सलाहकार की भूमिका निभाकर आत्मिक संतुष्टि मिल रही है। हर इंसान के जीवन में अलग-अलग पड़ावों पर रोल मॉडल होते हैं। माता-पिता के बाद प्रारंभिक काल में एक सरकारी कार्यालय के अधीक्षक रोल मॉडल थे। सेवा भाव से भरे हुए, आज कुलपति महोदय की प्रशासनिक क्षमता, कार्य के प्रति समर्पण और दूरदर्शिता मुझे प्रेरित करती है।

डॉ. सुधांशु राय
असिस्टेंट प्रोफेसर
कानपुर

आज जहां भी खड़ा हूं, अपने परिवार के समर्पण एवं सहयोग से। मैं मानता हूं कि मैंने सब कुछ नहीं पाया, पर काफी हद तक जीवन में संतुष्ट हूं खुश हूं। शैक्षिक दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाते हुए समाज को नया नेतृत्व देने की कोशिश कर रहा हूं। ऐसा नेतृत्व जो अपने शहर कानपुर को "नया कानपुर, खुशहाल कानपुर" बनाने की दिशा में कुछ सार्थक कर सके।

कालजयी उपन्यास 'देवदास' के रचयिता शरतचंद्र

भारत में कई ऐसे यशस्वी साहित्यकार हुए हैं, जिनकी कृतियां विश्व भर में पढ़ी जाती हैं। इन साहित्यकारों में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की गणना प्रथम पंक्ति में की जाती है। आम आदमी को केंद्र में रखकर सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने पर बुने उनके उपन्यास और कहानियां पाठकों में बहुत लोकप्रिय हुईं।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय, एक ऐसे उपन्यासकार हैं, जिन्होंने अपने शब्दों और कुछ अविस्मरणीय लेखन के कारण लोगों के मन-मस्तिष्क पर एक गहरी छाप छोड़ी। उन्हें पश्चिम बंगाल के लोगों के मनोभावों, उनकी रुचियों, परंपराओं तथा उनकी जीवन शैली की गहरी समझ थी। एक विख्यात लेखक, जिनकी स्पष्ट और अविस्मरणीय लेखन की सरल शैली उस समय के नियमित पाठकों को पढ़ने के लिए एक बेहतरीन समाग्री थी। शरतचंद्र ने अपने उपन्यास और कहानियों में बंगाल के ग्रामीण अंचल में प्रचलित संस्कृति और वहां की जीवन शैली को एक नया आयाम दिया। उनके उपन्यासों और कहानियों के अधिकांश पात्र समाज के सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके आचरण तथा व्यवहार में सादगी तथा भोलापन स्पष्ट रूप से झलकता है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

शरतचंद्र का जन्म हुगली जिले के देवानंदपुर गांव में हुआ था। उन्होंने अपना बचपन भागलपुर में अपने मामा के घर में बिताया। 1894 में, उन्होंने टीएन जुबली कॉलेजिएट स्कूल से प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और उन्हें एफए क्लास में भर्ती कराया गया, लेकिन गरीबी के कारण अपनी आगे की शिक्षा जारी रखने में असमर्थ हो गए।

शरतचंद्र का व्यक्तित्व बहुमुखी प्रतिभा का धनी था, इसलिए उन्होंने जीवन के कई क्षेत्रों में कार्य किया। सबसे पहले उन्होंने बनाली एस्टेट में सहायक सेटलमेंट ऑफिसर के रूप में कार्य करना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता के उच्च न्यायालय में एक अनुवादक के रूप में काम किया। फिर उन्होंने बर्मा रेलवे में लेखा विभाग में क्लर्क के रूप में काम किया। शरतचंद्र चट्टोपाध्याय बंगाल कांग्रेस के सक्रिय सदस्य भी रहे। वे भारतीय कांग्रेस द्वारा देश की आजादी के लिए चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन में भाग लेते थे। बाद में, उन्हें हावड़ा जिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय को एक ऐसा लेखक माना जाता है, जिन्होंने बंगाल के ग्रामीण परिवेश को अपने लेखन में अच्छी तरह से समाहित किया है। उनके कृतियों में ग्रामीण सार है, क्योंकि इनमें साधारण परिवारों, शहरों से बहुत दूर प्रकृति की गोद में, नदियों, पेड़ों और कृषि भूमि के बीच के जीवनकाल को कहानियों के रूप में दर्शाया गया है। उन्होंने महिलाओं के बारे में बहुत अधिक लिखा और एक पितृसत्तामक समाज में उनकी स्थिति के बारे में स्पष्ट रूप से और ईमानदारी से बताया। उन्होंने धर्म के नाम पर हो रहे सामाजिक भेदभाव, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ विरोध किया।

शरतचंद्र का पहला उपन्यास 'बड़ीदीदी' 1907 में प्रकाशित हुआ। यह उपन्यास पाठकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुआ। इसके बाद उनका उपन्यास 'बिंदुर छेले' सन् 1913 में और एक अन्य उपन्यास 'परिणीता' 1914 में प्रकाशित हुआ। उनके इन उपन्यासों को पाठकों ने हाथों-हाथ लिया और उन्हें अपार लोकप्रियता हासिल हुई।

सन् 2016 में उनका उपन्यास 'बैकुन्ठेर उइल' सन् 1917 में 'देवदास', 'श्रीकांत' और 'चरित्रहीन' प्रकाशित हुए। देवदास और चरित्रहीन उपन्यास के प्रकाशन के बाद शरतचंद्र की गणना देश के चोटी के उपन्यासकारों में होने लगी।

सन् 1926 में शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का उपन्यास 'पाथेर दाबी' प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास का कथानक क्रांतिकारी विषयवस्तु पर आधारित था और पाठकों को आजादी के लिए प्रेरित करता था, इसलिए ब्रिटिश सरकार द्वारा इसे प्रतिबंधित कर दिया गया। अपनी साहित्य यात्रा के दौरान शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने बच्चों के लिए कई कहानियां और उपन्यास लिखे। इनमें 'रामर शुमाती' तथा 'लालू और उनके दोस्त' जैसी लघु कथाएं शामिल हैं। उनके उपन्यास और कहानियों पर सफल फिल्में भी बनाई गईं। इन फिल्मों में 'देवदास', 'परिणीता', और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों ने अपार सफलता अर्जित की और वे दर्शकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुईं। शरतचंद्र को बंगाली साहित्य में योगदान देने के लिए कई पुरस्कार मिले। इनमें सन् 1903 में उन्हें मिला 'कुंतालिन पुरस्कार' सबसे महत्वपूर्ण है। सन् 1923 में बंकिम चंद्र चटर्जी को 'जगत्तारिणी स्वर्ण पदक' से विभूषित किया गया। सन् 1934 में उन्हे 'बंगाली संगीत परिषद' की सदस्यता प्रदान की गई।

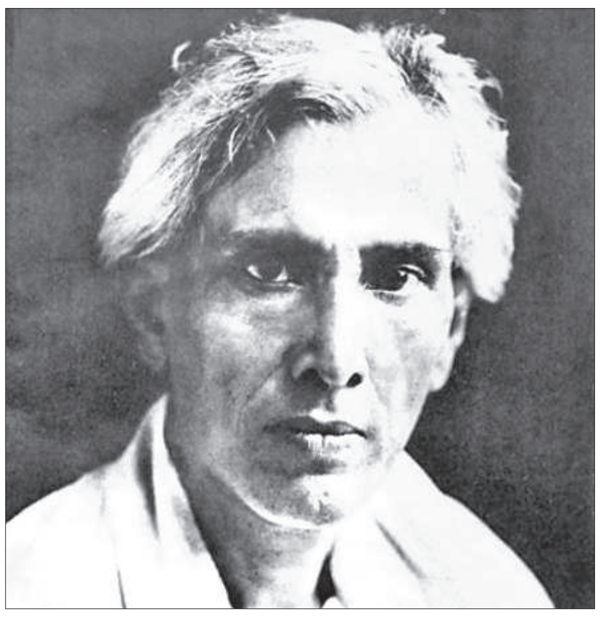

16 जनवरी 1938 को उनकी मृत्यु से बंगाल साहित्य को भारी नुकसान हुआ। उनके द्वारा लिखे गए उपन्यास हिंदी साहित्य की भी अनमोल धरोहर हैं। उनके विश्व प्रसिद्ध उपन्यासों के लिए उनका सदैव स्मरण किया जाएगा। यह देश और समाज उनका ऋणी रहेगा।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	76,664.21	23,897.95
गिरावट	999.79	275.10
प्रतिशत में	1.29	1.14

सोना 1,55,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,47,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, शनिवार, 25 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1960, फॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13 किग्रा 2360, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 किग्रा 2130, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2520, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवाइन 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 11700, हरी पत्ती नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400, लाडली 4400

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 152800, गिन्नी जेवर 148800, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 244000 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3200, मसूरी 1000, बासमती 7200-8400, परमल 1000-3600

दाल दलहन : काला चना 2000-3000, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5000, राजमा 7400-12200, दाल उड़द 4800, साबुत मसूर दाल 2000, मसूर दाल 1700, उड़द साबुत 10300, काबुली चना 5000-10200, अरहर दाल 10000 -12300, लोबिया/करमानी 1200-1400

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा

तेल की बढ़ती कीमतों और आईटी शेयर में बिकवाली ने दिया झटका, निफ्टी भी 455 अंक गिरा

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और आईटी कंपनियों के शेयर में भारी बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख और होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार व्यवधान से कारोबारियों के बीच निराशा का माहौल गहराया रहा। बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक यानी 1.29 प्रतिशत टूटकर 76,664.21 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 275.10 अंकों की गिरावट हुई।

कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,260.13 अंक यानी 1.62 प्रतिशत फिसलकर 76,403.87 अंक तक चला गया था। बीएसई पर कुल 2,905 शेयर में गिरावट आई जबकि 1,326 में बढ़त हुई और 158 में कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले सप्ताह सेसेंक्स 1,829.33 अंक या नी2.33 प्रतिशत गिरा जबकि निफ्टी में 455.6 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की गिरावट आई। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर. ने कहा, भारतीय शेयर बाजारों ने लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज रही। जोखिम से बचने की भावना ने निवेशकों के भरोसे को प्रभावित किया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आईटी क्षेत्र में लगातार कमजोरी ने बाजार पर दबाव बनाना जारी रखा।

इन्फोसिस का शेयर 7.09 प्रतिशत टूटा

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस का शेयर सर्वाधिक 7.09 प्रतिशत टूटा। एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

बढ़त के साथ हुए बंद : ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक।

स्मॉलकैप 0.95, मिडकैप 0.91 प्रतिशत टूटा

बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट 0.95 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट 0.91 प्रतिशत टूटा। बीएसई आईटी में 5.13 प्रतिशत, बीएसई फोकस्ड आईटी में 4.65 प्रतिशत, स्वास्थ्य देखभाल में 1.35 प्रतिशत, दूरसंचार में 1.33 प्रतिशत, रियल्टी में 1.30 प्रतिशत, सेवाओं में 1.17 प्रतिशत की गिरावट आई।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 107.3 डॉलर प्रति बैरल
- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बेचे 3,254.71 करोड़ रुपये के शेयर
- दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ हुए बंद
- जापान का सूचकांक निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ हुआ बंद

रुपया 15 पैसे कमजोर 94.16 प्रति डॉलर हुआ

मुंबई। रुपये में भी शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे टूटकर 94.16 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से घरेलू मुद्रा दबाव में है। रुपये में पिछले पांच सत्रों से लगातार गिरावट जारी है। घरेलू बाजार से निरंतर निकासी का भी असर पड़ रहा है।

डॉलर के मजबूत होने से तीसरे दिन भी सोना, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना-चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट जारी रही। डॉलर के मजबूत होने और वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने के बीच सोने की कीमत में 200 और चांदी की कीमत में 3,000 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये गिरकर सभी करों सहित 1,55,900 रुपये 10 ग्राम रह गई, जो बृहस्पतिवार को 1,56,100 रुपये 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत भी 3,000 रुपये की गिरावट के साथ सभी करों सहित 2,47,000 रुपये किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण नहीं पूरे हो सके राजमार्ग निर्माण के लक्ष्य

नई दिल्ली। देश में वित्त वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण 9,380 किलोमीटर रहा, जो 10,000 किलोमीटर के लक्ष्य से कम है।

- **भूमि अधिग्रहण से पहले ही प्रोजेक्ट शुरू करना कारण**

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि लक्ष्य से पीछे रहने का मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में देरी और अन्य मंजूरियां मिलने में समय लगना रहा। पिछले वित्त वर्ष में राजमार्ग निर्माण की लंबाई 2017-18 के बाद से सबसे कम रही। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10,660 किलोमीटर, 2023-24 में 12,349 किलोमीटर और 2022-23 में 10,331 किलोमीटर राजमार्ग बनाए थे। निर्माण की रफ्तार में यह कमी मुख्य रूप से नई परियोजनाओं के आवंटन में गिरावट के कारण आई है। राजमार्ग परियोजनाओं के ठेके देने की गति वित्त वर्ष 2022-23 में 12,376 किलोमीटर से घटकर वित्त वर्ष 2024-25 में 7,538 किलोमीटर रह गई। पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी इसका जिक्र किया था।

सिफारिश: घरेलू कीटनाशकों पर जीएसटी घटाकर 5% करें

नई दिल्ली। मच्छरों और कीटों से होने वाली बीमारियों से लड़ने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए जीएसटी परिषद को घरेलू कीटनाशकों पर लगने वाले कर को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करना चाहिए। ईवाई-एचआईसीए ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में इस पर जोर दिया गया है।

- **ईवाई-एचआईसीए ने रिपोर्ट जारी कर जीएसटी परिषद से किया आग्रह**

रिपोर्ट के अनुसार लिक्विड वेपोराइजर, कॉइल और एरोसोल जैसे घरेलू कीटनाशक भारत के निवारक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से घरेलू स्तर पर जहां इन बीमारियों से सुरक्षा अभी भी असमान है। ईवाई और होम इंसेक्ट कंट्रोल एसोसिएशन की इस संयुक्त रिपोर्ट में इस बात की पड़ताल की गई है कि वर्तमान 18 प्रतिशत की जीएसटी दर इन उत्पादों की वहनीयता, पहुंच और उपयोग को खासकर संवेदनशील और उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच किस तरह प्रभावित करती है। रिपोर्ट में इन उत्पादों पर कर को अन्य आवश्यक स्वच्छता और स्वास्थ्य-सुरक्षा उत्पादों की तर्ज पर पांच प्रतिशत करने का तर्क दिया गया है।

पाकिस्तान ने यूएई को लौटाया 3.45 अरब डॉलर का कर्ज

इस्लामाबाद। वित्तीय संकट में घिरे पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को बकाया 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर का पूरा कर्ज लौटा दिया है। एक अरब डॉलर की राशि अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट को चुकाई गई, जबकि 2.45 अरब डॉलर का भुगतान पिछले सप्ताह कर दिया गया था।

- **हाल ही में सऊदी अरब से मिली थी तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता**

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के मुताबिक यह भुगतान 23 अप्रैल को पूरा किया गया। इसके साथ ही यूएई को कुल 3.45 अरब डॉलर की जमा राशि की वापसी पूरी हो गई है। पाकिस्तान को हाल ही में सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मिली है। यह राशि दो किस्तों में आई, जिसमें दूसरी किस्त के रूप में एक अरब डॉलर 21 अप्रैल को प्राप्त हुए। पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़े तनाव के बाद यूएई ने पाकिस्तान से यह धन तत्काल लौटाने को कहा था। यह राशि 2019 में यूएई द्वारा पाकिस्तान को उसके भुगतान संतुलन को स्थिर करने के लिए दी गई बाहरी वित्तीय सहायता का हिस्सा थी। इससे पहले मार्च में पाकिस्तान यूएई के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर की जमा राशि को आगे बढ़ाने का समझौता करने में नाकाम रहा था।

टेस्ला भारत में सुपरचार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करेगी

नई दिल्ली। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला भारत में अपने कारोबार को मजबूत करके के उद्देश्य से अपनी चार्जिंग सुविधा का विस्तार करेगी। कंपनी ने हाल ही में भारत में अपने वाहन पेश किए हैं और अब वह ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता को कम करना चाहती है।

टेस्ला ने हाल ही में मॉडल वाई के साथ भारत में प्रवेश किया था। इसके बाद बुधवार को उसने अपना दूसरा मॉडल मॉडल वाईएल पेश किया, जो तीन पंक्तियों और छह सीटों वाला वाहन है और जिसकी कीमत 61.99 लाख रुपये है। साथ ही कंपनी ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता दूर करने के लिए चार्जिंग सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। टेस्ला इंडिया के महाप्रबंधक शरद अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल भारत में कंपनी के पांच तेज चार्जिंग केंद्र हैं, जिन्हें ऐसे स्थानों पर बनाया गया है जहां लोग काम, खरीदारी, भोजन और यात्रा के लिए जाते हैं।

'महिला सामर्थ्य' योजना से एक लाख महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कानपुर नगर के 1550 गांवों का कायाकल्प**
- **एक लाख से अधिक परिवारों की महिलाओं का डेयरी नेटवर्क तैयार, रोज चार लाख लीटर दूध का संग्रह**

अमृत विचार: योगी सरकार की 'महिला सामर्थ्य' योजना अवध क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर और कानपुर नगर के 1500 से अधिक गांवों में इस योजना के तहत एक लाख से ज्यादा महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वहीं लखनऊ, उन्नाव और बाराबंकी में इसका तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

योजना के तहत एक मजबूत डेयरी नेटवर्क खड़ा हुआ है, जिसमें जुड़ी महिलाएं रोज करीब 4 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रही हैं। अब तक 1380 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है, जिससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि हुई है। सुल्तानपुर के मुकुंदपुर गांव की अनीता वर्मा इस योजना की मिसाल बनकर उभरी हैं। दो गायों से शुरू किया गया उनका छोटा प्रयास आज उन्हें सालाना लाखों की आय दिला रहा है और वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। यह योजना साबित कर रही है कि सही अवसर और सरकारी सहयोग मिलने पर ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर भी बदल सकती हैं।

आत्मनिर्भर महिला, सशक्त परिवार

मुख्यमंत्री योगी का मानना है कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती ही समाज की असली ताकत है। इसी सोच के साथ योजना में महिलाओं को उत्पादन, संग्रहण और विपणन की पूरी प्रक्रिया से जोड़ा गया है, जिससे वे खुद निर्णय लेने में सक्षम हो रही हैं।

8000 से एक लाख तक का सफर

मार्च 2023 में 340 गांवों और 8000 महिलाओं से शुरू हुआ यह अभियान अब 1550 गांवों और एक लाख से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुका है। डेयरी व्यवसाय का यह विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए नया मॉडल बनकर उभरा है।

डीबीटी से खत्म हुआ बिचौलिया तंत्र

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए भुगतान सीधे महिलाओं के खातों में जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

संपर्क बनाए रखेंगे भारत और अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच तीन दिवसीय व्यापार वार्ता 23 अप्रैल को पूरी हुई, जिसमें दोनों पक्ष भविष्य में इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क तथा व्यापार सुगमीकरण, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा और डिजिटल व्यापार जैसे कई क्षेत्रों पर चर्चा की।

बयान में कहा गया, बैठकें सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुईं जिसमें प्रमुख मामलों पर प्रगति के लिए सार्थक और भविष्योन्मुखी चर्चा की गई। दोनों पक्ष आगे बढ़ते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त बयान सात फरवरी को जारी किया था। यह ढांचा व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

व्यापार समझौते पर बातचीत

एनएच पर दिसंबर से बाधामुक्त टोल प्रणाली

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर दिसंबर तक बिना रुकावट के टोल वसूली की नई व्यवस्था लागू की जाएगी। गडकरी ने लॉजिस्टिक्स शक्ति समिट एंड अवॉर्ड्स- 2026 के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाकर परिवहन लागत घटाना जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि इस नई प्रणाली के तहत वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। यह व्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित होगी, जिसमें वाहन नंबर पहचानने वाली प्रणाली और फास्टैग जैसी इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था शामिल होगी। इस प्रणाली में तेज गति वाले कैमरे और सेंसर के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी और उसी आधार पर टोल शुल्क वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों को डिजिटल रूप से नोटिस भेजा जाएगा। भुगतान नहीं करने पर फास्टैग बंद किया जा सकता है और वाहन से जुड़ी अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी

कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को बताया दावे का आधार

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 152 सीटों में से 110 सीटें जीतने का दावा करते हुए कहा है कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत हासिल कर वह राज्य में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सभी विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को इस दावे का आधार बताया।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत के साथ भाजपा पांच मई को राज्य में सरकार बनाने जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य के लोगों ने भाजपा के पक्ष में मतदान कर विकास की राह को चुना है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदान के सभी पुराने रिकार्ड टूट गये हैं और यह मतदान राज्य में सत्ता में परिवर्तन के लिए भाजपा के पक्ष में हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इन आरोपों पर कि भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में बाहर का व्यक्ति मुख्यमंत्री बनेगा इस पर शाह ने कहा, मुख्यमंत्री बंगाल में ही जन्म लेने वाला, बांग्ला माध्यम से पढ़ने वाला और बांग्ला बोलने वाला होगा लेकिन इतना जरूर है कि वह आपका भतीजा नहीं होगा बल्कि वह भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह।

साजिश का मतदान से दिया है जनता ने जवाब : ममता

दिल्ली से बंगाल चलाने के सपने कामयाब नहीं होंगे

कोलकाता, एजेंसी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपने विभाजनकारी एजेंडे को थोपने की कोशिश कर रही ताकतों को शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि यह विधानसभा चुनाव राज्य को कमजोर करने और उस पर नियंत्रण करने के व्यवस्थित प्रयास का प्रतिरोध करने के लिए है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि बंगाल को कमजोर करने के हर प्रयास का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। दिल्ली में बैठे लोग बंगाल के अधिकारों को छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साजिश रच रहे हैं, लेकिन उन्हें समझ लेना चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है और वोट के जरिए जवाब देगी। यह चुनाव बंगाल को कमजोर करने के प्रयास का विरोध करने का है। मुख्यमंत्री का इशारा राज्य में मोदी, शाह प्रचार अभियान की ओर था।

ममता ने कहा, चौरंगी, भवानीपुर, यादवपुर और टॉलीगंज में मैंने लोगों को कड़े इरादे, दृढ़ संकल्प, एकता के साथ बंगाल, उसकी पहचान और भविष्य की रक्षा के लिए उमड़ते देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे दिल्ली से बंगाल चला सकते हैं, उसके लोगों को बांट सकते हैं और संस्कृति को विकृत कर सकते हैं, वे बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। इस भूमि की स्मृति लंबी है और इसकी रीढ़ की हड्डी बहुत मजबूत है।

खिदिरपुर में ममता बनर्जी ने किया रोड शो।

भाजपा के विभाग की तरह बर्ताव कर रहा चुनाव आयोग: वेणुगोपाल

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को भाजपा का एक विभाग करार देते हुए आरोप लगाया कि उसने कांग्रेस प्रमुख खरगे को तुरंत नोटिस जारी कर दिया, जबकि मोदी के संबोधन पर कोई कार्रवाई नहीं की। वेणुगोपाल ने दावा किया कि संसद में परिसीमन संबंधी विधेयक पारित न होने के बाद प्रधानमंत्री का हालिया सार्वजनिक संबोधन चुनाव नियमों और आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन था।

भाजपा कार्यकर्ता को तृणमूल ने धमकाया

कोलकाता। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दक्षिण कोलकाता में पार्टी की एक कार्यकर्ता को उसके आवास पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा धमकाया गया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

चुनाव में निर्वाचन अधिकारी मगर मतदाता सूची से बाहर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव में निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत कई लोगों के नाम भी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इन लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उन्हें अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कीं वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए दायर याचिकाएं

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने सीजेआई सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को बताया कि कई अधिकारियों के नाम बिना किसी कारण मनमाने ढंग से मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। न्यायमूर्ति बागची ने स्वीकार किया कि जिन लोगों की अपील अभी लंबित है, वे शायद पश्चिम बंगाल के मौजूदा विधानसभा चुनावों में मतदान नहीं कर पाएंगे, लेकिन वे अपनी अपील जारी रख सकते हैं ताकि भविष्य के लिए मतदाता सूची में उनका नाम बहाल किया जा सके।

सीजेआई ने पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग पर खुशी जताई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में एसआईआर मामले में सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को राज्य में पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई। कहा, भारत के एक नागरिक के रूप में मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग मतदान के अधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई की जरूरत है, उनकी याचिका पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए।

बंगाल में मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों के डेटा की सुरक्षा के लिए कड़े निर्देश

- **निर्वाचन अधिकारी के सामने कैमरों से निकाले जाएंगे एसडी कार्ड कैमरा उतारे जाने तक पोलिंग टीम नहीं छोड़ सकेगी मतदान केंद्र**

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद नए दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें मतदान समाप्त होने के बाद निगरानी कैमरों और वीडियो डेटा का सुरक्षा और प्रबंधन के लिए सख्त प्रोटोकॉल तय किए गए हैं। इसके अलावा पोलिंग टीमों को तब तक मतदान केंद्रों को न छोड़ने का निर्देश दिया है, जब तक वहां से तय प्रोटोकॉल के मुताबिक सारे कैमरे न उतार लिए जाएं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों में उपयोग किए गए एसडी कार्ड मतदान समाप्त होते ही तुरंत नहीं निकाले जा सकेंगे। संबंधित अधिकारियों को केवल कैमरे उतारने की अनुमति होगी, जिसके बाद कैमरे सेक्टर अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा, एसडी कार्ड केवल निर्धारित डेटा संग्रहण और रिसीविंग सेंटर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में ही निकाले जा सकेंगे। चुनाव अधिकारी ने कहा कि मतदान के दौरान रिकॉर्ड की गई सभी वीडियो फुटेज को सुरक्षित तरीके से संरक्षित किया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा, जब तक कैमरा उपकरण पूरी तरह नहीं उतार लिया जाता, तब तक मतदान दल का कोई सदस्य या बीएलओ मतदान केंद्र नहीं छोड़ सकता।

वर्ल्ड ब्रीफ

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी को सम्मान

वाशिंगटन। भारत के थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के पेनसिल्वेनिया स्थित यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 'इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया है। वह यह सम्मान पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के विशिष्ट फेलो जनरल द्विवेदी, जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के तीसरे प्रमुख हैं। भारतीय सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज, कार्लाइल बैरक्स का दौरा किया, जहां उन्हें इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं।

250 भारतीय यहूदी इजराइल पहुंचे

यरूशलम। इजराइल सरकार की पिछले साल घोषित पहल के तहत पूर्वोत्तर भारत से लगभग 250 यहूदी यहां पहुंचे। पिछले साल नवंबर में सरकार ने अगले पांच वर्षों में इजराइल में आव्रजन के लिए हजारों यहूदियों को धन मुहैया कराने का वादा किया था, जिसके तहत बीने मनेशे समुदाय का पहला समूह बृहस्पतिवार को इजराइल पहुंचा। बीने मनेशे समुदाय मणिपुर और मिजोरम के कुछ हिस्सों में रहता है। समुदाय का दावा है कि उनका वंश बाइबिल में उल्लेखित मनेशे कबीले से है। यह समुदाय 1990 के दशक से धीरे-धीरे इजराइल पहुंच रहा है। पिछले तीन दशकों में समुदाय के लगभग 4,000 सदस्य इजराइल आ चुके हैं और लगभग 6,000 अन्य सदस्य इजराइल आने का इंतजार कर रहे हैं।

दुष्कर्म केस में ब्रिटिश व्यक्ति को उम्रकैद

लंदन। ब्रिटेन के वॉल्सॉल में एक सिख महिला से बलात्कार के मामले में दोषी करार दिए गए 32 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति को शुक्रवार को बर्मिंघम क्राउन अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। जॉन एशबी नाम के ब्रिटिश व्यक्ति को पिछले साल अक्टूबर में उस हमले के कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसने धार्मिक घृणा से प्रेरित वारदात कर वेस्ट मिडलैंड्स में समुदाय को सदमे में डाल दिया था। व्यक्ति ने शुरू में यौन उत्पीड़न, गला घोंटने, नस्ली रूप से शारीरिक नुकसान पहुंचाने और डकैती के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन बाद में उसने अपराधों को स्वीकार कर लिया। दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई और पैरोल पर विचार से पहले उसे 14 साल जेल में रहना होगा।

अल्जीरिया में नौका पलटने से 17 सोमाली प्रवासियों की मौत

मोगादिशु, एजेंसी

- मृतकों में 12 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल

अल्जीरिया और स्पेन के बीच समुद्री क्षेत्र में एक नौका के पलट जाने के बाद कम से कम 17 सोमाली प्रवासी मारे गए। अल्जीरिया में सोमालिया के राजदूत ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

राजदूत यूसुफ अहमद हसन ने सोमालिया की सरकारी मीडिया को बताया कि अपने परिचितों की तलाश कर रहे लोगों ने उनसे संपर्क किया। यूरोप की यात्रा के दौरान नौका के पलटने के बाद डूबने से 12 पुरुष और पांच महिलाओं की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मुझसे उन अभिभावकों ने संपर्क किया जो अपने बच्चों की तलाश कर रहे थे और उनके बारे में जानना चाहते थे। हसन ने बताया कि इसके बाद उन्होंने अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय से संपर्क किया, जिसने उन्हें सूचित किया कि राजधानी अल्जीयर्स से लगभग 100 किलोमीटर पश्चिम में एक तटीय प्रांत में अफ्रीकी प्रवासियों के एक समूह में शामिल लोगों की मौत हो गई है।

यूरोप जाने की कोशिश कर रहे प्रवासियों के लिए उत्तरी अफ्रीका और स्पेन के बीच का मार्ग आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले मार्गों में से एक है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति चिंताजनक

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा, कार्रवाई में कमी से बढ़ रहे धर्मांतरण और अगवा किए जाने के मामले

लंदन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों और महिलाओं को अगवा किए जाने तथा जबरन शादी के जरिये उनका धर्मांतरण कराए जाने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा है कि कार्रवाई की कमी" ऐसे मामलों में वृद्धि का कारण बन रही है। जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के विशेषज्ञों ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, धर्म या आस्था में कोई भी बदलाव वास्तव में दबाव मुक्त होना चाहिए। साथ ही शादी दोनों पक्षों की पूर्ण एवं दबाव मुक्त सहमति पर आधारित होनी चाहिए, जो कानूनी रूप से तब संभव नहीं है, जब पीड़ित नाबालिग हो।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पाकिस्तान में 2025 में अपहरण, जबरन शादी और धर्मांतरण से पीड़ित लड़कियों एवं महिलाओं में से लगभग 75 फीसदी हिंदू और 25 प्रतिशत ईसाई समुदाय की थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी लगभग 80 फीसदी घटनाएं सिंध प्रांत से दर्ज की गईं। विशेषज्ञों के अनुसार, कार्रवाई की कमी लगातार जारी इस कृत्य को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, 14 से 18 साल की उम्र की किशोरियों को खास तौर पर निशाना बनाया जाता है। गरीब और हाशिये पर रहने वाले परिवारों की लड़कियों और युवतियों के साथ ऐसे कृत्य होने की आशंका ज्यादा रहती है। विशेषज्ञों ने कहा कि पीड़ित लड़कियों और महिलाओं को न सिर्फ शारीरिक एवं यौन हिंसा, सामाजिक कलंक और गंभीर आघात का सामना करना पड़ता है, बल्कि धर्म और आस्था के पालन की उनकी आजादी भी छीन ली जाती है। उन्होंने कहा, ये महिलाएं और लड़कियां लगातार आतंक के साये में जी रही हैं... इसे रोकना होगा।

गाज़ा युद्ध में प्रतिदिन औसतन 47 महिलाएं मारी गईं : संरा

न्यूयॉर्क। गाज़ा पट्टी में अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2025 के बीच इजरायल की सैन्य कार्रवाई में 38,000 से अधिक महिलाएं और लड़कियां मारी गयी हैं, जो इस अवधि में प्रतिदिन औसतन 47 मौतों के बराबर है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र महिला इकाई की रिपोर्ट गाज़ा में युद्ध की कीमतः महिलाएं और लड़कियां में कहा गया है कि यह संख्या उसी अवधि में दर्ज कुल मौतों के आधे से अधिक है। गाज़ा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुए इजरायल के सैन्य अभियान में अब तक 71,200 लोगों की मृत्यु दर्ज की गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की कुल हिस्सेदारी सभी मृतकों में आधे से अधिक है। साथ ही यह भी संकेत दिया गया है कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि मलबे में दबे शवों को निकालने में कठिनाई और स्वास्थ्य तथा सूचना तंत्र के बाधित होने के कारण कई मामलों की रिपोर्टिंग नहीं हो पाई है। आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों की मौतों में वृद्धि उन अवधियों में देखी गई जब नागरिक ढांचे जैसे घर, स्कूल और आश्रय स्थलों का व्यापक विनाश हुआ। अनुमान है कि गाज़ा में लगभग 11,000 महिलाएं, लड़कियां विकलांगता का सामना कर रही हैं।

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने सात महीने से अधिक प्रेग्नेंट लड़की को अबॉशर्न की दी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को 15 वर्षीय लड़की को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन कराने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला, विशेषकर नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक जारी रखने के लिए बाध्य नहीं कर सकती।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि जन्म लेने वाले बच्चे की अपेक्षा गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि ऐसी गर्भावस्था जारी रहने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा की संभावनाओं, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अवांछित गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। पीठ ने कहा कि अपने शरीर से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार विशेषकर प्रजनन के मामलों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न हिस्सा है। यह अधिकार अव्यावहारिक प्रतिबंध लगाकर निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता, खासकर नाबालिगों और अवांछित गर्भावस्था जैसे मामलों में। न्यायालय ने कहा कि किसी भी अदालत को किसी महिला और विशेष रूप से नाबालिग बच्ची को उसकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक ढोने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। ऐसा करना न केवल उसकी निर्णय लेने की स्वतंत्रता की अनदेखी होगी, बल्कि यदि उसे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर किया जाए तो उसे गंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात भी पहुंचेगा। पीठ ने कहा कि राहत देने से इनकार नाबालिग को अपरिवर्तनीय परिणाम झेलने के लिए मजबूर करेगा और ऐसा दृष्टिकोण प्रजनन विकल्प को मौलिक अधिकार मानने वाले संवैधानिक तथा स्थापित सिद्धांतों के विपरीत होगा।

गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण

न्यायालय ने कहा कि गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। पीठ ने कहा कि यह कहना आसान है कि यदि गर्भवती महिला बच्चे का पालन-पोषण नहीं करना चाहती तो वह उसे गोद दे सकती है, इसलिए उसे बच्चे को जन्म देना ही चाहिए। लेकिन यह विचार विशेषकर उन मामलों में स्वीकार्य नहीं हो सकता, जहां जन्म लेने वाला बच्चा अवांछित हो। ऐसी स्थिति में महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध बच्चे को जन्म देने और गर्भावस्था जारी रखने का निर्देश देना गर्भवती महिला के कल्याण को नकारना होगा और उसे अभी जन्म न लेने वाले बच्चे के हितों के अधीन कर देगा। संवैधानिक अदालतों को ऐसे मामलों में जन्म लेने वाले बच्चे के बजाय गर्भवती महिला के कल्याण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितियों का मूल्यांकन करना चाहिए।

गर्भसमापन के लिए सभी तथ्यों, परिस्थितियों पर देना होगा ध्यान

न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक अदालत को उन सभी तथ्यों और परिस्थितियों को उस पक्ष के दृष्टिकोण से देखना चाहिए, जो गर्भसमापन चाहती है और चिकित्सकीय जोखिम उठाने को तैयार है, न कि गर्भावस्था पूरी कर अवांछित बच्चे को जन्म देने का निर्देश देना चाहिए। पीठ ने कहा कि यदि संवैधानिक अदालत यह कहे कि अवांछित गर्भावस्था भी जारी रखनी होगी, तो अनुमति लेने के लिए अदालत आने के बजाय लोग अवैध गर्भपात केंद्रों का रुख करेंगे या गुप्त रूप से गर्भसमापन कराएंगे, जिससे गर्भवती महिला को अधिक खतरा होगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस मामले में लड़की 15 वर्ष की है और गर्भावस्था अवांछित है इसलिए इसे जारी रखना नाबालिग गर्भवती के हित में नहीं है, विशेषकर तब जब उसने दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के उनके आरोपों से जुड़े मामले में दायर की गई थी। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने सोमवार को खेड़ा द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता को गुवाहाटी उच्च न्यायालय का रुख करने के लिए कहा था।

एक संवाददाता सम्मेलन में खेड़ा द्वारा लगाए इन आरोपों के बाद मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने कांग्रेस नेता और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, वे कुछ दस्तावेजों पर आधारित हैं, जो उनके पास हैं जबकि पुलिस ने दावा किया कि उन दस्तावेजों को पहले ही फर्जी साबित किया जा चुका है। अदालत ने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने यह कहीं नहीं कहा कि पुलिस ने झूठे या मनगढ़ंत दावे किए हैं।

18 माह बाद 400 फिट ऊंचे टावर से उतारा गया युवक

समाना, एजेंसी

- गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर सख्त कानून की थी की मांग

पंजाब में बेअदबी की घटनाओं के लिए सख्त कानूनों की मांग को लेकर करीब 560 दिनों से 400 फुट ऊंचे मोबाइल टावर पर बैठे कार्यकर्ता गुरजीत सिंह खालसा को आखिरकार शुक्रवार सुबह नीचे उतार लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम के साथ ही गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के लिए कड़ी सजा की मांग कर रहे खालसा (43) के अनूठे ढंग से किए जा रहे विरोध प्रदर्शन का समापन हो गया।

उन्होंने 12 अक्टूबर 2024 को पटियाला के समीप समाना में स्थित टावर पर चढ़कर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। पटियाला के एक दमकल अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मियों, पुलिस और नगर निकाय के अधिकारियों की एक टीम ने विशेष 'क्रेन-लिफ्ट' की मदद से उन्हें नीचे उतारा। कार्यकर्ता को टावर से उतारते समय उन्होंने हाथ हिलाकर अपने उन समर्थकों का अभिवादन किया जो नीचे खड़े थे। इस बीच एक समर्थक ने चिल्लाकर कहा कि खालसा 'चढ़दी कला' (जोश) में है। खालसा को 'सिख जयकारा' और 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के नारों के बीच टावर से उतारने के बाद चिकित्सा जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। इस

बीच उनके समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। कई स्थानीय लोगों को अपने घरों की छतों से इस पूरी प्रक्रिया को देखते हुए देखा गया। पटियाला जिले के खेड़ी नगैयां गांव के निवासी कार्यकर्ता ने जमीन पर कदम रखते हुए कहा कि हम जीत गए हैं। खालसा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां को बेअदबी विरोधी कानून लागू करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि गुरु की कृपा से मैं 18 महीने और 12 दिन बाद सुरक्षित वापस आ गया हूं। मैं पंजाब सरकार का आभारी हूं। पंजाब सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ संशोधित कानून जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026' को हाल ही में अधिसूचित कर दिया है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के किसी भी कृत्य के लिए आजीवन कारावास और 25 लाख रुपये तक के जुर्माने समेत कठोर दंड का प्रावधान है।

इजराइल-लेबनान संघर्ष विराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ा

- ट्रंप बोले-दोनों देशों के राजदूतों के बीच सार्थक रही बैठक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के बाद इजराइल और लेबनान ने इजराइल एवं हिजबुल्ला चरमपंथी समूह के बीच युद्धविराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में इजराइल और लेबनान के राजदूतों के बीच हुई बैठक सार्थक रही। राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के दौरान हालांकि ट्रंप ने स्वीकार किया कि उन्हें हिजबुल्ला के बारे में भी सोचना होगा। हालांकि ईरान समर्थित इस समूह ने वार्ता का विरोध किया है और पिछले शुक्रवार को प्रारंभिक युद्धविराम लागू होने के बाद से दोनों पक्षों द्वारा कई बार इसका उल्लंघन किया गया है। इजराइल और लेबनान के बीच दशकों में यह पहली सीधी राजनयिक वार्ता थी। दोनों पक्षों के बीच हुआ शुरुआती 10 दिवसीय युद्धविराम सोमवार को खत्म होने वाला था। ट्रंप ने सोशल पोस्ट में कहा कि लेबनान को हिजबुल्ला से रक्षा में मदद करने के लिए अमेरिका उसके साथ काम करेगा। बाद में ओवल ऑफिस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से वाशिंगटन में मुलाकात करेंगे।

सीबीएसई 10वीं : दूसरी बोर्ड परीक्षा को 6.68 लाख से अधिक आवेदन

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए 6.68 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें अधिकांश आवेदन मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों में सुधार के लिए हैं, जिसके परिणाम इस महीने की शुरुआत में घोषित किए गए थे। सीबीएसई के अनुसार, दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 6,68,854 नियमित उम्मीदवारों ने आवेदन किया है जिनमें से 5,25,655 ने सुधार के लिए, 85,285 ने कंपार्टमेंट श्रेणी के तहत तथा 57,914 ने कंपार्टमेंट तथा सुधार दोनों श्रेणियों के लिए आवेदन किया है। बोर्ड ने बताया है कि 2026 से कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा दो बार कराई जा रही है। इसके तहत छात्रों को पहली (मुख्य) परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा।

शरण देने के ट्रंप के प्रतिबंध को अवैध बताया

वाशिंगटन। एक अपीलीय अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत शरण देने की सुविधा को निलंबित कर दिया गया था। यह आदेश रिपब्लिकन राष्ट्रपति की अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर प्रवासन पर नकेल कसने की योजना का एक प्रमुख स्तंभ था।

आरएसएस 'कु क्लक्स क्लैन' का भारतीय संस्करण नहीं : होसबाले

वाशिंगटन, एजेंसी

- सरकार्यवाह बोले-संगठन के बारे में कई हैं गलतफहमियां

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कहा कि आरएसएस अमेरिकी श्वेत वर्चस्ववादी समूह 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण नहीं है। साथ ही उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला।

हडसन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस' में संवादात्मक सत्र के दौरान होसबाले ने कहा कि अमेरिका में भारत के बारे में गलतफहमियों की तरह ही आरएसएस के बारे में भी गलत धारणाएं हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को लेखक वाल्टर रसेल मीड के साथ चर्चा के दौरान कहा कि दशकों से जानबूझकर या अनजाने में अन्यथा किसी एजेंडा के तहत इस तरह की धारणा गढ़ी गई है कि आरएसएस

एक हिंदू वर्चस्ववादी संगठन है या यह ईसाई विरोधी, अल्पसंख्यक विरोधी, विकास विरोधी और आधुनिकीकरण का विरोधी है। होसबाले ने कहा कि इसलिए सकारात्मक कार्यों को कभी उजागर नहीं किया गया। इसके बजाय हमेशा गलत छवि का ही प्रचार किया जाता रहा है... जैसे हम 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण हों, जो कि हम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू दर्शन और संस्कृति पूरे विश्व को एक परिवार की तरह देखती है और यह वर्चस्ववाद का समर्थन नहीं करती। आरएसएस सरकार्यवाह ने कहा, हम सजीव और निर्जीव, हर चीज में एकता देखते हैं। जब यही हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो श्रेष्ठता का प्रश्न ही नहीं उठता। इतिहास में हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया है। होसबाले ने आरएसएस को भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विचारधारा में निहित एक स्वयंसेवी आंदोलन के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस भारत के प्राचीन समाज की सांस्कृतिक नैतिकता और सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरित एक जन स्वैच्छिक आंदोलन है जिसे सामान्यतः हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि चरित्रवान, आत्मविश्वासी, समाज सेवा का भाव रखने वाले और समाज को संगठित करने में सक्षम स्वयंसेवकों को तैयार करने के लिए संघ एक घंटे की दैनिक और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

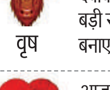

मेष आज निर्णय लेने से पहले स्थिति को पूरी तरह समझना जरूरी होगा। दिन के दूसरे हिस्से में चीजें स्पष्ट होंगी।

वृष आज किसी बात को लेकर मन में दबाव रह सकता है। कारोबार में बड़ी साझदारी हो सकती है। धैर्य बनाए रखें।

मिथुन आज का दिन अच्छा रहेगा। संपर्क आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। सही समय पर लिया गया निर्णय आपको आगे बढ़ाएगा।

कर्क आज आपका ध्यान परिवार से जुड़े मामलों पर रहेगा। किसी जिम्मेदारी को निभाने का समय है। भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

सिंह आज आपके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं। दिन का दूसरा भाग आपके लिए अनुकूल रहेगा।

कन्या आज आपको अपने कामों पर ध्यान देना होगा। किसी भी लापरवाही से बचें। छोटे-छोटे प्रयास ही आपको सही परिणाम देगा।

तुला आज किसी नई योजना की शुरुआत हो सकती है। आपको अपने तरीके से काम करने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक आज विदेश से जॉब के ऑफर मिलने की संभावना बन रही है। दूसरों के कार्यों में टांग न अड़ाएं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

धनु आज परिस्थितियों के लगातार अनुकूल होने से खुश रहेंगे। ऑफिस में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

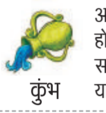

मकर आज कुछ लोग आपके कार्यों में अवरोध डालने का प्रयास कर सकते हैं। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें।

कुंभ आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। कारोबार में विस्तार कर सकते हैं। व्यवसायिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है।

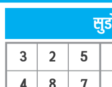

मीन आज आपकी दिनचर्या अत्यंत अनुशासित रहेगी। घर का माहौल काफी अच्छा रहेगा। प्रशासन से जुड़े लोग कार्यों से संतुष्ट रहेंगे।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

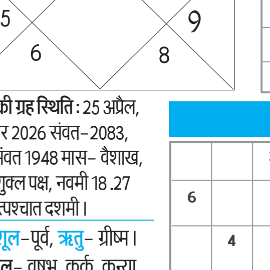

आज की ग्रह स्थिति : 25 अप्रैल, शनिवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 18 .27 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्लेशा 20 .04 तक तत्पश्चात मघा।

सुडोकू - 129 का हल

3	2	5	9	6	8	1	4	7
4	8	7	2	1	3	9	5	6
9	6	1	7	4	5	8	3	2
8	5	6	3	2	9	4	7	1
2	1	4	8	7	6	3	9	5
7	3	9	4	5	1	2	6	8
6	7	2	1	9	4	5	8	3
1	9	3	5	8	7	6	2	4
5	4	8	6	3	2	7	1	9

सुडोकू -130

		3		5				
6			4			9		
	4				3			8
9					5			
8		6			1	3		5
			2					4
5			1	3			2	
	7	1			4			9
			5	9		6		

शोध

नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज होने पर दूर हो सकते हैं डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद जैसे कई लक्षण

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, अलग से इलाज की जरूरत

ब्रिटेन, एजेंसी

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवतः प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है। आज अनिद्रा ब्रिटेन में लोगों के सामने सबसे आम मानसिक समस्याओं में से एक बन गई है।

इंग्लैंड में लगभग एक-तिहाई वयस्क अनिद्रा से जुड़े लक्षणों का सामना करने की बात स्वीकार करते हैं। अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है, तो उसे सेकेंडरी इंसोमेनिया कहा जाता है। यही कारण है कि पहले डॉक्टर अक्सर सिर्फ मुख्य बीमारी का इलाज करते थे और सेकेंडरी इंसोमेनिया का अलग से उपचार करने पर ध्यान नहीं देते थे। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में शोध और नैदानिक अनुभव, दोनों से पता चला कि यह तरीका सही नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कुछ मामलों में अनिद्रा की शिकायत किसी मुख्य बीमारी के उभरने से पहले से ही हो सकती है, जबकि कुछ मामलों में यह उसके ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रह सकती है। प्राइमरी और सेकेंडरी इंसोमेनिया से चिकित्सकीय रूप से निपटने के तरीके में इस अंतर को त्यागना इस बात को स्वीकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम था कि अनिद्रा अक्सर अपने आप में एक स्वतंत्र बीमारी होती है, जिसका अलग से इलाज करना जरूरी है। शोधकर्ताओं ने इस बात के पुख्ता सबूत जुटाए हैं कि अगर लोगों की नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज किया जाए, तो उनमें मौजूद डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद, मनोभ्रंश, शराब की लत, बाइपोलर डिसऑर्डर आदि में सुधार हो सकता है।

किसे होती है अनिद्रा की शिकायत?

पिछले दो दशक में दुनियाभर से अधिक सटीक आंकड़े मिले हैं, जो यह दर्शाते हैं कि अनिद्रा की समस्या कितनी आम है। यह लगभग सभी वर्गों को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाएं, बुजुर्ग और गरीब एवं हाशिये पर पड़े लोग इसके प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं, क्योंकि उनमें अक्सर जैविक, मानसिक और सामाजिक, तीनों कारक मिलकर अनिद्रा की समस्या को जन्म देते हैं। महिलाओं के सामने हार्मोन में बदलाव, गर्भावस्था, शिशु का जन्म, स्तनपान, रजोनिवृत्ति, घरेलू हिंसा, दूसरों की देखभाल की जिम्मेदारी, चिंता और अवसाद जैसी स्थितियां आती हैं।

बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत यात्रा पर आएंगी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की अध्यक्ष सुश्री एन्नालेना बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत की यात्रा पर आयेंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बेयरबॉक की यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के निमंत्रण पर हो रही है और वह विदेश मंत्री के साथ आपसी हित के महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगी। बेयरबॉक महात्मा गांधी की समाधि राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। वह एआई पर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ एक संवादात्मक सत्र में भी भाग लेंगी।

“हमारा प्रदर्शन खराब इसलिए दिख रहा है क्योंकि हम हर मैच में लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं। पिछले मैच में हमने एक ही ओवर में तीन विकेट गंवा दिए थे और हमारी बल्लेबाजी भी बहुत अच्छी नहीं रही थी।
–ट्रिस्टन स्टब्स, दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज

स्टेडियम

बरेली, शनिवार ,25 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

पंजाब किंग्स
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
राजस्थान रॉयल्स
समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

भारत 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में होगा शामिल : मांडविया

बडगाम। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत 2036 तक दुनिया के शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में शामिल होगा और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में अपनी जगह बना लेगा। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खेल प्रशासन को अधिक सुव्यवस्थित किया है और देश में एक संगठित खेल ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ओमपोरा में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 30-बिस्तर वाले अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद कहा सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दे रही है।

भारतीय पुरुषों ने कनाडा को हराया

होर्सेंस (डेनमार्क)। लक्ष्य सेन को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा लेकिन आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने जीत दर्ज की जिससे 2022 के चैंपियन भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप फाइनल्स के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा पर 4-1 से शानदार जीत हासिल की। हालांकि महिला वर्ग में भारत को निराशा हाथ लगी। उबेर कप फाइनल के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में भारत मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गया। लक्ष्य सेन को शानदार प्रयास के बावजूद दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 18-21, 21-19, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जोनाथन बिंग त्सान लाई व केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

आत्मसम्मान बचाने उतरेगी महिला टीम

जोहान्सबर्ग। पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला गंवाने के बावजूद भारत के पास शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बहुत कुछ दांव पर होगा, जिसमें अपनी प्रतिष्ठा बचाना, लय वापस पाना और इस प्रारूप के आगामी विश्व कप के लिए रणनीति तय करना शामिल है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही पांच मैचों की इस श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है और टीम का लक्ष्य इस अभियान को जारी रखते हुए सूपड़ा साफ करना है।

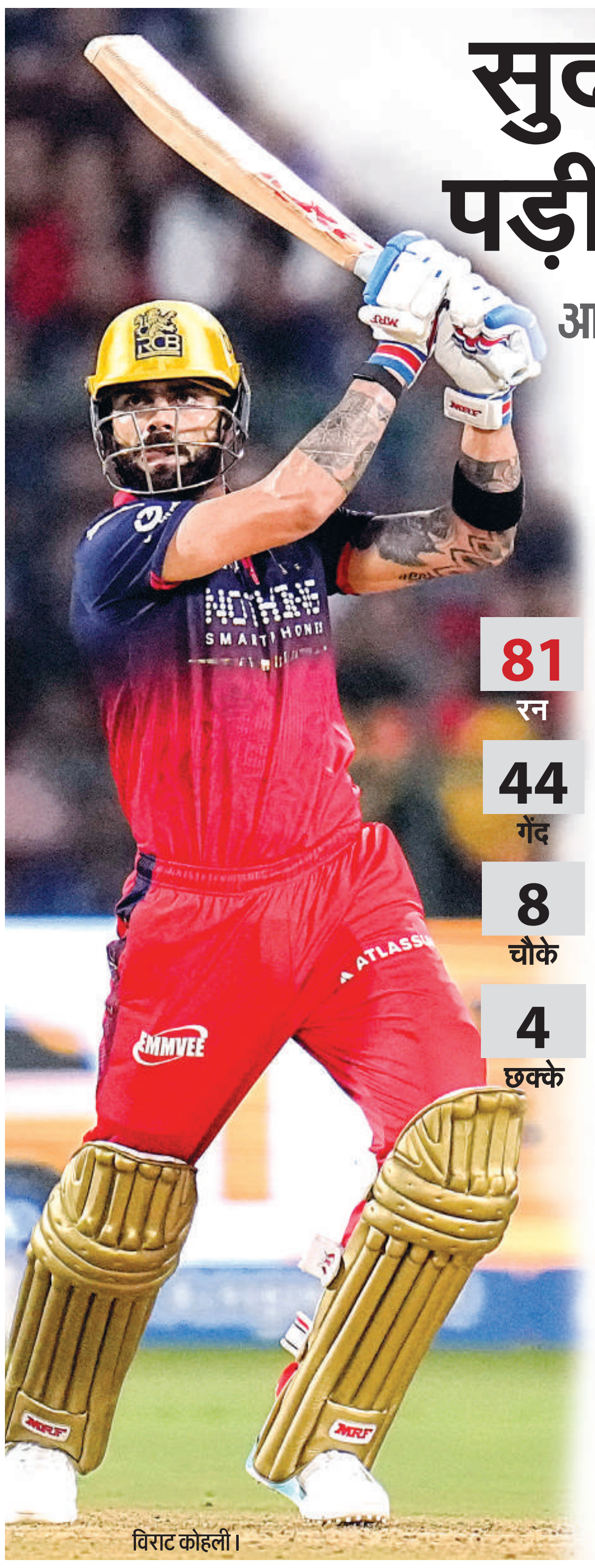

81 रन | 44 गेंद | 8 चौके | 4 छक्के

विराट कोहली।

सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ी विराट कोहली की पारी

आईपीएल-2026 : बेंगलुरु ने गुजरात को 5 विकेट से हराया

बेंगलुरु एजेंसी

विराट कोहली (81) और देवदत्त पड़िक्कल (55) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 34वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को सात गेंद शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ आरसीबी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज ने जेकब बेथेल (14) रन को आउट कर पहला झटका दिया। इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पड़िक्कल की जोड़ी ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 115 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में राशिद खान ने देवदत्त पड़िक्कल को आउट कर इस साझेदारी क अंत किया। पड़िक्कल ने 27 गेंदों में दो चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 55 रन बनाये। अगले ही ओवर में जेसन होल्डर ने शतक की ओर बढ़ रहे विराट कोहली को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली ने 44 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 81 रनों की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों ने टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया था। ऐसे समय में कप्तान रजत पाटीदार (आठ) और जितेश शर्मा (10) के विकेट गिरने के बाद आरसीबी पर संकट मंडराने लगा।

गुजरात टाइटंस

205/3 (20 ओवर)

साई सुदर्शन का एवं बो हेजलवुड	100
शुभमन गिल का पडिक्कल बो सूयश	32
जोस बटलर का हेजलवुड बो भुवनेश्वर	25
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	19
जेसन होल्डर नाबाद	23

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन :** 1-128, 2-160, 3-177, **गेंदबाजी :** भुवनेश्वर 4-0-31-1, हेजलवुड 4-0-40-1, रसिख सलाम 3-0-28-0, कृणाल पांड्या 4-0-50-0, शेफर्ड 1-0-17-0, सूयश शर्मा 4-0-36-1

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

206/5 (18.5 ओवर)

जैकब बेथेल का शाहरूख बो सिराज	14
विराट कोहली बो होल्डर	81
देवदत्त पडीक्कल का राशिद खान	55
रजत पाटीदार का सुंदर बो सुथार	08
जितेश शर्मा का सुथार बो राशिद खान	10
टिम डेविड नाबाद	10
कृणाल पांड्या नाबाद	23

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन :** 1-26, 2-141, 3-154, 4-171, 5-173

गेंदबाजी : सिराज 3-0-25-1, रबाडा 4-0-45-0, जेसन होल्डर 3.5-0-35-1, प्रसिद्ध कृष्णा 2-0-31-0, राशिद खान 4-0-49-2, मानव सुथार 2-0-19-1

इसके बाद क्रुणाल पंड्या और टिम डेविड की जोड़ी ने संभलकर खेलते हुए आरसीबी की जीत सुनिश्चित की। आरसीबी ने 18.5 ओवरों में पांच विकेट पर 206 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम कर लिया। क्रुणाल पंड्या ने 12 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 23 रनों की पारी खेली। वहीं टिम डेविड ने नौ गेंदों में नाबाद 10 रन बनाये। गुजरात टाइटंस के लिए राशिद खान ने दो विकेट लिये। मोहम्मद सिराज, जेसन होल्डर और मानव सुथार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले साई सुदर्शन (100) की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ तीन विकेट पर 205 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़कर अपनी टीम अच्छी शुरुआत दिलाई। 13वें ओवर में सुयश शर्मा ने शुभमन गिल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शुभमन गिल ने 32 रन बनाए। 16वें ओवर में जॉश हेजलवुड ने शतक बना चुके साई सुदर्शन को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। साई सुदर्शन ने 58 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 100 रनों की पारी खेली। 18वें ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने जॉस बटलर को आउट कर आरसीबी को तीसरी सफलता दिलाई। जॉस बटलर ने 16 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 25 रन बनाये। जेसन होल्डर ने आखिरी ओवर में दो छक्के एक चौका जड़ गुजरात का स्कोर 200 रनों के पार पहुंचाया।

ऑरेंज कैप

- विराट कोहली बेंगलुरु -328 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद-323 रन
- हेनरिच क्लोसेन हैदाराबाद -320

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 14 विकेट
- प्रिंस यादव गुजरात - 13 विकेट
- इशान मलिंगा हैदाबाद- 12 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	10	1.101
3.	राजस्थान रॉयल्स	7	5	2	0	10	0.790
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
7.	गुजरात टाइटंस	7	3	4	0	6	-0.790
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

संजू सैमसन की शतकीय पारी को कुंबले और हरभजन ने जमकर सराहा

मुंबई, एजेंसी। अनिल कुंबले और हरभजन सिंह जैसे पूर्व दिग्गज स्पिनरों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की जमकर सराहना की। उन्होंने इसे परिस्थिति के हिसाब से सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। सैमसन की 54 गेंदों पर नाबाद 101 रन की पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने छह विकेट पर 207 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियंस को 104 रन पर आउट कर बड़ी जीत दर्ज की। मौजूदा सत्र में यह सैमसन का दूसरा शतक है। पूर्व स्पिनर कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहासीएसके की सफलता अक्सर उनके सलामी बल्लेबाजों की मजबूत शुरुआत पर टिकी रही है लेकिन पिछले कुछ सत्र में टीम को इस मामले में निराशा मिली है। सैमसन ने इस जिम्मेदारी को उठाने की कोशिश की है। सिर्फ सात मैचों में दो नाबाद शतक, और उन्होंने टीम को संभालने में अहम

भूमिका निभाई है। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस शतक को सैमसन की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। उन्होंने कहा संजू सैमसन इसलिए अलग नजर आए क्योंकि उनकी खेल की समझ बहुत मजबूत थी। बहुत से खिलाड़ियों में प्रतिभा होती है, लेकिन बहुत कम खिलाड़ी यह समझ पाते हैं कि अलग-अलग परिस्थितियों में पारी को कैसे गति देनी है। उन्होंने यह समझा कि खासकर एक युवा टीम के साथ अंत तक टिके रहना कितना जरूरी है।

रॉयल्स की नजरें सनराइजर्स के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने पर

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो उसकी कोशिश अपने घरेलू मैदान पर दबदबा कायम रखने के साथ-साथ दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले का हिसाब बराबर करने की भी होगी।

यह मुकाबला आईपीएल के इस चरण में बेहद अहम माना जा रहा है, जहां दोनों टीमें जरूरी अंक हासिल करने की कोशिश में होंगी। सनराइजर्स ने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की शानदार गेंदबाजी के बूते दोनों टीमों के बीच 13 अप्रैल को खेले गए पहले चरण के मुकाबले को 57 रन से जीता था। रॉयल्स ने हालांकि उस हार से उबरते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 40 रन की जीत से अच्छी वापसी की है। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए चौथे स्थान पर है, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी टीम के लिए खतरा बनी हुई है। रॉयल्स को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में हर विभाग (पावरप्ले, मध्य ओवर और आखिरी ओवर) में संघर्ष करना पड़ा था, और टीम इस बार माकूल जवाब देने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां इशान किशन और हेनरिक क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। हिंगे और साकिब दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है। रॉयल्स की टीम मध्यक्रम की बल्लेबाजी को छोड़कर लगभग हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के नाम सात मैचों में पांच जीत हैं। उनकी बल्लेबाजी की रीढ़ युवा खिलाड़ियों पर टिकी है।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद : ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिम्रोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रविंद्र जड़ेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नंद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा।

अभ्यास सत्र के दौरान सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषक शर्मा। एजेंसी

दिल्ली के सामने अपराजेय पंजाब की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने के लिए शनिवार को यहां होने वाले मुकाबले में तालिका में शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 47 रन से हार का सामना करने वाली दिल्ली के लिए वापसी की राह काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसके लिए उसके ज्यादातर खिलाड़ियों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ दिल्ली फिलहाल अंकतालिका के छठे स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स छह मुकाबलों में 11 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। उनका एकमात्र अंक तब गया था जब कोलकाता में मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी में अस्थिरता रही है। केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने कुछ पारियों में योगदान दिया है, लेकिन पूरी टीम एक साथ प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल से भी उम्मीद की जा रही है कि वह बल्ले और रणनीति दोनों में अधिक जिम्मेदारी निभाएं।

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल और पथुम निसांका। एजेंसी

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, कूपर कोनोली, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद।

सचिन ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन

मुंबई। भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार को अपना 53वां जन्मदिन अपने घर पर परिवार और विभिन्न आयु वर्ग के प्रशंसकों की मौजूदगी में मनाया। इस मौके पर उनकी पत्नी अंजलि भी उनके साथ मौजूद रहीं। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अपने आवास पर पहुंचे प्रशंसकों की तालियों और उत्साह के बीच केक काटा। उन्होंने इस दौरान अपनी तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनी एक छोटी बच्ची को देखकर उसे गोद में भी उठा लिया, जिससे माहौल और भावुक हो गया। तेंदुलकर ने इससे पहले दिन की शुरुआत में सोशल मीडिया पर अपनी मां, पत्नी अंजलि और अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा मेरी सुबह की परफेक्ट शुरुआत आई (मां), अंजलि और इस शरारती के साथ हुई। इससे बेहतर क्या हो सकता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेंदुलकर के जन्मदिन के मौके पर आयोजित लीजेंड्स क्लब कार्यक्रम के दौरान उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

पत्नी अंजलि तेंदुलकर और फैंस के साथ जन्मदिन मनाते सचिन तेंदुलकर। एजेंसी

दी सफाई

मुंबई इंडियंस की लगातार हार पर बोले मुख्य कोच महेला जयवर्धने, थकान की आशंकाओं को किया खारिज

मुंबई को आत्मविश्वास, एकाग्रता व अनुशासन की जरूरत

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप में खेलने के कारण लेकर थकान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि टीम लय और आत्मविश्वास हासिल करने पर ध्यान दे रही है।

मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा पिछले महीने आईसीसी टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, जबकि मिचेल सैंटनर ने इस विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई की थी और अनुभवी क्विंटन डिकॉक दक्षिण अफ्रीका टीम के अहम सदस्य थे। मुंबई इंडियंस को बृहस्पतिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। यह टीम की सात मैचों में पांचवीं हार थी।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव सात मैचों में 156 रन ही बना सके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह (2 विकेट) और तिलक वर्मा (181 रन) भी एक पारी को छोड़ दे तो खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, “मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी खुद भी थकान को कारण मानेंगे। हमें लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, “हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

इस बीच न्यूज़ीलैंड के टी20 कप्तान मिचेल सैंटनर को चोट के बाद स्कैन के लिए भेजा गया। उन्हें डाइव लगाकर कैच लेने के दौरान सिर, गर्दन और कंधे में चोट लगी थी। उनकी जगह कंकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में शार्दुल ठाकुर को बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। जयवर्धने ने कहा उसके सिर पर पहले चोट लगी, फिर गर्दन और कंधे पर। मैदान से वापस आने के बाद उसे चक्कर आने लगे, इसलिए उसने स्कैन करवाया। सैंटनर ने डगआउट में कंधे के लिए बर्फ रखी थी, लेकिन उसे लगा कि उसकी हालत स्थिर नहीं है, इसलिए हम उसे स्कैन के लिए ले गए।

चेहरे पर हाथ रखकर अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं : अकील हुसैन

चेन्नई सुपरकिंग्स की जीत में 17 रन पर चार विकेट लेकर अहम योगदान देने वाले अकील हुसैन ने कहा कि चेहरे पर हाथ रखकर उनके अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं है। हर खिलाड़ी का अपना एक तरीका होता है। नूर अहमद का एक तरीका है, कुछ फुटबॉल खिलाड़ियों के भी अपने तरीके होते हैं, तो मैंने बस यही चुन लिया। इसके पीछे ज्यादा कुछ नहीं है, यह सिर्फ छोटी-छोटी सफलताओं का जश्न मनाने का तरीका है। हुसैन ने आगे कहा उन्हें पता था कि मुंबई के पास केवल पांच गेंदबाज हैं। उन्हें आखिरी ओवरों में एक ऐसे गेंदबाज का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसका शुरू में ज्यादा उपयोग नहीं हुआ था।